प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

सुविचार

एकमात्र ईश्वर, आत्मा और आध्यात्मिकता ही सत्य हैं- शक्ति-स्वरूप हैं।

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 18 | अंक 238 | दैनिक | रांची | शुक्रवार 11 अप्रैल 2025 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 3.00

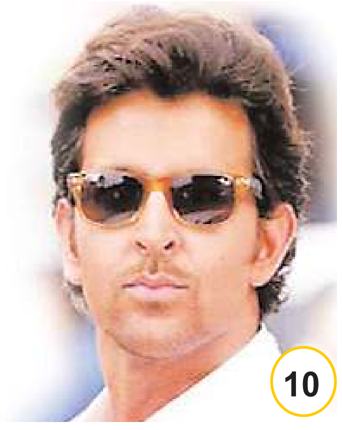

10

पीएम मोदी संत, देशसेवा को मानते हैं असली पूजा

- दिल्ली सीएम बोलीं-अमित शाह का व्यक्तित्व साहसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक संत हैं और गृह मंत्री अमित शाह का व्यक्तित्व साहसी है। मैं उनके जैसा बनना चाहती हूं। न्यूज एजेंसी को बुधवार शाम दिए इंटरव्यू में सीएम ने कहा कि मैं मोदी जी को संत मानती हैं। कुछ संत भगवान की सेवा में समर्पित हो जाते हैं। मोदी जी देश सेवा को ही अपनी पूजा मानते हैं। हमारी पार्टी में ऐसे कई लोग हैं, जिन्होंने अपने-अपने तरीके से देश सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। नितिन गडकरी और अमित शाह भी उनमें से एक हैं। उन्होंने कहा- शाह में कठिन फैसले लेने और लागू करने की क्षमता है, फिर चाहे वे कितने ही मुश्किल हों। उन्होंने देश के लिए कई बड़े फैसले बिना किसी हिचकिचाहट के लिए हैं। मैं अमित शाह जी की तरह बनना चाहूंगी। उनमें निर्णय लेने की क्षमता है और वे वही करते हैं जो वे कहते हैं। रेखा गुप्ता दिल्ली के हालिया विधानसभा चुनाव में पहली बार विधायक बनी हैं। भाजपा ने यहां 26 साल बाद चुनाव जीतने के बाद रेखा को सरकार की कमान सौंपी है। विधानसभा की 70 सीटों में से भाजपा ने 48 और एएपी ने 22 सीटें जीती थी। वहीं, जबकि कांग्रेस एक भी सीट जीत नहीं पाई थी दिल्ली की सीएम के रूप में उनके नाम की घोषणा पर रेखा गुप्ता ने कहा- ऐसा लगा जैसे कोई फिल्म चल रही हो। खुद को चुटकी काटकर विश्वास दिलाया कि मुझे सीएम बनाया जा रहा है। भाजपा प्रतिभा और समर्पण से भरी है। हमारी पार्टी में परवरिश ऐसी है कि पहले उन्हें तैयार किया गया और अब वे हमें तैयार कर रहे हैं और हम अगली पीढ़ी के साथ ऐसा करेंगे। यह एक दूसरे का हाथ थामने की कड़ी है।

लालू-नीतिश की गद्दी हथियाने चिराग करेंगे 'खेला'

- बिहार में हिंदुत्व के मुद्दे पर बीजेपी से खुद को किया अलग

पटना (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान जाने अनजाने या फिर किसी राजनीतिक साजिश के शिकार हो गए हैं। इसकी वजह भी है कि चिराग पासवान की पहचान बिहार के युवा भविष्य के रूप में होती है, ठीक वैसे ही जैसे युवा नेतृत्व के नाम पर तेजस्वी यादव और कन्हैया कुमार। इनके राजनीतिक चिंतन में सिर्फ दल या फिर महागठबंधन की जीत नहीं है, बल्कि

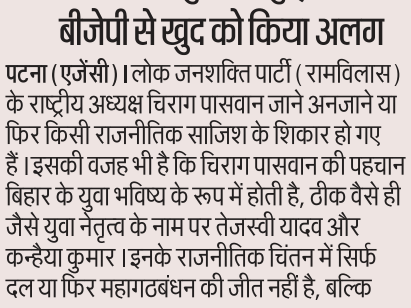

इनकी राजनीतिक चिंतन का मूल फोकस है कि लालू यादव और नीतिश कुमार के बाद जो राजनीतिक वैक्यूम आयेगा उस समय देश और राज्य की जनता उनके किस राजनीतिक कदम को सर आंखों पर रखती है। बिहार की राजनीति का इतिहास रहा है कि सेक्युलर दिखने वाला चेहरा सीएम की कुर्सी पर बैठता है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का यह वक्तव्य कि लोजपा (आर) भाजपा के हिंदुत्व के साथ नहीं है। चिराग यह कहे क्यों नहीं जब दशकों के निरंतर प्रयास के बाबजूद देश के सबसे बड़े संगठन का नेतृत्व करने वाली भाजपा ही सीएम नहीं बना सकी। लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने इस कठिन समय में दूर की गोटी खेल गए। साफ तौर से कहा कि लोजपा (आर) बीजेपी के हिंदुत्व के एजेंडे के साथ नहीं है। धर्म और राजनीति को अलग रखना चाहिए। नहीं तो फिर देश के असल मुद्दों पर बहस नहीं होगी। एक ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि जहां पर धार्मिक संगठन राजनीतिक पक्षपात न करें। राजनेता और राजनीतिक दल धर्म की चर्चा न करें। जब हम राजनीति और धर्म को अलग कर देंगे तो मुझे लगता है कि एक बड़ी समस्या का हल अपने आप हो जाएगा। व्यक्तिगत आस्था पर लगाम नहीं।

विनेश फोगाट ने स्वीकारा 4 करोड़ रुपए का ऑफर

- प्लाट या सरकारी नौकरी नहीं ली, हरियाणा सीएम ने रेसलर को दी थी 3 चॉइस

जींद (एजेंसी)। कांग्रेस एमएलए रेसलर विनेश फोगाट ने हरियाणा की बीजेपी सरकार का 4 करोड़ रुपए लेने का ऑफर स्वीकार कर लिया है। सरकार की तरफ से उन्हें तीन च्वाइस दी गई थी- सरकारी नौकरी या प्लाट या 4 करोड़ कैश। इसमें से विनेश ने 4 करोड़ कैश अवॉर्ड को लेकर सहमति दी है।

हालांकि विनेश फोगाट ओलिंपिक से बिना मेडल ही देश लौटी थीं। बाद में वे कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़कर विधायक बन गई हैं। कैश अवॉर्ड को लेकर विनेश फोगाट का सहमति का पत्र खेल विभाग को मिल चुका है। उन्हें राशि देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बता दें कि विनेश 2024 के पेरिस ओलिंपिक में फाइनल मुकाबले तक पहुंची थीं। हालांकि 100 ग्राम बढ़े वजन की वजह से वह फाइनल मुकाबला खेलने से पहले ही बाहर हो गईं। जिसके बाद सीएम नायब सैनी ने विनेश का सिल्वर मेडलिस्ट जैसा सम्मान करने का ऐलान किया था। हालांकि जब कुछ नहीं मिला तो विनेश ने विधानसभा के बजट सत्र में कहा था कि सरकार ने उन्हें सिल्वर मेडल के बराबर सम्मान देने घोषणा की थी। 8 माह बीत गए लेकिन कुछ नहीं

मिला। जिसके बाद सीएम नायब सिंह सैनी ने कैबिनेट मीटिंग के बाद राज्य की 2019 की कैश अवॉर्ड की खेल पॉलिसी के अनुसार विनेश को सरकारी नौकरी या हरियाणा का प्लाट या 4 करोड़ का कैश अवॉर्ड में से कोई एक विकल्प चुनने का ऑफर दिया था। इसी साल मार्च में विधानसभा का बजट सत्र था। तब विनेश ने कहा-जब मैं पेरिस गई तो फाइनल में पहुंची। उसके बाद जो हुआ वो परमात्मा की मर्जी थी, और मैंने उसे स्वीकार कर लिया है। उस समय हमारे सीएम ने ऐलान किया था कि विनेश हमारी बेटी है और उसे सिल्वर मेडल का सम्मान दिया जाएगा। आज सदन में आप भी बैठे हैं, मैं भी बैठी हूं। लोगों को पता होना चाहिए कि सच्चाई क्या है। आपने अपना वादा पूरा नहीं किया है। सर, आपके सभी विधायक बोल रहे हैं कि आपकी जुबान मतलब वादा पक्का। मैं आपको वही दिखा रही हूं कि आपका वादा अधूरा है और आपको पूरे सदन के सामने यह बताना चाहिए।

सीएम हेमन्त सोरेन से युवा इंडिया ट्रस्ट की टीम ने की मुलाकात

- मुख्यमंत्री ने कहा, बच्चियां मुकाम हासिल करें, हर कदम पर सरकार करेगी सहयोग
- झारखंड अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन कर पेश कर चुका है मिसाल

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से गुरुवार को युवा इंडिया ट्रस्ट की टीम ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ओरमांझी में गरीब बच्चियों की शिक्षा, लाइफ स्किल प्रोग्राम और फुटबाल प्रशिक्षण को लेकर चलाए जा रहे कार्यक्रमों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बच्चियों के बेहतर भविष्य के लिए कई योजनाएं चला रही है। यहां की बच्चियां आगे बढ़े, वे एक मुकाम हासिल करें, इसके लिए सरकार हर कदम पर सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने ओरमांझी जैसे छोटे इलाके में रहने वाली बच्चियों की खेल प्रतिभा की पहचान कर उन्हें तराशने के लिए ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा दे रही है सरकार: मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की ताकत खेल है। यहां के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन से राज्य को गौरवान्वित किया है। हमारी सरकार खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए लगातार कदम उठा रही है। हर पंचायत में खेल मैदान बनाए जा रहे हैं। खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए बेहतर प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। खिलाड़ियों को नौकरी देने के साथ सम्मानित करने की परंपरा शुरू की गई है। राज्य में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कई खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि यहां खेलों के प्रति एक बेहतर वातावरण बनने के साथ खिलाड़ियों को आगे आने का मौका मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के बच्चे- बच्चियों में खेलों से आत्मीय लगाव देखने को मिलता है। उनके पास संसाधनों की कमी होती है, लेकिन खेलों के प्रति दीवानगी देखते ही बनती है। सिमडेगा और खूंटी के सुदूर इलाकों में रहने वाले गरीब बच्चे -बच्चियों के हाथों में हॉकी स्टिक देख कर आप सहज अनुमान लगा सकते हैं कि उनका हॉकी से किस तरह का जुड़ाव है। हमारा राज्य हॉकी के साथ फुटबॉल और अन्य खेलों में भी आगे बढ़े, इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

ऊंची उड़ान भरना है ,तो सपने जरूर देखें-मुख्यमंत्री ने बच्चियों से कहा कि अगर आपको ऊंची उड़ान भरना है, तो सपने जरूर देखना चाहिए। जब आप सपना देखेंगे, तभी आगे बढ़ने का रास्ता मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि काम कोई भी छोटा या बड़ा नहीं होता है। आप किसी भी क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकते हैं। लेकिन जिस भी क्षेत्र में जाएं, वहां ईमानदारी से मेहनत करें। आपके कार्यों से आपको निश्चित तौर पर अलग पहचान मिलेगी।

चुनौतियों के बीच हमें अपने को स्थापित करना है

मुख्यमंत्री ने बच्चियों से कहा कि हर किसी के लिए जिंदगी चुनौतीपूर्ण होती है। इन्हीं चुनौतियों के बीच हमें अपने को स्थापित भी करना होता है। इसमें कोई आपका मददगार साबित होगा तो कोई आपको पीछे धकेलने की भी कोशिश करेगा। आपके पास जरूरी संसाधनों का भी अभाव होगा, लेकिन इसके बाद भी आपको ना तो निराश होना है और ना ही हतोत्साहित। आप सबसे पहले अपना लक्ष्य तय करें। उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करें। किसी भी परिस्थिति में घबराएं नहीं। अपने मनोबल को हमेशा बनाए रखें, आपको सफलता जरूर मिलेगी।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता का हो रहा आयोजन

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई खेल प्रतियोगिताओं का सफल और शानदार आयोजन करता आ रहा है। हॉकी में हमने अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कई टूर्नामेंट आयोजित कर मिसाल पेश की है, जिसकी सराहना देश और दुनिया ने की है। अब फुटबॉल के भी के बड़े आयोजन करने की योजना है, ताकि यहां के फुटबॉल खिलाड़ियों को एक बेहतर माहौल दिया जा सके।

मुख्यमंत्री ने बच्चियों से किया संवाद

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर पढ़ाई के साथ फुटबॉल का प्रशिक्षण ले रही बच्चियों से सीधा संवाद कर उनके अनुभवों को जाना। बच्चियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि ट्रस्ट से जुड़ने के बाद उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया है। पढ़ाई के साथ खेलों में आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। देश विदेश में होने वाले फुटबॉल प्रतियोगिताओं में शामिल होने का मौका मिल चुका है। आज हमारे लिए फुटबॉल से बढ़कर कुछ भी नहीं है। मुख्यमंत्री ने ट्रस्ट को भरोसा दिलाया कि सरकार की ओर से इसमें हर संभव सहयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले युवा इंडिया ट्रस्ट के निदेशक फ्रांज़ गैसलर, चाइल्ड डेवलपमेंट ऑफिसर निहारिका, युवा स्कूल की प्रिंसिपल श्रुति, लाइफ स्किल प्रोग्राम की को- ऑर्डिनेटर अंकिता के साथ कई बच्चियां शामिल थीं।

भारत लाया गया मुंबई हमले का दोषी तहव्वुर राणा

- दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड हुआ विशेष विमान,सीधे एनआईए हेडक्वार्टर ले जाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2008 मुंबई आतंकी हमलों का दोषी तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत ला रहा विशेष विमान दिल्ली पहुंच गया है। यह विमान दिल्ली के पालम टेक्निकल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। यहां से तहव्वुर को सीधे एनआईए हेडक्वार्टर ले जाया गया। एनआईए हेडक्वार्टर के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जेल सोर्स के मुताबिक, राणा को दिल्ली की तिहाड़ जेल में हाई सिक्योरिटी वार्ड में रखा जाएगा। जेल प्रशासन ने इसके लिए जरूरी इंतजाम कर लिए हैं। हालांकि, उसे कब और किस वार्ड में रखा जाएगा, इसका अंतिम फैसला कोर्ट के आदेश के बाद ही लिया जाएगा। जांच एजेंसी एनआईए और खुफिया एजेंसी रॉ की एक जॉइंट टीम तहव्वुर को लेकर बुधवार को अमेरिका से रवाना हुई थी। राणा को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया जा सकता है। पेशी से पहले उसका मेडिकल टेस्ट किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राणा के प्रत्यर्पण को लेकर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को भी हाई अलर्ट कर दिया गया है। इसके साथ ही कमांडोज को भी एयरपोर्ट पर तैनात किया गया है। एयरपोर्ट के बाहर सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज की सिक्योरिटी विंग और स्थानीय पुलिस मौजूद रही। केंद्र सरकार ने इस मामले में नरेंद्र मान को स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर के तौर पर नियुक्त किया है।

अमेरिकी सरकार बोली- राणा का रोल साबित हुआ- अमेरिकी सरकार का कहना है, 'हेडली ने बताया है कि राणा ने एक शख्स को आदेश दिया कि वो हेडली के लिए मुंबई में फर्स्ट वर्ल्ड ऑफिस खोलने से जुड़ी फर्जी कहानी को सच दिखाने वाले डॉक्यूमेंट्स बनाए। राणा ने ही हेडली को सलाह दी कि भारत विजिट करने के लिए वीजा कैसे हासिल करना है। ये सारी बातें ईमेल और अन्य दस्तावेजों से प्रमाणित हुई हैं।

64 साल का तहव्वुर हुसैन राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। तहव्वुर हुसैन पाकिस्तानी सेना में डॉक्टर के तौर पर काम करता था। इसके बाद वह 1997 में कनाडा चला गया और वहां इमिग्रेशन सर्विसेस देने वाले बिजनेसमैन के तौर पर काम शुरू किया। कनाडा से वह अमेरिका पहुंचा और शिकागो सहित कई लोकेशंस पर फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज नाम से कंसल्टेंसी फर्म खोली। अमेरिकी कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक, राणा कई बार कनाडा, पाकिस्तान, जर्मनी और इंग्लैंड भी गया था। वह लगभग 7 भाषाएं बोल सकता है।

मणिपुर में फिर तनाव,17 अप्रैल तक लगाया गया कर्फ्यू

- चुराचांदपुर में दो जनजातियों के बीच बढ़ गया था विवाद

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में दो जनजातियों के बीच हुए विवाद की वजह से बुधवार को 17 अप्रैल तक कर्फ्यू लगाया गया। जोमी और हमार जनजाति के बीच मंगलवार को विवादित जगह पर अपने-अपने समुदाय के झंडे फहराने को लेकर तनाव पैदा हो गया था। यह विवादित जगह वी मुनहोइह और रेंगकाई गांवों के बीच है। वी मुनहोइह और रेंगकाई के साथ ही कांगवाई, समुलामलान और संगाइकोट में भी कर्फ्यू लगाया गया है। हालांकि, इन इलाकों में सुबह 6 बजे से 5 बजे शाम तक कर्फ्यू में छूट दी गई है। बुधवार को कलेक्टर ने दोनों गांवों के लोगों की बैठक ली। इस दौरान दोनों समुदायों ने कहा कि यह विवाद जातीय नहीं जमीन का है। बैठक में लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहें न फैलाने की अपील की गई। इससे पहले दोनों जनजातियों के बीच 18 मार्च को झंडा हटाने को लेकर हिंसा हुई थी। इस हिंसा में हमार जनजाति के रोपुई पाकुमटे नामक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे। पिछले 16 मार्च को रविवार देर शाम हमार जनजाति के नेता रिचर्ड हमार पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया था। रिचर्ड अपनी गाड़ी चला रहे थे।

भारत को घेरने के लिए चीन ने चली नई चाल !

- बांग्लादेश में एयरबेस बनाते ही पूरा हो जाएगा ख्वाब
- पाकिस्तान संग मिलकर भारत को घेरने में जुटा ड्रैगन

ढाका (एजेंसी)। इक्कीसवीं सदी की सबसे जटिल और खतरनाक रणनीतिक चालें अब सिर्फ मिसाइलों, टैंकों या युद्धपोतों से नहीं, बल्कि एयरबेस और बंदरगाहों की पोजिशनिंग से तय हो रही हैं। हाल ही में रिपोर्ट मिली है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने चीन को लालमोनिरहाट एयरबेस बनाने का प्रस्ताव दिया है। जो भारत के लिए एक रणनीतिक अलर्ट है। मोहम्मद यूनुस का ये कदम सीधे-सीधे पूर्वी भारत की सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक में भारत की रणनीतिक गहराई को चुनौती देता है। इस ऑफर की संवेदनशीलता तब और बढ़ जाती है जब हम इसे चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति के हिस्से के रूप में देखें, एक ऐसा जियो-स्ट्रैटजिक चक्रव्यूह जो भारत को समुद्र और जमीन, दोनों से घेरने के इरादे से रचा जा रहा है। बांग्लादेश ने अब तक अपनी विदेश नीति को संतुलित रखा था। भारत, अमेरिका और चीन, तीनों से संबंध बनाए रखने की उसकी कोशिशों को कूटनीतिक रूप से सराहा जाता रहा है। लेकिन अब मोहम्मद यूनुस की अगुआई में जो नया अस्थायी ढांचा बना है, उसमें चीन के साथ बढ़ती नजदीकियों ने भारत के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। चीन की कंपनियों की तरफ से पहले से ही बांग्लादेश में पहले ही दर्जनों इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं, लेकिन एयरबेस या मिलिटरी लोकेशन की बात अब तक टाली जाती रही। लेकिन अब एयरबेस के न्योते से साफ हो गया है कि ढाका की नीति अब केवल इकोनॉमिक नहीं रही, बल्कि वह रणनीतिक रूप से भारत को खतरे में डालना चाहता है। लालमोनिरहाट, भारत के रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बेहद नजदीक है, जो देश के पूर्वोत्तर राज्यों को भारत के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। यदि चीन इस एयरबेस को बनाता है, तो यह उसके 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति की अगली कड़ी बन सकती है, जिससे भारत की पूर्वी सीमाएं खतरे में आ जाएंगी। दिलचस्प बात यह है कि चीन अब बांग्लादेश में एयरबेस बनाने के सपने देख रहा है।

सेल टासरा के भूमि अधिग्रहण के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बलियापुर(धनबाद)। बलियापुर क्षेत्र के आसनबनी मौजा में सेल टासरा द्वारा प्रस्तावित 41.99 एकड़ भूमि अधिग्रहण के विरोध में आसनबनी, सरसाकुंडी और कालीपुर के ग्रामीणों ने बलियापुर में रैली निकाली और अंचल एवं प्रखंड कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बलियापुर हाई स्कूल मैदान से रैली निकाली और अपने हाथों में तख्तियां लेकर चिलचिलाती धूप में सेल कंपनी मुर्दाबाद, जिला प्रशासन हाय हाय, जान देंगे लेकिन जमीन नहीं देंगे आदि नारे लगाते हुए बलियापुर बाजार चौक और थाना द्वारा होते हुए बलियापुर अंचल कार्यालय पहुंचे। रैली धरना में तब्दील हो गई।

ग्रामीणों का कहना है कि आसनबनी मौजा में स्थित कृषि जमीन का अधिग्रहण होने से यहां के किसान भूमिहीन हो जाएंगे और रोजी-रोटी को तरसने को विवश होंगे। ग्रामीणों ने मामले को लेकर आर-पार की लड़ाई लड़ने की बातें कहीं। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बीडीओ और सीओ बलियापुर को स्मार पत्र सौंपा। इस दौरान प्रखंड की उप प्रमुख आशा देवी, अधिवक्ता निताई रवानी, अमृत महतो, विजय सोरेन, राहुल कुमार, अनिल मांझी, सहदेव माझी, साधमनी देवी, अनिल महतो, परेश चंद्र महतो, बलदेव माझी, कमल मरांडी, रवि मरांडी आदि उपस्थित थे।

केंद्र सरकार जल,जंगल और जमीन के साथ कर रही खिलवाड़ – अंबा प्रसाद

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बड़कागांव। अहमदाबाद में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव व कांग्रेस सह प्रभारी (पश्चिम बंगाल कांग्रेस) बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने संबोधित किया। अपने संबोधन में अंबा प्रसाद ने सर्वप्रथम पार्टी आलाकमान का धन्यवाद किया। उन्होंने केंद्र सरकार के फैसलों पर आपत्ति जताते हुए कहा? कि केंद्र सरकार द्वारा जल-जंगल-जमीन के साथ अन्याय हो रहा है। देश के जंगलों को नष्ट किया जा रहा है। पशु-पक्षी सभी अपने घर खो रहे हैं।

अंबा प्रसाद ने कहा कि हम झारखंड से आते हैं तथा झारखंड वासियों के लिए सबसे प्रिय उनकी जल, जंगल जमीन होती है लेकिन सरकार के चहेते लोग प्रोजेक्ट लेने के बाद हमारे जंगल और जमीन के साथ खिलवाड़ करते हैं। इसकी वजह से न तो हमारे लोगों को संरक्षण मिलता है और न ही सुविधाएं। केंद्र सरकार हमारे जल जंगल और जमीन के साथ भी खिलवाड़ कर रही है।अंबा प्रसाद ने अपील करते हुए कहा कि हमें इसी अन्याय के खिलाफ लड़ना है और न्यायपथ पर आगे बढ़ना है।

हजारीबाग की रामनवमी लगातार चार वर्षों से शांतिपूर्ण संपन्न कराने में उपायुक्त नैंसी सहाय की अहम भूमिका

श्रीप्रसाद सोनी ,हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय ने लगातार चार वर्षों तक हजारीबाग की सुप्रसिद्ध रामनवमी में सेवा,समर्पण,निष्ठा और निरंतर योगदान देते हुए कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रशासनिक दृष्टिकोण से भी यह ऐतिहासिक है। उपायुक्त की टीम भावना,लक्ष्य के तरफ बढ़ते कदम,सकारात्मक सोच और कार्य के प्रति दृढ़संकल्प का परिणाम है कि लगातार चार वर्षों से रामनवमी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ है। अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण उनकी विशेषता रही है। उपायुक्त नैंसी सहाय अपनी प्रशासनिक दक्षता और कुशल नेतृत्व से हजारीबाग में ऐतिहासिक रामनवमी पर्व सहित अन्य पर्व त्योहारों को भी शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सफल रही हैं। प्रशासनिक स्तर पर सभी अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहना उनकी दिनचर्या में शुमार है। निसंदेह उपायुक्त नैंसी सहाय की कार्यशैली अनुकरणीय है।

छापेमारी में साइबर अपराधी मनीष कुमार गिरफ्तार, मोबाइल एवं सिम बरामद

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। वरीय पुलिस अधीक्षक, धनबाद के निर्देशानुसार पुलिस उपाधीक्षक साइबर अपराध रोकथाम धनबाद के मार्गदर्शन में गुप्त सूचना के आधार पर सूचना के सत्यापन हेतु छापामारी टीम का गठन किया गया।

धनबाद बैंकमोड थानांतर्गत श्रीराम प्लाजा के सामने राजेन्द्र मार्केट स्थित मकान मे छापामारी किया गया। छापामारी के क्रम में साइबर अपराधी मनीष कुमार उर्फ मोंटी भैया एवं तीन अन्य महिलाओं को रंगेहाथ साइबर अपराध करते हुये पकड़ा गया। इनसे बरामद किये

गये मोबाईल का प्रारंभिक जाँच एवं पुछताछ के कम में उनके द्वारा अलग-अलग ऑनलाईन प्लेटफोर्म पर ऐड पोस्ट कर संपर्क में आये ग्राहकों को मेम्बरशीप, सेक्स चैट, लाईव न्यूड / सेक्स विडियों, मिलने और सेक्स करने के नाम पर पैसों का ठगी / गबन तथा ग्राहको का विडियो बनाकर भयादोहन किया जाता था। इनलोगों द्वारा इस काम को करने के लिए अनेकों लड़कियों का जोड़ा गया था। इस काम में सरगना के रुप में मनीष कुमार उर्फ मोंटी भैया एवं इनकी दुसरी पत्नी काम करती थी, जिसमें मनीष कुमार उर्फ मोंटी भैया का काम फर्जी दस्तावेजो का प्रयोग कर मोबाईल / सिम उपलब्ध कराना, पैसों का हिसाब एवं बंटवारा करना तथा इनकी दूसरी पत्नी का काम लड़कियों को जोड़ना एवं उनपर निगरानी करना था। काम कर रहे प्रत्येक महिलाओं को दिनभर में लोगों से ठगी की गई राशि का 50 प्रतिशत दे दिया जाता था एवं शेष 50 प्रतिशत मोण्टी भईया रख लेते थे।

इनके पास से बरामद मोबाइल नंबर के विरुद्ध एक शिकायत दर्ज पायी गयी है एवं इसके शिकायतकर्ता से दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर पुछताछ करने पर उन्होंनें फ्रेंडशीप कर रुपये शेयर मार्केट में इन्वेस्ट कराने के नाम पर अपने साथ ठगी होने की बात बतलाए है। इस संबंध में साइबर थाना, धनबाद काण्ड संख्या-31/2025, तिथि-09.04.2025, धारा-318(4)/319(2)/111/338 बीएनएस 2023, 66 (सी0)/66 (डी0)/67/67(ड्ड) आईटी एक्ट एवं दूरसंचार अधिनियम 2023 की धारा-42 (3) (द्र) दर्ज किया गया है।

छापेमारी में बरामद सामग्री में 14 मोबाईल फोन, 18 सीमकार्ड जिसमे 1 प्रतिविम्ब प्लॉटेड सिम शामिल है। छापामारी दल में साईबर थाना, धनबाद के पुलिस निरीक्षक शिव बिहारी तिवारी एवं विश्वजीत ठाकुर, पुलिस निरीक्षक सरस्वती कुमारी मिज, आरक्षी अम्बुज कु.बाउरी, दीपक कुमार पासवान, महिला आरक्षी अमिता खलखो एवं चंदा घोष शामिल थे।

घर में लगी आग, नगद सहित कई मुख्य कागजात जलकर राख

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बिशुनपुरा(गढ़वा)। बिशुनपुरा प्रखंड मुख्यालय के पतिहारी ग्राम निवासी अब्दुल रजाक अंसारी का घर जलकर खाक हो गया। घटना बीते 9 अप्रैल दिन बुधवार रात लगभग दस बजे की बताई जा रही है। रात को करीब दस बजे बगल के ही रहिसून बीबी घर से बाहर निकलने के दौरान देखी की घर मे आग लग गया है। आग को देखकर बगल के पक्का के मकान मे सो रहे अब्दुल रजाक अंसारी को बताया तब जाकर आनन फानन मे लोगों ने घर मे लगे आग को को बुझाने मे लग गए। वहीं अब्दुल रजाक अंसारी ने बताया कि आग लगने से तीन बैग जिसमे कपड़ा और एक सूटकेश जिसमे बीस हजार रुपया कैश जलकर राख हो गया है। अब्दुल रजाक अंसारी और उनके परिजनों ने बताया की हमलोग कच्चा मकान से सटे नया पक्का के मकान मे सो रहे थे। रात करीब दस बजे बगल के ही रहिसून बीबी ने आकर बताया की आपके घर मे आग लग गया है। उसके बाद हमलोग आग बुझाने मे लग गए। आग की घटना को सुनकर सैकड़ो ग्रमीण पहुंच कर आग बुझाने मे लग गए। परन्तु आग लगने से घर में रखे गेहूं, चावल, चना लगभग दस क्यूंटल अनाज सहित नगद बीस हजार कैश सहित दो बैग मे रखे कपड़ा सहित मुख्य कागजात आधार कार्ड, पहचान पत्र, बैंक पासबुक, राशन कार्ड जल कर खाक हो गया। वहीं आग कैसे लगी इसकी जानकारी किसी को पता नही चला। वहीं इस विषय में बिशुनपुरा प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि कल रात पतिहारी पंचायत अंतर्गत घटित हुई आगजनी की घटना बेहद अफसोस जनक है। सरकारी प्रावधानों के अनुसार पीड़ित व्यक्ति को हर संभव सहायता दी जाएगी।

बीसीसीएल प्रबंधन की वादाखिलाफी के विरोध में आंदोलन पर उतरे जोगतावासी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

सिजुआ (धनबाद)। जोगता फिल्टर प्लांट को चालू करने सहित पांच सूत्री मांगों को लेकर जोगता नागरिक समिति के बैनर तले जोगतावासी गुरुवार को आंदोलन पर उतर आए और मोदीडीह कोलियरी के 12 नंबर कोल डंप स्थित कांटा घर के पास परिवहन कार्य रोक दिया। आंदोलन के चलते मोदीडीह कोल डंप से कोयले का परिवहन व संप्रेषण कार्य ठप हो गया। समिति की मांगों में लोकल सेल चालू करने, फिल्टर प्लांट चालू करने, कोयले का ग्रेड वाशरी 5 करना आदि प्रमुख है। समिति के अध्यक्ष अनुज कुमार सिन्हा ने कहा कि बीते एक वर्ष से लोकल सेल के

तहत कोयला उठाव बंद है। परिणामस्वरूप असंगठित मजदूर बेरोजगार हो ग ए हैं। मजदूरों के समक्ष भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो ग ई है। प्लांट बंद रहने से लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। समस्याओं के निराकरण के लिए पत्र के माध्यम से प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट कराया गया था। बीते माह धरना भी दिया गया। उस समय प्रबंधन ने दस दिनों के अंदर समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया था लेकिन एक माह बीत जाने के बाद भी परिणाम सामने नहीं आया। मजबूरन फिर से आंदोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ा। घंटों बाद प्रबंधकीय टीम आंदोलन स्थल पर पहुंची और दो दिनों के अंदर लिखित समझौता पत्र उपलब्ध कराने का भरोसा दिया, इसके बाद आंदोलन खत्म हुआ। इस दौरान करीब चार घंटे तक लोडिंग बाधित रहा। मौके पर निर्मल कुमार, हसीब खान, असगर मियां, एस के मोबीन, अजय चौहान, संतोष पासवान, सैया आलम, मंगल चौहान, मन्नु महतो, सूरज चौहान, मन्नु चौहान आदि मौजूद थे।

कलश यात्रा के साथ 51 कुंडिया शक्ति समावर्धन गायत्री महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,राजगंज(धनबाद)। अखिल विश्व गायत्री परिवार रायगंज शाखा के द्वारा मार्गदर्शन केंद्र गायत्री स्थित शक्ति कुंज हरिद्वार के दिशा निर्देश पर 51 कुंडिया शक्ति समावर्धन गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। यह चार दिवसीय महायज्ञ 10 अप्रैल से 13 अप्रैल तक चलेगा। महायज्ञ के शुभारंभ के अवसर पर हरिहर धाम शिव मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में हजारों की संख्या में महिलाएं सर पर कलश रखकर शोभा यात्रा में शामिल हुई। यज्ञ स्थल से गाजे बाजे के साथ भारत माता की जय, गायत्री माता की जय और हम बदलेंगे युग बदलेगा जय घोष के साथ पूरा रायगंज भ्रमण किया गया। टोली के नायक हरिद्वार प्रवेश कुमार शर्मा ने यज्ञ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह समवर्ती संवर्धन दुस्ट प्रवृत्ति उन्मूलन के उद्देश्य है। गुरु का ज्ञान जीवन का असली पूंजी है, जो हमें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। यज्ञ में गायत्री मंत्रों के मन्त्रोंचार से कलश यात्रा की शुरुआत की गई।

भगवान महावीर हॉस्पिटल संस्थान ने कराया फलाहार

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। भगवान महावीर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर संस्थान ने महावीर जयंती के मौके पर एक हजार लोगों को फलाहार करवाया।

संस्था के अध्यक्ष संतोष जैन पाटनी, सचिव पंकज सेठी, पूरणमल जैन, गोविंद सरावगी, मेडिका हॉस्पिटल समन्वय समिति के अध्यक्ष डॉ. वीके जैन, मेडिका ईस्टर्न हेड डॉ.अयनभ देबगुप्ता, कमल विनायका, सह सचिव रोहित जैन एवं अमित जैन, किरण जैन, अस्पताल के निदेशक आबिद तौक़ीर, बिभूति भूषण, श्वेता सिंह, सरिता सेठी, हर्षित सेठी, रंजना जैन, पदमचंद जैन, जीतेन्द्र जैन, पब्लिक रिलेशन चेयरमैन पौरुष जैन, संजय पाटनी, हरीश दोषी, संजय

पापरिवाल, दिनेश सिंह, शिवानंद प्रसाद, विनय सरावगी, नरेंद्र पनड्या, सुरेश जैन, नरेंद्र जैन, संजीव गंगवाल, रामपाल जैन, विशाल बाकलिवाल एवं अन्य सदस्यों एवं कर्मचारियों ने अपने हाथों से लोगों को फल बांटे।

ज्ञात हो कि संस्था द्वारा विभिन्न कार्यालयों के कर्मियों एवं आम जनमानस के लिए स्वास्थ जांच, हृदय जांच एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जाता है। साथ ही निशुल्क मोतियाबिंद चिकित्सा मुहैया करायी जाती है। भगवान महावीर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर संस्थान मेडिका मनिपाल अस्पताल रांची की जमीन एवं बिल्डिंग का स्वामित्व रखती है।साथ ही अल्बर्ट एक्का चौक, रांची में संस्था द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस कैम्प में बड़ी संख्या में लोगों की नेत्र जांच की गयी। भगवान महावीर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर (चैरिटेबल) संस्था के अध्यक्ष संतोष जैन ने बताया कि संस्था द्वारा समाज कल्याण के लिए कई कदम उठाए जाते रहे हैं, जिनमें इस अस्पताल में जरूरतमंद लोगों की इलाज में आर्थिक मदद संस्था द्वारा की जाती है। साथ ही संस्था द्वारा भगवान महावीर आई हॉस्पिटल में निशुल्क नेत्र जांच एवं निशुल्क मोतियाबिंद चिकित्सा की जाती है। पिछले सोलह महीनों में एक हज़ार लोगों की निशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी की गयी है। संस्था अगले एक साल में एक स्टेट ओफ ऑर्ट डायलिसिस सेंटर एवं ज़रूरतमंद बच्चों के लिए एक स्कूल निर्माण का लक्ष्य है।

क्रेडो वर्ल्ड स्कूल को किताब-यूनिफार्म बेचने पर कारण बताओ नोटिस

स्कूल प्रबंधन को 11 अप्रैल को दोपहर तीन बजे कार्यालय प्रकोष्ठ में सशरीर उपस्थित होने का आदेश

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। झारखंड में खासकर धनबाद में निजी स्कूलों का कहर जारी है। इसी क्रम में शहर के एक प्रतिष्ठित स्कूल की मनमानी की ख़बर सामने आयी है। क्रेडो वर्ल्ड स्कूल नामक स्कूल प्रबंधन के ख़िलाफ़ एक शिक़ायत जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) आयुष कुमार को प्राप्त हुई। जिसको संज्ञान में लेते हुए डीएसई आयुष कुमार ने स्कूल प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस दिया है। डीएसई ने कारण बताओ नोटिस में कहा है कि कार्यालय को विद्यालय के विरुद्ध शिकायत मिली है कि विद्यालय द्वारा किताबें एवं यूनिफार्म विद्यालय कैंपस में ही खरीदने का दबाव अभिभावकों पर दिया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने किताबों की खरीदी ब्योरा भी दिया है। इससे साफ प्रतीत हो रहा है कि ये किताबें क्रेडो वर्ल्ड स्कूल की ओर से बिक्री की गई है। यह अत्यंत ही खेद का विषय है। झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 में साफ-साफ अंकित है कि विद्यालय भवन या संरचना या परिसर का उपयोग केवल शिक्षा के उद्देश्य के लिए किया जाएगा। विद्यालय परिसर में स्थित कियोस्क से पुस्तक या अन्य सामग्री, वर्दी एवं जूते आदि के क्रय के लिए अभिभावकों, छात्रों को बाध्य नहीं करेंगे। इस अधिनियम के अनुसार ऐसा करने पर जुर्माना 50 हजार रुपये दो लाख 25 हजार रुपये तक है। दंड के अलावा दोषी विद्यालय की मान्यता समाप्ति के लिए कार्रवाई की जाएगी। इसलिए स्कूल प्रबंधन को 11 अप्रैल को दोपहर तीन बजे कार्यालय प्रकोष्ठ में सशरीर उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें।

मांडू विस क्षेत्र के मनोनीत सांसद प्रतिनिधियों की घोषणा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,हज़ारीबाग। लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल पूरे लोकसभा क्षेत्र के अपने प्रतिनिधियों की घोषणा कर रहें हैं। रामगढ़ और बड़कागांव विधानसभा क्षेत्रों के बाद बुधवार की देर रात उन्होंने मांडू विधानसभा क्षेत्र के लिए अपने 11 सांसद प्रतिनिधियों के नामों की घोषणा कर दी। जिसमें द्वारिका सिंह उर्फ खोखा सिंह मांडू विधानसभा सांसद प्रतिनिधि,पुरुषोत्तम पांडेय मांडू विधानसभा सांसद सह-प्रतिनिधि, शंकर करमाली घाटो मंडल सांसद प्रतिनिधि, विवेक कुमार गुप्ता मांडू मंडल सांसद प्रतिनिधि, गुंजन साव ड्ढ डांडी मंडल सांसद प्रतिनिधि, अरविंद कुमार प्रसाद आरा मंडल सांसद प्रतिनिधि, संतोष मंडल टाटीझरिया मंडल सांसद प्रतिनिधि,रवींद्र कुमार वर्णवाल उर्फ़ दीपू विष्णुगढ़ पश्चिमी सांसद प्रतिनिधि, नागेश्वर महतो विष्णुगढ़ पूर्वी सांसद प्रतिनिधि, फुलेश्वर महतो चूरचू मंडल सांसद प्रतिनिधि और रीमा कुमारी मांडू विधानसभा की मीडिया प्रतिनिधि के रूप में शामिल हैं। गुरुवार को सांसद मनीष जायसवाल ने अपने हजारीबाग स्थित सांसद सेवा कार्यालय में मांडू विधानसभा क्षेत्र के नवचयनित जनप्रतिनिधियों का अपने टीम में स्वागत किया।

बीईओ को अतिरिक्त प्रभार मिलने पर शिक्षकों ने दी बधाई

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,बड़कागांव। झारखंड सरकार स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग प्राथमिक शिक्षा निदेशालय के आदेश अनुसार झारखंड राज्य के सभी जिलों में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी की कमी को देखते हुए जनहित एवं लोकहित में राज्य के शैक्षणिक एवं गुणवत्ता के बरकरार रखने के लिए राज्य शिक्षा सेवा वर्ग 2 के पदाधिकारी को भी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अपने कार्यों के अतिरिक्त जवाहर प्रसाद प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के वित्तीय एवं पर्यवेक्षक संबंधी कार्यों के निष्पादन हेतु अगले आदेश तक पदस्थापित / प्रतिनियुक्त किया गया है।बीईईओ जवाहर प्रसाद प्रखंड संसाधन केंद्र बड़कागांव में पद स्थापित है।इन्हें प्रखंड संसाधन केंद्र केरेडारी एवं प्रखंड संसाधन केंद्र कटकमदाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।बताते चले कि इनका सेवानिवृत्त की तिथि 31 नवंबर 2025 है।इधर इनका अतिरिक्त प्रभार मिलने पर प्रखंड के सहायक अध्यापक संघ बड़कागांव के प्रखंड अध्यक्ष शमशेर आलम , सचिव पारस प्रसाद , जलाल सागीर , अमृत राणा , हरिशचंद्र प्रसाद , गंगाधर लोहरा , कृष्ण दयाल महतो , रंजीत प्रसाद सिंहा , नरेश यादव , बिरेंद्र कुमार,सुबोध नायक , मोहम्मद रूहुल्ला , बालेश्वर साव , मोतीलाल गिरी , दीपक कुमार, द्वारिका महतो , इंदु देवी , रानी गुलनार बेगम , पूनम देवी , प्यारी तिर्की, माधुरी देवी , त्रिभुवन महतो , अशोक कुमार सिंह , रोहित यादव , अरविंद सिंह , कर्पुरी ठाकुर , महावीर गांझू , उषा राणा, अलोमनी एक्का , सहित प्रखंड के समस्त शिक्षकों ने बधाई दी है।

भगवान महावीर के जन्म कल्याणक दिवस पर निकली विशाल रथ यात्रा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। श्री महावीर स्वामी भगवान के जन्म कल्याणक दिवस के अवसर पर श्री धनबाद जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ एवं श्री धनबाद जैन स्थानकवासी संघ ने संयुक्त रूप से विशाल रथ यात्रा निकाली। रथ यात्रा जेठीबाई स्थानकवासी जैन उपाश्रय से शुरू हुई। यहां से पुराना बाज़ार पानी टंकी, बैंक मोड़, शांति भवन होते हुए धोबातांड स्थित श्री शीतलनाथ जिनालाय में संपन्न हुई। त्पश्चात दोनों संघ के सभी सभ्यों ने नवकारशी का लाभ लिया। मौके पर संघ के ट्रस्टी दिनेशचंद्र दोशी, चेतन शाह, वीरेश दोशी, संघ के अध्यक्ष दीपक रामानी, निलेश दोशी, रुपेश मोरबिया, केतन दोशी, पारस शाह, मित्तल दोशी, दर्शन वोरा, यश शाह, रोनक रामानी, अमित शेठ, ऋषभ दोशी, निताबेन दोशी, रीना दोशी, रिटा जैन, पुनिता दोशी, रीना वोरा, उर्वी शाह, भावना रामानी, ज्योति शाह, हिरल दोशी, विरती जैन, निशा मोरबिया, स्वाति दोशी, चेतना संघवी, योगिता शेठ सहित संघ के अन्य सभी सभ्यों ने भगवान महावीर का जन्म कल्यानक दिवस हर्षोल्लास मनाया।

बीएम मेमोरियल स्कूल के शिक्षक को मिला कराटे में गोल्ड मेडल

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,बड़कागांव। ठाकुर मुहल्ला निवासी एवं बीएम मेमोरियल स्कूल के शिक्षक अन्नु कुमारी 8 अप्रैल को साईं नाथ विश्वविद्यालय, रांची में अरिजीत कराटे राष्ट्रीय स्तर पर बाऊच तथा राज्य स्तर पर गोल्ड मेडल लाने पर उन्हें प्रमाण पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया।जिसमें अनु कुमारी को गोल्ड मेडल तथा बेस्ट खिलाड़ी का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने जिसका श्रेय अपने कराटे टीचर शशि पांडे एवं प्रमोद पाठक एवं अपने घर परिवार को दिया।इस सम्मानित पर लोगों ने बधाई दिया।

बधाई देने में विधायक रोशन लाल चौधरी , पूर्व विधायक अंबा प्रसाद , जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी ,याशमीन निशा, बीएम मेमोरियल स्कूल के निर्देशक संदीप कुशवाहा,उपनिदेशक पिंटू कुशवाहा दिनकर ,प्राचार्य कैलाश कुमार ,उपप्राचार्य पूनम कुमारी,विद्यालय के शिक्षक चेयरमैन रंजीत कुमार, वरिष्ठ शिक्षक ब्रह्मदेव सिंह चौहान,आनंद कुमार पासवान,सहित अन्य लोगों ने उज्जवल भविष्य कामना करते हुए बधाई दिया।

सैमसंग ने भारत में एसी बाजार में मारी बड़ी छलांग

रांची। सैमसंग ने एयर कंडीशनर की बिक्री में इंडस्ट्री को पीछे छोड़ दिया है। कंपनी ने बताया कि जनवरी से मार्च के बीच इसके एयर कंडीशनर की बिक्री में 2 गुना वृद्धि हुई, जो उद्योग की 20-25त्न की वृद्धि से अधिक है। इस बढ़ोतरी से सैमसंग को भारत में कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही में 10% बाजार हिस्सेदारी हासिल करने में मदद मिली है। सैमसंग के डिजिटल एप्लायंसेज बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट गुफरान आलम ने कहा कि हमारा एसी व्यवसाय तेजी से बढ़ रहा है। मार्च तिमाही में हमारी वृद्धि 2 गुना हुई, जिससे हमें अपने आंतरिक अनुमानों के अनुसार 10% बाजार हिस्सेदारी हासिल करने में मदद मिली। हमें पक्का भरोसा है कि हम इंडस्ट्री में ग्रोथ का नेतृत्व करने जा रहे हैं, और बेहतर वृद्धि के साथ हमारी बाजार हिस्सेदारी भी अच्छी होगी।

सैमसंग को लगता है कि जैसे-जैसे लोगों की कमाई बढ़ेगी, उनकी इच्छाएं बढ़ेंगी और छोटे शहरों व कस्बों में बिजली का इस्तेमाल बढ़ेगा, वैसे-वैसे हर जगह अच्छा विकास होगा। सैमसंग ने अपनी पहुंच को 40%तक बढ़ा दिया है और रूम-एयर कंडीशनर खरीदने के लिए जीरो-कॉस्ट ईएमआई देने के लिए बड़े वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी की है। आलम ने बताया कि हमने इस साल 19 नए मॉडल लॉन्च किए हैं, हम पूरी तरह से ठंडक देने, बिजली बचाने, ड्यूरैबिलिटी और भविष्य के लिए तैयार रहने पर जोर दे रहे हैं। हमारे नए बीस्पोक एआई विंडफ्री एसी उपभोक्ताओं के पैटर्न और व्यवहार को सीखते हैं - चाहे वे घर पर हों, सो रहे हों, या गर्म दिन से घर लौट रहे हों। इन पैटर्न के आधार पर, एसी उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा कम्फर्ट देने के लिए खुद को एडजस्ट करते हैं।''

मुख्यमंत्री से मिला श्री राम जानकी तपोवन मंदिर ट्रस्ट का प्रतिनिधिमंडल

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में श्री राम जानकी तपोवन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत ओम प्रकाश शरण एवं सदस्य प्रणय कुमार, प्रीति वर्मा, अयोध्या दास तथा मिथिलेश कुमार ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को 14 अप्रैल को श्री राम जानकी तपोवन मंदिर के नवनिर्माण हेतु आयोजित होने वाले शिला पूजन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण हेतु समीक्षा बैठक में दिए गए आवश्यक निर्देश

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में हा॥ 333 धरमपुर मोड़ से पाकुड़ पथ परियोजना से संबंधित समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि 39 में से 11 मौजा का 3ष्ठ प्रकाशन सोमवार 14 अप्रैल तक करना सुनिश्चित करें। साथ ही जिला भू-अर्जन पदाधिकारी संबंधित विवादित मामलों का सुनवाई कर एक सप्ताह के अंदर निष्पादन करें।

बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, नेशनल हाईवे डिवीजन देवघर के कार्यपालक अभियंता, लिट्टीपाड़ा अंचलाधिकारी, हिरणपुर अंचलाधिकारी, अंचल निरीक्षक, राजस्व कर्मचारी एवं भू अर्जन कार्यालय के कर्मी सहित अन्य उपस्थित थे।

संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल में नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर 16 व 17 अप्रैल को

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,हजारीबाग। संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल में 15 और 16 अप्रैल को जननी स्वास्थ्य मेला के तहत गर्भवती महिलाओं के विशेष निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा। इसमें गर्भवती महिलाओं को निशुल्क डॉक्टर परामर्श, मुफ्त दवा, शुगर एवं हीमोग्लोबिन जांच, बी.पी. जांच, दंत जांच, न्यूरोलॉजिस्ट परामर्थ, कैंसर स्क्रीनिंग, नेत्र जांच एवं एक समय का भोजन मुफ्त प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड व अन्य जांच पर भारी डिस्काउंट प्रदान किया जाएगा। अनुभवी व विशेषज्ञ चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मी गर्भवती महिलाओं की सेवा में जुटे रहेंगे। श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के अध्यक्ष एवं संत मिशन होस्पिटल के संचालक डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने उक्त आशय की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जननी स्वास्थ्य मेला के तहत मातृशक्ति की उत्तम देखभाल प्रदान करने हेतु विशेष निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ताकि निशुल्क बुनियादी जांच एवं उपचार करवाकर मां और बच्चा दोनों स्वस्थ रहे।

अल्ट्रावॉयलेट का टेसेरैक्ट स्कूटी और शॉकवेब बाइक रांची में लान्च

रांची। सबसे तेज़ भारतीय मोटरसाइकिल के विनिर्माता, अल्ट्रावॉयलेट ने रांची में अपनी अत्याधुनिक उत्पाद रेंज पेश करने की घोषणा की। अल्ट्रावायलेट ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने के लिए इस साल रांची में अपना अत्याधुनिक अनुभव केंद्र भी स्थापित कर रही है। कंपनी के मुताबिक 3एस एक्सपीरियंस सेंटर व्यापक सेवाएं प्रदान करेगा, जो रांची और झारखंड के आसपास के क्षेत्रों में ग्राहकों के लिए एक अद्वितीय अनुभव होगा।

अल्ट्रावायलेट के मुख्य कार्यकारी और सह-संस्थापक, नारायण सुब्रमण्यम ने कहा कि आधुनिकतम तकनीक से लैस अल्ट्रावायलेट की स्कूटी और बाइक बन गई है। हमारे पूरे उत्पाद पोर्टफोलियो को रांची में एफ77

माच 2 और एफ सुपर स्ट्रीट 10.3 किलोमीटर प्रति घंटा बैटरी पैक से लैस और 30 किलोवाट (40.2 hp) का पीक पावर आउटपुट देने वाली ये मोटरसाइकिलें 100 एनएम का ज़बरदस्त पीक टॉर्क प्रदान करती हैं। यह महज 2.8 सेकंड में 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है और 323 किलोमीटर की प्रभावशाली आईडीसी रेंज के साथ 155 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक पहुंच जाती है। अल्ट्रावॉयलेट के मौजूदा वैकल्पिक पैकेज भी सभी एफ77 ग्राहकों के लिए उपलब्ध हैं, जिनका उद्देश्य राइडिंग के अनुभव को और बेहतर बनाना है।

एफ77 माच 2 और एफ सुपर स्ट्रीट की कीमत 2,99,000 है। एफ77 माच 2 और एफ सुपर स्ट्रीट की बुकिंग कंपनी की वेबसाइट पर की जा सकती है।

कंपनी ने दो नए मुख्यधारा के उत्पाद - दुनिया का सबसे उन्नत इलेक्ट्रिक स्कूटर- टेसेरैक्ट और एक नवोन्मेषी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल शॉकवेव का भी अनावरण किया। टेसेरैक्ट में इस खंड में पहली बार इंटीग्रेटेड राडार और डैशकैम की सुविधा प्रदान की गई है, जो ओम्नीसेंस मिरर के साथ सहजता से जुड़ा हुआ है। यह ब्लाइंडस्पॉट डिटेक्शन, लेन चेंज, ओवरटेकिंग असिस्ट और टकराव अलर्ट जैसी उन्नत सुरक्षा तकनीक प्रदान करता है। यह बढ़ी हुई सुरक्षा और ऊर्जा खपत को अनुकूलित करने के लिए ट्रैक्शन कंट्रोल और डायनेमिक रीजन से भी लैस है। इसके अलावा, टेसेरैक्ट में 7÷ टचस्क्रीन टीएफटी डिस्प्ले और ओआरवीएम में एम्बेडेड मल्टी-कलर एलईडी डिस्प्ले है। शॉकवेव बेहतरीन डिज़ाइन और इंजीनियरिंग के साथ तैयार की गई मोटरसाइकिल है जो रोमांचक सवारी के शौकीन हैं।

टेसेरैक्ट की कीमत 1,45,000 और शॉक वेव की कीमत 1,75,000 है। कंपनी की वेबसाइट पर 999 में इन दोनों की प्री-बुकिंग की जा सकती है।

अल्ट्रावॉयलेट के सीटीओ और सह-संस्थापक, नीरज राजमोहन ने कहा कि रांची तेज़ी से प्रगति और आकांक्षाओं के केंद्र के रूप में उभर रहा है, और हम इस गतिशील शहर में अपनी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी पेश करने के प्रति उत्साहित हैं।

राम नारायण यादव मेमोरियल कॉलेज में पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन आयोजित

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बरही। राम नारायण यादव मेमोरियल महाविद्यालय, बरही में गुरुवार को पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आईक्यूएसी के सहयोग से हुआ। अध्यक्षता महाविद्यालय के सचिव परमेश्वर यादव एवं संचालन प्रो.बद्री साव ने किया। सम्मेलन का शुभारंभ महाविद्यालय के सचिव परमेश्वर यादव, प्राचार्य डॉ. विमल किशोर, महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं उपस्थित पूर्ववर्ती छात्रों ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सभी पूर्व छात्रों को गुलाब के फूल देकर सम्मानित किया गया। पूर्व छात्रों ने अपने छात्र जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए कॉलेज के विकास में योगदान देने की इच्छा व्यक्त की। इस अवसर पर पूर्ववर्ती छात्र समिति का गठन भी किया गया। जिसमें अध्यक्ष ममता कुमारी, सचिव अनुज कुमार यादव, कोषाध्यक्ष रवि केशरी, उपाध्यक्ष उदयानंद कौशिक, अर्जुज ठाकुर, पुष्पा कुमारी, संयुक्त सचिव गौतम कुमार, अमित रंजन, आशिफ इकबाल, सहायक सचिव राकेश रोशन, पुष्पा सिंह को चुना गया। कार्यकारिणी सदस्यों में शिवकुमार रविदास, पवन कुमार राणा, विनय कुमार गुप्ता, चन्दन केशरी, प्रिया कुमारी, तन्नू कुमारी, मो. साहेब शामिल है। महाविद्यालय के उत्थान हेतु काम करेगा, जिसमें पूर्ववर्ती छात्र अपना डोनेशन देंगे और इसका संचालन व नियंत्रण कमिटी के द्वारा किया जाएगा।

कमिटी में संरक्षक के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य होंगे, जो पूरे कार्यो की निगरानी करेंगे।कमिटी गठन के बाद हर माह महाविद्यालय के विकास को लेकर मासिक बैठक होगी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सचिव परमेश्वर यादव, प्राचार्य डॉ. विमल किशोर, डॉ. अरुणा रानी, डॉ. अरुण कुमार रामानुज, डॉ. अजय रविदास, प्रो. बद्री साहू, प्रो. हीरामन साहू, कुमारी सुषमा, संगीता चौधरी, सरिता सिंहा, डॉ. गिरधारी यादव, डॉ. अजय प्रताप सिंह, ओम लता कुमारी, संजय कुमार बक्सी, ब्रह्मदेव मोदी, डॉ. अशोक कुमार, महेश यादव, जागेश्वर यादव, डॉ. सीमा सिंहा, डॉ. नैयर इकबाल, मो. आवास, प्रो. तमन्ना प्रवीण, प्रो. बबीता कुमारी, डॉ. ओम कुसुम सहित काफी संख्या में पूर्ववर्ती छात्र-छात्राएं एवं वर्तमान विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

समाजसेवी नागेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में चला स्वच्छता अभियान, बच्चों ने भी दिया सहयोग

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,दैहर (चौपारण)। पंचायत के प्रबुद्ध समाजसेवी नागेंद्र कुशवाहा के द्वारा एक अनोखी विशाल प्रस्तुत की गई। एक प्रेरणादायी पहल का शुभारंभ करते हुए समाजसेवी नागेंद्र कुशवाहा की प्रेरणा से रामनवमी पर्व के बाद गंदगी से भरे पड़े दैहर के पंचायत सचिवालय के सामने के मैदान की सफाई की गई। रामनवमी के अवसर पर इस मैदान में मेला का आयोजन हुआ था जिससे इस मैदान में चारों तरफ गंदगी फैल गई थी। श्री कुशवाहा के नेतृत्व में पंचायत सचिवालय के सामने गंदगी से भरे इस मैदान को स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई किया गया। इस स्वच्छता अभियान में न केवल नागेंद्र कुशवाहा ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, बल्कि स्थानीय बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक इस स्वच्छता अभियान में भाग लेकर समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया। बताया जा रहा है कि यह मैदान दुर्गा पूजा के समय मेला आयोजन के लिए प्रयोग होता है। मेला समाप्त होने के बाद पूरे मैदान में भारी मात्रा में कचरा जमा हो गया था। जिससे स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही थी। रामनवमी के बाद वहां फैली गंदगी को देख कई लोग असंतुष्ट थे।

इस स्थिति को देखते हुए समाजसेवी नागेंद्र कुशवाहा ने स्वेच्छा से मैदान की सफाई करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने न सिर्फ खुद सफाई कार्य शुरू किया, बल्कि स्थानीय बच्चों को भी प्रेरित किया। श्री कुशवाहा के प्रेरणा से बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ मैदान में फैले कचरे को साफ कर एक मिसाल कायम की। इस मौके पर नागेंद्र कुशवाहा ने कहा, ÷स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के हर व्यक्ति का कर्तव्य है। अगर हम सभी मिलकर इस प्रकार का सकारात्मक प्रयास करें, तो अपने गांव को स्वच्छ और सुंदर बना सकते हैं।÷ आगे श्री कुशवाहा ने कहा कि पंचायत सचिवालय के सामने से यह स्वच्छता अभियान शुरू हुआ है जो प्रत्येक रविवार को पंचायत के विभिन्न क्षेत्र में जहां-जहां गंदगी है वहां वहां स्वच्छता अभियान चलाकर इस अभियान को निरंतर जारी रखा जाएगा। प्रबुद्ध समाजसेवी नागेंद्र कुशवाहा के इस पहल की स्थानीय लोगों ने भी सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और आने वाली पीढ़ी भी इससे प्रेरणा लेगी।

मंत्री सुदिव्य कुमार ने खेल परिसरों का किया निरीक्षण

खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराने के लिए सरकार संकल्पबद्ध– सुदिव्य कुमार

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। राज्य के खेलकूद , युवा कार्य, कला-संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने गुरुवार को रांची स्थित खेल इंफ्रास्ट्रक्चर और खिलाड़ियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी लेने हेतु विभिन्न खेल परिसरों का दौरा किया।

मंत्री सुदिव्य कुमार ने मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम का निरीक्षण कर आगामी सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की तैयारियों की समीक्षा की और निर्देश दिया कि आयोजन से पूर्व स्टेडियम की सभी आधारभूत संरचनाओं एवं सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने खेल विभाग को रांची जिला प्रशासन से फुटबॉल ग्राउंड का हैंडओवर शीघ्र प्राप्त कर कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व

वाली अबुआ सरकार झारखंड में खेलों को नई ऊंचाई देने और खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। हमारा प्रयास है कि राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गौरवशाली प्रदर्शन करें और झारखंड और देश का नाम रोशन करें।उन्होंने मोरहाबादी इंडोर बैडमिंटन स्टेडियम का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन द्वारा पूर्व में दिए गए निर्देशों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए।

उन्होंने खेल विभाग द्वारा संचालित हाई परफॉर्मेंस सेंटर का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने फिटनेस उपकरणों एवं अन्य तकनीकी संसाधनों का अवलोकन किया तथा खिलाड़ियों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली।

इसके अतिरिक्त, माननीय मंत्री ने खेलगांव परिसर में स्थित एथलेटिक्स स्टेडियम, इंडोर स्टेडियम और बैडमिंटन स्टेडियम का निरीक्षण किया और (जेएसएसपीएस) के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने जेएसएसपीएस द्वारा प्रस्तुत प्रेजेंटेशन के माध्यम से संस्था की कार्ययोजना की समीक्षा की।

साथ ही निर्देश दिया कि खेलगांव परिसरों के जीर्णोद्धार और खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं विकास से संबंधित सभी कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि खेलगांव को इस रूप में विकसित किया जाए कि यह भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु पूरी तरह सक्षम हो।

इस दौरान संबंधित विभाग के कई पदाधिकारीगण मौजूद थे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व होम्योपैथिक दिवस

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। सदर अस्पताल स्थित जिला संयुक्त औषधालय पाकुड़ में गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ विश्व होम्योपैथिक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला आयुष पदाधिकारी डॉ0 विपिन चंद्र गुप्ता द्वारा होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया। इसके पश्चात ÷अध्ययन, अध्यापन एवं रिसर्च÷ विषय पर चर्चा हुई, जिसमें उपस्थित चिकित्सकों व अधिकारियों ने होम्योपैथी के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान की भूमिका को रेखांकित किया। राज्य कालाजार सलाहकार डॉ0 अंजुम इकबाल ने कालाजार के लक्षण, उपचार और रोकथाम के उपायों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाकुड़ जिला कालाजार प्रभावित क्षेत्रों में शामिल है और भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा इसके उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं जिला आयुष पदाधिकारी डॉ0 विपिन चंद्र गुप्ता ने कहा कि सभी

स्वास्थ्य सामुदायिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर के डाक्टरों से अपील करते हुए कहा कि अपने सेंटर पर प्रमाणिकता और प्रमुखता के साथ मरीजों को होम्योपैथी का ईलाज करें। इस अवसर पर डीपीएम डॉ0 सुजीत कुमार चौहान जिले के अन्य आयुष चिकित्सक, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी और अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

खरीफ एवं रबी फसलों के वित्तमान निर्धारण हेतु जिला स्तरीय की गई बैठक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। गुरुवार को गोपनीय कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2025-26 में खरीफ एवं रबी फसली के लिए बैंकों द्वारा ऋण वितरण के लिए आवश्यक वित्तमान निर्धारण हेतु जिला स्तरीय तकनीकी समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में सर्वप्रथम जिला कृषि पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार के द्वारा बताया गया कि पिछले फसली वर्ष की तुलना में कृषि, मत्स्यपालन एवं पशुपालन के लिए आवश्यक अवयव जैसे बीज, खाद, कीटनाशक एवं चारा आदि की दरों में वृद्धि को समाहित करते हुए फसली वर्ष 2025-26 के लिए वित्तमान निर्धारण किए जाने की आवश्यकता है। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा खाद्यान्न, दलहन, तिलहन एवं उद्यानिकी फसलों, मधुमक्खी पालन,

मत्स्य पालन, पशुपालन हेतु वित्तमान से संबंधित समेकित प्रतिवेदन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसे सर्वसम्मति से समिति द्वारा अनुमोदित किया गया। बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, डीडीएम नाबार्ड, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक के प्रतिनिधि सहित अन्य उपस्थित थे।

एनटीपीसी के जांबाज सीनियर मैनेजर शुभम बशाक अंटार्टिका के बर्फीले माइनस 20 डिग्री वाले स्थान से 15 दिन बाद लौटे

अब माउंट एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने की तैयारी

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बड़कागांव। एनटीपीसी पंकरी बरवाडीह कोल माइन्स के डिसपैच सेक्शन के सीनियर मैनेजर शुभम बसाक ने अपनी अलग पहचान बनाई है। इनके काम की तारीफ कंपनी के अंदर तो है ही, कंपनी के बाहर भी यह अलग प्रकार के कार्यों के लिए मशहूर हैं। पहाड़ पर चढ़ना , बर्फीले क्षेत्रों के प्रतिकूल परिस्थिति में प्रकृति के बीच रहकर अनुभव हसिल करना है। पिछले दिनों 'शुभम बसाक' 'पेनेनसुला अंटार्टिका' गए थे जो अर्जेंटइना में स्थित है। वहां 15 दिन रहकर एक अलग प्रकार का अनुभव हसिल किया। बता दें, पेनेनसुला अंटार्टिका' महासागर में पड़ता है ,जो लगभग सालों भर बर्फ की मोटी चादर से ढका रहता है और यहां का तापमान माइनस 5एष्ठ से माइनस 20 डिग्री सेलसीयस तक बना रहता है।

ऐसे प्रतिकूल परिस्थिति में वहां एक दिन बिताना मुश्किल है, और शुबम बसाक ने वहां 15 दिन बिताया, हालांकि इस आइस एक्सपीडिशन ट्रिप में उन्होंने पूरे 20 दिनों का समय बिताया।

छह मार्च को निकले थे और 25 मार्च को लौटे। वह 10 दिन लगातर लगभग 500 किलोमीटर बर्फ में पैदल चले। 20 दिनों की इस आईएस रोमांच ट्रिप में उन्होंने लगभग 2000 किलोमीटर

फ्लाइट से यात्रा की ,लगभग 2000 किमी पानी जहाज से यात्रा किया ,और लगभग 300 किलोमीटर पैदल बर्फ पर चले तब जाकर अंटार्टिका के ब्राउनबफ नामक स्थान पर पहुंचे और अपने रोमांच का अनुभव किय। बता दें साल भर में ब- मुश्किल दो बार ही ब्राउनबफ में लोगों को जाने की अनुमति मिलती है , शुबम बसाक जिस ग्रुप में गए थे उसमें कुल 48 लोग थे जिसमे महिला व पुरुष दोनों शामिल थे, 48 लोगों के इस ग्रुप में इंडिया से मात्र दो लोग ही थे।जिसमें एक एनटीपीसी के शुबम बसाक और दूसरा सागर उद्वासिन जो मुंबई के रहने वाले हैं और एक प्राइवेट टीचर हैं, इन दोनों के अलावा बाकी सभी विदेशी थे। अर्जेंटीना में स्थित यह बर्फीला क्षेत्र ब्राउनबफ के नाम से जाना जाता है ,जहां साल में केवल दो बार ही ग्रुप में जा सकते हैं, इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना होता है, फिर एक्जाम होती है और कई दौर के फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद वहां जाने की अनुमति दी जाति है द्य आपको बता दें शुबम बसाक कोलकाता के बैरकपुर के रहने वाले हैं , इससे पहले ये 2024 में हिमाचल के फ्रेंडशिप पिक (पर्वत) जो समुद्र तल से 5290 मीटर ऊंचा है वहां 14 दिन बिताये और पर्वत पर चढ़े और वहां का अनुभव पाप्त किये द्य इससे पहले 2023 में माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप में जो समुद्र टल से 5600 मीटर ऊंचा है 10 दिन गुजार चुके हैं शुबम बसाक के सीनियर ने बताया की शुबम काफी मेहनती हैं कंपनी में भी पूरी लगन से काम करते हैं, शुबम बसाक से पत्रकारों ने जब यह पूछा कि आप इस प्रकार के प्रतिकूल परिस्थिति वाले जगहों पर जाकर अपना जान जोखिम में क्यों डालते हैं तो उनका जवाब था की मुझे प्रकृति से प्रेम है और प्रकृति की गोद में जाकर रोमांच भरा अनुभव हसिल करने में मुझे सुकून मिलता है , उन्होंने कहा मेरी इच्छा है कि मैं माउंट एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने साथ यूरोप के एल्ब्रुस पिक (रुस) जाऊं और एक अलग रोमांच भरा अनुभव प्राप्त करुं।

निजी विद्यालय के संचालको की मनमानी से परेशान है अभिभावक

- निजी विद्यालय मे ही उच्च दरो पर किताब कॉपी खरीदने को विवश कर रहे विद्यालय के संचालक
- मनिका मे मानक नियमो को ताक पर पचास से अधिक अवैध रूप से चल रहा निजी विद्यालय

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, लातेहार। मनिका प्रखंड मे संचालित निजी विद्यालय के संचालक स्कूल फी के नाम पर मनमानी तरीको से पढ़ने वाले बच्चो के अभिभावक से रूपये ऐठ रहे है। निजी विद्यालय के संचालको की मनमानी यही नही रूकती। बच्चो के अभिभावको से विद्यालय के संचालको के द्वारा अपने ही विद्यालय से किताब, कॉपी खरीदने का दबाव बनाकर उच्च दरो पर किताब कॉपी भी बेच रहे है। ऐसे मे ग्रामीण क्षेत्र मे रहने वाले बच्चो के अभिभावको पर अनावश्यक रूप से आर्थिक बोझ ढोने को विवश है। गौरतलब हो की मनिका प्रखंड मे पचास से अधिक निजी विद्यालय संचालित है। संचालित विद्यालय विद्यालय खोलने का मानक भी अपर्याप्त है। बावजूद उक्त विद्यालय के संचालको के ऊपर शिक्षा विभाग मौन धारण की हुई है। बताया जाता है की बेलगाम हुए निजी विद्यालय के संचालको के उपर शिक्षा विभाग का ध्यान नही होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र मे मेहनत मजदुरी कर जीवन यापन चला कर अपने बच्चो को अच्छी शिक्षा देने की ललक मे बच्चो के अभिभावको पर आर्थिक बोझ निजी विद्यालय के संचालको के द्वारा दी जा रही है। निजी विद्यालय के संचालको के द्वारा मनमानी रवैया अपनाये जाने से बच्चो के अभिभावक दोगुनी दामो पर विद्यालय से किताब कॉपी खरीदने पर विवश है।निजी विद्यालय के उक्त मनमानी का कई अभिभावको के द्वारा विरोध भी जताया गया। परंतु उनके उस विरोध का विधालय के संचालको के कानो तक जू भी नही रेंगती। बच्चो के कई अभिभावको ने बताया विरोध जताने पर निजी विद्यालय के संचालक कहा करते है की हमलोगो को शिक्षा विभाग के साथ साथ कुछ स्थानीय नेताओ को भी खर्चा देना पड़ता है हमलोग कहां से मैनेज करेंगे।मनिका मे निजी विद्यालय के संचालको की मनमानी से विद्यालय मे पढ़ने वाले गरीब बच्चो के माता पिता को खासा परेशानियो का सामना कर पड़ रहा है। निजी विद्यालय के संचालको की मनमानी पर बच्चो के अभिभावको ने जिले के उपायुक्त से नकेल कसने की मांग की है।

सार्वजनिक रास्ते के विवाद में चली तलवार, हुआ जानलेवा हमला

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ हमला का वीडीओ, लोगों में आक्रोश

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चौपारण (हजारीबाग)। थाना क्षेत्र के करमा पंचायत के जोकट गांव में गुरुवार सुबह सार्वजनिक रास्ते पर मिट्टी डालने को लेकर हुए विवाद में एक ही परिवार पर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया गया। पीड़ित रामसेवक राणा ने इस द्वारा चौपारण थाना में लिखित आवेदन दिया गया। जिसमें बताया कि वे अपने घर में शादी की तैयारी के लिए परिवार वालों के साथ मुहल्ले से मुख्य मार्ग महूदी को जोड़ने वाले सार्वजनिक रास्ते पर मिट्टी डाल रहे थे।

इसी दौरान गांव के ही आक्रोश केशरी, शंकर केशरी, शम्भू केशरी, डब्लू केशरी, प्रदुमन केशरी, मन्नू केशरी, गौतम केशरी, सोनू केशरी, अरुण केशरी और राजू केशरी तलवार और लाठी से लैस होकर आए और उन पर तथा उनके परिवार वालों पर हमला कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही चौपारण पुलिस मौके पर पहुंची और एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर थाने ले गई। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें तलवार से हमला करते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद से ही लोग पुलिस प्रशासन से फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक चौपारण पुलिस ने इस मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की है।

हमला कर युवक फरार, जल्द गिरफ्तारी होगी- थाना प्रभारी–इस संबंध में पूछे जाने पर थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने बताया कि अभी तक मामला दर्ज नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि रास्ते को लेकर विवाद हुआ था और तलवार लहराने वाला युवक मौके से फरार है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

रास्ता सार्वजनिक, अतिक्रमण हटाया गया-सीओ

इस मामले में अंचलाधिकारी संजय यादव ने बताया कि शंकर केशरी,शम्भू केशरी और अन्य द्वारा रास्ते पर अतिक्रमण कर बीच में गड्ढा खोद दिया गया था। नापी के बाद गड्ढा भरने और अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया गया था। उन्होंने बताया कि शम्भू केशरी और अन्य को अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था, लेकिन वे बार-बार इसे टाल रहे थे। मैंने अवध राणा को खुद से मिट्टी भरवाने का आदेश दिया था जिसपर वे लोग काम कर रहे थे।

चतरा शहर में वन पट्टा सहित अन्य मांगों को लेकर भाकपा माले ने निकाला आक्रोश मार्च

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, चतरा। शहर में गुरुवार को वन पट्टा सहित अन्य माँगो के समर्थन में भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने आक्रोश मार्च निकाला। भाकपा माले द्वारा आयोजित आक्रोश मार्च में सैकड़ों की संख्या में महिला पुरूष कार्यकर्ता शामिल थे। आक्रोश मार्च में शामिल लोगों ने अपने हांथों में स्लोगन लिखी तख्तियां ले रखी थी। रैली की शक्ल में निकले कार्यकर्ता खेतों का जोत कोड़ करने वाले किसानों को वन पट्टा देना होगा, विस्थापितों को उचित मुआवजा एवं पुनर्वास की गारंटी देनी होगी, मनरेगा मजदूरों को वर्ष में 300 दिन काम और काम के बदले 600 रुपया मजदूरी की व्यवस्था लागू करने, बिजली पानी की समुचित व्यवस्था करने सहित अन्य नारे लगा रहे थे। भाकपा माले द्वारा आहूत रैली का नेतृत्व भाकपा माले के चतरा जिला प्रभारी त्रिलोकी नाथ के द्वारा किया गया। पोस्टऑफिस चौक से निकाला गया आक्रोश मार्च केशरी चौक तक गई जहां भाकपा माले कि यह रैली आम सभा में तब्दील हो गई।

वन भूमि व रैयतों की भूमि पर हाई टेंशन बिजली पोल गाड़ने वाली कंपनी व दलालो को ग्रामीणों ने खदेड़ा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,टंडवा (चतरा)। नौकरी का झांसा देकर आम्रपाली प्रबन्धन और सरादु वन भूमि व रैयतों के भूमि पर हाई टेंशन बिजली पोल गाड़ने का टेंडर लेने वाली कंपनी और उसके दलालों को ग्रामीणों ने खदेड़ दिया। सुबोध सिंह, बिजय सिंह, महेश सिंह सहित अन्य ने कहा कि आम्रपाली में निजी उपयोग के लिए आम्रपाली प्रबंधन और कंपनी द्वारा सरादु गांव के दलालों से साठ गांठ कर के गांव के भूमि पर हाई टेंशन पोल लगाने की साजिश को कभी सफल होने नहीं दिया जाएगा। दलालों द्वारा लाखों रुपए लेकर गांव को बर्बाद करने वालों को ग्रामीणों ने चिन्हित कर लिया है। राजेन्द्र राम ने कहा कि जो जमीन आम्रपाली में अधिग्रहित नहीं है तो आम्रपाली प्रबंधन नियम विरुद्ध वन भूमि व ग्रामीणों के भूमि पर हाई टेंशन पोल लगाने के लिए नौकरी का झांसा देना बंद करें। वही सुबोध सिंह ने कहा कि आम्रपाली प्रबंधन नियम विरुद्ध सरादु में किसी भी तरह का कार्य करने की मंशा नहीं रखें। इस संदर्भ में शीघ्र बैठक करके भंडाफोड़ करते हुए पुतला दहन किया जाएगा। उड़सु, कुमरांग, होन्हे के रैयतों व ग्रामीणों का कार्य नियम संगत करने वाला प्रबंधन नियम विरुद्ध क्यों दूसरे गांव में दलालों के माध्यम से कार्य करा कर फर्जी नौकरी का झांसा दे रहा है? आम्रपाली कंपनी के द्वारा न ही भूमि का अधिग्रहण किया गया है और न ही डायवर्सन व एनओसी फिर भी फर्जी नौकरी का झांसा देकर क्यों रची जा रही है वन भूमि पर गंदी साजिश। कंपनी के मनमाने रवैया से ग्रामीण काफी क्षुब्ध नजर आ रहे हैं।

आजसू के केंद्रीय महासचिव व सचिव पहुंचे मां भद्रकाली के दरबार, की पूजा अर्चना

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,इटखोरी (चतरा)। गुरुवार को आजसू पार्टी के महासचिव उमेश भोक्ता और सचिव पारसनाथ सिंह ऐतिहासिक मां भद्रकाली मंदिर पहुंचे। यहां पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। मंदिर पहुंचकर उन्होंने मां भद्रकाली की पूजा अर्चना कर राज्य और राज्य की जनता के लिए मंगल कामना की।

केंद्रीय महासचिव और सचिव के इटखोरी पहुंचने पर आजसू कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा गया। इस मौके पर केंद्रीय सदस्य संदीप सिंह, जिला अध्यक्ष शिवलाल दांगी, जिला सदस्य संजय मेहता, प्रखंड अध्यक्ष बिरजू राणा, मयूरहंड प्रखंड अध्यक्ष सिकंदर मेहता और मयूरहंड प्रखंड उपाध्यक्ष राजेश शर्मा उपस्थित थे।

चतरा जिले में आंधी–तूफान ने मचाया तांडव

जलमीनार और विद्यालय में लगा सोलर पैनल उड़ा, कई जगह टूटी पेड़ की टहनी

जिले के कई प्रखंडों में तेज आंधी के साथ हुई बारिश

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,चतरा। गुरुवार की शाम को अचानक मौसम बदलाव हुआ। जिससे जिला मुख्यालय व जिले के प्रखंडों मैं तेज आंधी के साथ हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी। जिले के कई प्रखंडों में आंधी ने तबाही मचाई । शाम से पहले अचानक बादल छा गये देखते ही देखते धूल भरी तेज आंधी चलनी शुरू हो गई। जिससे थाना क्षेत्र के उरैली पंचायत के खूंटीहेरा गांव में जल नल योजना के तहत जल मीनार लगाया गया था। जिसका सोलर पैनल उड़ कर नीचे गिर गया। वही दूसरी घटना थाना क्षेत्र के गोसाईडीह गांव चतरा -डोभी मुख्य पथ के समीप एक पेड़ गिरी जिससे आधे घंटे तक आवागमन बाधित रहा हालांकि पुलिस की तत्परता से उस टहनी को सड़क से किनारे किया गया जिसके बाद आवागमन चालू हुई। तीसरी घटना थाना क्षेत्र के डुमरीकला पंचायत क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय फिटिंगटाड़ के छत पर लगाया गया सोलर पैनल उड़ गया। जिले के विभिन्न क्षेत्र में आंधी के द्वारा आम और लीची के फसलों को नुकसान पहुंचा। कई जगह पेड़ों के टहनियां के टूटने की खबर है।

एसजीआरएस अकादमी में प्रेरणादायक सत्र आयोजित

खुद का भविष्य संवारने में स्वयं सक्षम बनें - डॉ.अभिषेक कुमार सिंह

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता,रांची/टाटीसिल्वे। खेलगांव स्थित एसजीआरएस अकेडमी के छात्रों के लिए मोटिवेशनल सेशन (प्रेरणादायक सत्र) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजधानी रांची के जाने-माने नेत्र चिकित्सक व मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विषम परिस्थितियों में भी धैर्य और साहस के साथ जीवन पथ पर सतत अग्रसर रहें। हिम्मत न हारें। उन्होंने कहा कि निराशा के बाद भी आशा की किरणें प्रस्फुटित होती है। असफलता के बाद सफलता भी मिलती है।

डॉ.सिंह ने युवाओं को संदेश दिया कि आपके विकास में चाहे सरकार,समाज या माता-पिता मदद करने में सक्षम हैं कि नहीं, यह महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि आपको खुद का भविष्य संवारने में स्वयं सक्षम होने और प्रयासरत रहने की जरुरत है। अपना भविष्य खुद संवारें।?

युवा अपना भविष्य स्वयं गढ़ें, यह एक ऐसा संदेश है जो युवाओं को अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने और अपने भविष्य को आकार देने के लिए प्रेरित करता है।

अकादमी के छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आपके पास शक्ति है। आपके पास अपने जीवन को बदलने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ऊर्जा है। इसका सदुपयोग करें। सफलता आपके कदम चूमेगी। आपके सपने और लक्ष्य सच हो सकते हैं, अगर आप उन्हें प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें।

उन्होंने कहा कि जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कई विकल्प हैं। इसका चयन कर आगे बढ़ते रहें। आपके परिवार, मित्र और समुदाय से आपको समर्थन मिल सकता है, जो आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक हो सकता है।

डॉ.अभिषेक ने कहा कि आपके पास अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कई अवसर हैं। उन अवसरों को पहचानें।

इन संदेशों को आत्मसात कर युवा अपने भविष्य को आकार देने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं।

इस अवसर पर डायरेक्टर हरनाम सिंह, सह निदेशक मो.जमाल जी, प्रखर वक्ता सह सामाजिक कार्यकर्ता अमित कुमार, एसजीआरएस अकादमी के प्राचार्य सहित काफी संख्या में अकादमी के छात्र उपस्थित थे।

चौपारण अंचल में दलाल तंत्र हावी सरकारी तंत्र फेल

बाबूओं से ज्यादा प्रभावशाली उनके दलाल

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण अंचल कार्यालय में इन दिनों हालात ऐसे हैं कि असली सरकारी कर्मचारी कौन है और फाइलें दौड़ने वाला कौन, यह समझ पाना मुश्किल हो गया है। अंचल परिसर में सरकारी कर्मचारी कम, और उनके दलाल ज़्यादा सक्रिय नजर आते हैं। आम जनता अपने काम के लिए कार्यालयों के चक्कर काटती है, लेकिन बिना दलालों की मर्जी के कोई काम आगे नहीं बढ़ता। आलम यह है कि बिना दलालों के फाइलें आगे नहीं सरकती। सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार उस टेबल पर है, जहां कर्मचारी सह सीआई सत्येन्द्र कुमार बैठते हैं। यह अधिकारी न केवल सरकारी जिम्मेदारियों में लापरवाह है, बल्कि खुलेआम दलालों के ज़रिए पूरे अंचल को संचालित कर रहे है। सूत्रों की मानें तो सत्येन्द्र कुमार अपने साथ अमानत नाम के एक युवक को हजारीबाग से लाकर रखे है, जो बिना किसी सरकारी पद या अधिकार के पूरे दफ्तर का ऑपरेशन हेड बना हुआ है।

कर्मचारी और दलालों के इस गठजोड़ का आलम यह है कि अगर अमानत किसी काम को मना कर दे, तो वो काम चाहे जितना जरूरी हो, कर्मचारी उस काम में हाथ तक नहीं लगाते। इतना प्रभाव है इस शख्स का कि जनता में भ्रम की स्थिति है–सरकारी बाबू कौन है, और आदेश किसका चल रहा है?

सिर्फ अमानत ही नहीं, चौपारण आंचल कार्यालय में एक और दलाल सकलदेव भी सक्रिय है, जो सतेन्द्र कुमार के इर्द-गिर्द घूमते हुए कागज़ी प्रक्रियाओं को अंजाम देता है। लोगों की मानें तो यह सकलदेव भी अमानत की तरह ही ताकतवर है। अब सवाल उठता है कि जब सत्येन्द्र कुमार खुद सरकारी कर्मचारी हैं, तो इन गैरसरकारी लोगों को फाइलें देखने और लोगों के दस्तावेज़ लेने की छूट क्यों दी गई है? साफ है कि इन दोनों को सत्येन्द्र कुमार का सीधा संरक्षण प्राप्त है।

ग्रामीणों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार और मिलीभगत का ऐसा जाल बना दिया गया है कि शिकायत करना भी बेअसर लगता है। चौपारण अंचल धीरे-धीरे प्रशासनिक व्यवस्था का नहीं, बल्कि दलाल संस्कृति का मुख्यालय बनता जा रहा है।

झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन की आवश्यक बैठक हुई

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,गिरिडीह। झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन की एक आवश्यक बैठक गुरुवार को अपराह्न जिले से डुमरी के जामतारा पंचायत भवन सभागार में हुई।अध्यक्षता यूनियन के प्रखंड अध्यक्ष राजेन्द्र यादव एवं संचालन यूनियन के केन्द्रीय महासचिव रवींद्र कुमार ने किया। इस बैठक में गांवों में व्याप्त पानी एवं बिजली की समस्या,प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने,यूनियन के द्वारा मासिक जनता दरबार लगाने पर चर्चा की गई।यूनियन के सदस्यों को अपने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मुखर होने,सरकार की योजनाओं से जरूरतमंदों को लाभान्वित कराने के लिए कहा गया। वहीं केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने सभी जिलों एवं प्रखंडों में यूनियन का विस्तार किए जाने के लिए सभी केंद्रीय अधिकारियों का आह्वान किया। बैठक में यूनियन के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सुभाष पंडित,धनश्याम सिंह,नंदलाल महतो,घनश्याम महतो,विजय कुमार,भोला मिस्त्री,गौरीशकर पांडेय,हेमा देवी,सुरेश सिंह,उमेश कुमार,रामचन्द्र महतो,मेघलाल महतो,रजिया खातून,विछुवा देवी,जगती देवी,बबीता देवी,सीमा कुमारी,शहनाज खातुन,समीना खातून,सुरेंद्र राम,जैबिन खातुन,सोरेन खातुन,कौशल्या देवी,बसंती देवी,खुशबू कुमारी,पोखराज पांडेय,कौशल हेम्ब्रम,नन्द कुमार महतो,डब्लू कुमार पांडेय,नन्दकिशोर पंडित, दुलारचांद पंडित,सूरजदेव कुमार,डेगलाल महतो आदि मौजूद रहे।

पटना नगर निगम की पीआरओ ने दिया इस्तीफा

मेयर के बेटे शिशिर पर प्रताड़ित करने का आरोप, महिला थाने में भी शिकायत दर्ज

पटना, एजेंसी। पटना नगर निगम की पीआरओ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। महिला पदाधिकारी ने मेयर सीता साहू के बेटे शिशिर कुमार पर मानसिक प्रताड़ना और बदसलूकी के आरोप लगाए हैं। इस संबंध में महिला थाने में भी शिकायत दर्ज कराई है। महिला पदाधिकारी ने नगर आयुक्त को लिखे लेटर में कहा, 2021 से नगर निगम में पीआरओ के पद पर अपनी सेवा दे रही हूं, लेकिन अब मेयर पुत्र के कारण इस पद को त्याग रही हूं। कभी मेयर के चैंबर में तो कभी फोन पर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। मेरे साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। नौकरी से भी निकालने की धमकी दी गई थी। उन्होंने मेरे निजी जिंदगी पर टिप्पणी की है। इससे मैं काफी आहत हूं। यह एक स्त्री के सम्मान की बात है। ऐसे माहौल में काम कर पाना संभव नहीं है।

व्यक्तिगत जीवन को लेकर अभद्र टिप्पणी : महिला थाने में लिखित शिकायत में पीआरओ ने कहा, %अनुभव के आधार पर मुझे नौकरी दी गई थी। शिशिर कुमार ने निजी चैनल को इंटरव्यू दिया है, साक्ष्य मेरे पास है। उनके अनुसार मेरे पति ने मुझे छोड़ दिया। इस वजह से मुझे जनसंपर्क अधिकारी की नौकरी मिली। मेरे बारे में जानबूझकर और दुर्भाग्यपूर्ण इरादे से ये बातें कही गई है। उनके इंटरव्यू लगातार वायरल किया जा रहा है। शिशिर की हरकत से मैं मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ना झेल रही हूं। पुलिस मेरे साथ न्याय करे।

मानहानि केस करने की धमकी : वहीं, शिशिर कुमार ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि एसके पटौदिया नाम की एजेंसी है। इसी एजेंसी के जरिए इन्हें पीआरओ के तौर पर रखा गया था। अब एजेंसी ने पीआरओ समेत अन्य कर्मियों को हटाने का नोटिस दे दिया है। 3 अप्रैल को पीआरओ ने मेयर का भाषण नहीं लिखा। इसके चलते मेयर को उस कार्यक्रम में अपमान झेलना पड़ा। महिला थाने में मेरे खिलाफ जो शिकायत की गई है, उसका तथ्य के साथ जवाब दे देंगे। लेकिन अब वे पीआरओ के खिलाफ मानहानि का केस करेंगे, ताकि सच्चाई सामने आ जाए।

उप नगर आयुक्त से की थी बदतमीजी : इससे पहले निगम के उप नगर आयुक्त रामाशीष शरण तिवारी ने शिशिर कुमार पर भद्दी-भद्दी गाली देने और दिवंगत मां को लगाकर गाली देने का आरोप लगाया था। उन्होंने इस मामले में कोतवाली थाने में लिखित शिकायत की थी। उनका कहना है कि गाली-गलौज की यह घटना 3 अप्रैल को हुई थी।

बिहार में पकड़ौआ विवाह के लिए टीचर किडनैप, तलाश में जुटी पुलिस : दरभंगा, एजेंसी। बिहार में पकड़ौआ विवाह के लिए एक शिक्षक का अपहरण कर लिए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हैरान कर देने वाला यह मामला दरभंगा जिले का है। जमालपुर थाना क्षेत्र स्थित मध्य विद्यालय ढंगा में पदस्थापित शिक्षक राकेश कुमार का अपहरण कर लिया गया है। मध्य विद्यालय ढंगा के प्रधानाध्यापक प्रदीप कुमार ने राकेश का अपहरण किये जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि कुशेश्वरस्थान निवासी बीपीएससी उर्तीण शिक्षक राकेश बगल के चतरा गांव में डेरा रखे हुए थे जहां से वे स्कूल आया जाया करते थे।

राकेश के मोबाइल पर जब उन्होंने स्कूल नहीं पहुंचने के सबंध में फोन किया तो उसका मोबाइल कोई ध्वनि संकेत नहीं दे रहा था। उनके परिजनों से जब संर्पक किया गया तो बताया गया कि शिक्षक राकेश का बदमाशों ने अपहरण कर लिया है। जानकारी के अनुसार अपहृत शिक्षक राकेश को बदमाश दरभंगा व समस्तीपुर जिले के सीमावर्ती थाना विथान के इलाके में छुपा कर रखा हुआ है।जमालपुर थाना के थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने किरतपुर अंचल के मध्य विद्यालय ढंगा के नवनियुक्त शिक्षक राकेश कुमार को अगवा किए जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि शिक्षक के परिजनों की ओर से दिए गये आवेदन के आधार पर थाना में एक कांड अंकित कर अपहृत शिक्षक की बरामदगी के लिए पुलिस अपनी जांच शुरू कर दिया है। अपहृत शिक्षक की सकुशल रिहाई के लिए जमालपुर थाना पुलिस तिलकेश्वर स्थान थाना पुलिस से संर्पक स्थापित कर बदमाशों के ठीकाने पर छापेमारी कर रही है। उन्होंने बताया कि परिजनों का आरोप है कि शादी के लिए टीचर का अपहरण किया गया है।

पूर्णिया में पुलिस टीम पर हमला, हथियार छीनने की कोशिश, दो गिरफ्तार

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में वाहन जांच के दौरान कुछ मनचलों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। आरोप है कि युवकों ने एएसआई के साथ धक्का मुक्की और सरकारी हथियार छीनने की कोशिश की और उन्हें धमकाया भी गया। मौके पर पहुंची फोर्स को देख आरोपी भाग गए। पुलिस ने इस मामले में 1 नामजद और 25 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए दो मनचलों को धर दबोचा है। गिरफ्तार मनचलों से पुलिस पूछताछ कर रही है। घटना शहर के भट्ठा टीओपी के खीरू चौक के समीप की है। समूचे घटनाक्रम से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें कुछ मनचले वाहन जांच में लगे भट्ठा टीओपी के एएसआई गुड्डू कुमार और एक जवान से बहस करते और धमकाते दिख रहे हैं। वीडियो में वे लड़के भी दिखाई दे रहे हैं, जिन्होंने एएसआई को घेरकर धमकाया और बदसलूकी की थी। गिरफ्तार मनचले की पहचान मधेपुरा बिहारीगंज मस्जिद टोला निवासी इस्तेखार अहमद के पुत्र इस्तियाक अहमद (35) और बनमनखी हनुमान नगर निवासी गजेंद्र झा के बेटे रीतेश कुमार झा उर्फ सोनू कुमार झा के रूप में हुई है। टीओपी प्रभारी बोले- एसपी के निर्देश पर एएसआई वाहनों की जांच में लगे थे घटना की जानकारी देते हुए भट्ठा बाजार टीओपी प्रभारी राहुल कुमार ने बताया कि भट्ठा बाजार टीओपी के एएसआई गुड्डू कुमार एसपी कार्तिकेय शर्मा के निर्देश पर वाहन जांच में लगे थे। वाहन जांच के लिए बाइक सवार दो युवकों को रोकने का इशारा किया। वाहन चेकिंग कराने पर वे भड़क गए। दो दर्जन से अधिक लोगों को बुलाकर एएसआई गुड्डू कुमार के साथ धक्का-मुक्की और गाली-गलौज करने लगे, साथ ही धमकाते हुए कमर से सरकारी पिस्टल छीनने का प्रयास किया।

मां ने लगाई फटकार, घर से भागकर स्टेशन पहुंची बेटी: पुलिस ने बचाई युवती की जान

शेखपुरा, एजेंसी। शेखपुरा में महिला पुलिस की सतर्कता और तत्परता से एक 19 वर्षीय युवती की जान बच गई। करंडे थाना क्षेत्र की रहने वाली यह युवती मंगलवार की देर रात मां की डांट से नाराज होकर घर से भाग गई। वह घर से सीधे रेलवे स्टेशन पर जाकर बैठ गई। स्टेशन पर परेशान युवती को देख अनहोनी की आशंका होने पर किसी ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस टीम फौरन स्टेशन पहुंची और युवती को सुरक्षित बरामद कर लिया। बुधवार दोपहर को सूचना मिली कि एक लड़की किऊल-गया रेलखंड के शेखपुरा रेलवे स्टेशन पर कई घंटों से अकेली बैठी है। पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर लड़की को देखा। वह परेशान नजर आ रही थी। उसके पास कोई बैग भी नहीं था। या तो वह किसी ट्रेन में चढ़ने की फिराक में थी या फि सुसाइड करने की कोशिश कर सकती थी।

दिन में छाया रात के जैसा अंधेरा, कई क्षेत्रों में भारी बारिश

तेज हवाएं चलने से पारा एकदम से लुढ़का

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में बृहस्पतिवार को सुबह होते ही, घने काले बादलों और झोंकेदार हवाओं संग जमकर बरसात शुरू हुई। घने बादलों की मौजूदगी से दिन में ही अंधेरा छा गया। बारिश और हवाओं की वजह से तापमान गिरने से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को राहत महसूस हुई।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से लखनऊ में पूर्वा और पछुआ हवाओं के समागम होने की वजह से यह आंधी और बरसात देखने को मिली है। लखनऊ में सुबह 8:30 बजे तक 7 मिमी. बारिश दर्ज की गई। जबकि एयरपोर्ट के इलाके में यह 2 मिमी. रिकॉर्ड की गई। लखनऊ व आसपास के जिलों बाराबंकी, रायबरेली,सीतापुर आदि में भी अच्छी बारिश देखने को मिली।

गेहूं की फसल को होगा नुकसान

इस आंधी और भारी बारिश से जिन किसानों की गेहूं की फसल अभी कटी नहीं है, उनके नुकसान की आशंका है। झोंकेदार हवाओं से, गेहूं की फसल लेट जाएगी और किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

बारिश के साथ गिरे ओलेज्मौसम हुआ सुहाना

कानपुर , एजेंसी I कानपुर में गुरुवार सुबह अचानक मौसम ने करवट बदल ली है I तड़के सुबह से ही आसमान पर काले बादल घिर आए थे I कुछ देर के लिए अंधेरा छा गया और गरज-चमक के साथ तेज बारिश शुरू हो गई I साथ ही, ओले भी गिरे हैं I इससे गर्मी से बेहाल लोगों को राहत मिली हैं I बता दें कि मौसम विभाग ने आज से लेकर 13 अप्रैल तक प्रदेश के कई जिलों में बारिश और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने का अलर्ट जारी किया है I इसकी शुरुआत कानपुर में सुबह से ही हो गई I अचानक काले बादल आसमान में घिर आए थे I इसके बाद तेज हवाओं के साथ तूफानी बारिश शुरू हो गई I दिन में अंधेरा छा गया, जिससे लोगों को दिन में गाड़ियों की लाइट चालू करनी पड़ी I वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी आने के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में मौसमी गतिविधियों बनी हैं I

12 अप्रैल को बादलों के और बढ़ने की उम्मीद- इससे माहौल में नमी आ रही है I अगर सारी गतिविधियां एक-दूसरे से जुड़ जाएंगी, तो मौसम बदलेगा I पश्चिमी विक्षोभ पर्वतीय क्षेत्रों में है I इससे भी नमी तराई वाले इलाकों में बढ़ेगी I 12 अप्रैल को बादलों के और बढ़ने की उम्मीद है I इससे गर्मी और उमस बढ़ सकती है I

मौसम ने ली दो जिंदगियां, बिजली गिरने से किसान की मौत, दीवार गिरने से दबकर महिला की मौत

सीतापुर , एजेंसी I सीतापुर जिले में खराब मौसम ने दो जिंदगियां ले ली I खेत में काम कर रहे एक किसान पर बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई I वहीं, एक महिला की भी दीवार गिरने से मौत हो गई I बिसवां के ग्राम पंचायत जनुवा के मजरा मोचखुर्द मे आकाशीय बिजली गिरने से किसान हरिश चंद्र भार्गव (23) की मौत हो गई I हरिश्चंद्र कुल तीन भाई थे I मृतक के बड़े भाई की शादी हो चुकी है I हरिश्चंद भार्गव की अभी शादी नही हुई थी I वह बृहस्पतिवार सुबह खेत में गन्ना छीलने गए थे तभी आकाशीय बिजली गिरने से उनकी मौत हो गई I जिले के सकरन में खेत से वापस आ रही महिला पर पक्की दीवार गिर गई जिसके नीचे दबने से उसकी मौत हो गई I रसूलपुर हरदोपट्टी गांव निवासी कुसुमा देवी (55) पत्नी जुगराज बृहस्पतिवार सुबह खेत में गेहूं की फसल की कटाई करने गई थी I सुबह 9.30 बजे तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई I कुसुमा देवी खेत से अपने घर जाने लगी I गांव में नागेन्द्र के घर के पास पहुंचते ही नागेन्द्र की पक्की दीवार भरभरा कर कुसुमा देवी के ऊपर गिर गई जिसके नीचे कुसुमा देवी दब गई I आवाज सुनकर मौके पर पहुंचें ग्रामीणों ने मलबा हटा कर कुसुमा देवी को किसी तरह बाहर निकाला तब तक उनकी मौत हो चुकी थी I घटना की सूचना पुलिस व राजस्व विभाग को दे दी गई है I

संक्षिप्त समाचार

पेड़ पर लटके मिले प्रेमी युगल के शव, अलग-अलग समुदाय के थे युवक और युवती, गांव में मचा हड़कंप

बाराबंकी, एजेंसी। बाराबंकी जिले के मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के बिहुरा गांव में बृहस्पतिवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब गांव के बाहर एक पेड़ से प्रेमी युगल के शव लटके पाए गए। दोनों अलग-अलग समुदाय से थे और बीते चार वर्षों से प्रेम संबंध में थे। युवक की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, मृतक सूरज (21) पहाड़पुर गांव का निवासी था जबकि युवती निशा बानो (18) पड़ोसी गांव बिहुरा की रहने वाली थी। दोनों के बीच चार साल से प्रेम संबंध था, लेकिन सामाजिक और धार्मिक बंदिशों के चलते शादी संभव नहीं हो पाई। कुछ दिन पहले दोनों घर से भाग निकले थे, लेकिन परिजनों के दबाव में लौट आए। इसके बाद सूरज के परिजनों ने तीन महीने पहले शादी कर दी।

बुधवार देर रात करीब दो बजे सूरज की पत्नी ने बताया कि वह घर से गायब है। परिजनों ने काफी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। गुरुवार सुबह गांव के कुछ लोग खेत की ओर गए तो देखा कि आम के पेड़ से दो शव फंदे पर लटके हैं। दोनों की पहचान सूरज और निशा के रूप में हुई। बताया गया कि दुपट्टा और गमछा जोड़कर फांसी का फंदा बनाया गया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाल डीके सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। वहीं सूरज की नवविवाहिता पत्नी, जिसके हाथों से मेहंदी का रंग अभी पूरी तरह उतरा भी नहीं था, सदमे में है और बार-बार मूर्छित हो रही है। गांव में इस घटना को लेकर गहरा शोक और सनसनी फैली हुई है।

इंटर कॉलेज की भूमि की आय में धांधली की शिकायत

जौनपुर , एजेंसी। सादाबाद के गांव कुरसंडा स्थित कुरसंडा इंटरमीडिएट कॉलेज के नाम 80.5 बीघा कृषि योग्य जमीन की आय में धांधली की शिकायत जिला विद्यालय निरीक्षक से की गई है। डीआईओएस ने इसकी जांच के लिए समिति गठित कर दी है।

ग्राम पंचायत नगला ध्यान निवासी समाजसेवी बनी सिंह ने तहसील दिवस में इसकी शिकायत की थी। उन्होंने कहा था कि 2017 से लेकर आज तक इस खेती का इंटर कॉलेज के खाते में एक भी रुपया जमा नहीं किया है। कॉलेज में काफी कम धनराशि कार्यवाही रजिस्टर में दर्ज की जाती है। आजकल जिस हिसाब से जमीन की बोली लग रही है, उस हिसाब साथ 2024 तक की आय की जांच कराई जानी चाहिए। बनी सिंह का आरोप है कि कॉलेज के प्रबंधक मिलने वाले लोगों को जमीन दे देते हैं। जितनी बोली लगती है, उतनी रकम जमा नहीं की जाती। इस संबंध में डीआईओएस संतप्रकाश का कहना है कि इस मामले की जांच के लिए समिति गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

आंबेडकर शोभायात्रा में प्रतिबंधित होंगी जातिसूचक पट्टिकाएं

अलीगढ़ , एजेंसी। आंबेडकर शोभायात्रा के लिए इस वर्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर मेला समन्वयक कमेटी का गठन किया गया है। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को मनाई जाएगी। इसे लेकर दोनों संयोजकों ने बैठक कर जानकारी दी। शोभायात्रा में जातिसूचक पट्टिकाएं, गीत आदि प्रतिबंधित रहेंगे। शहर के रॉयल रिच रेस्टोरेंट में बुधवार को हुई बैठक में बताया गया कि 14 अप्रैल को राधास्वामी बगीची से बाइक प्रभात फेरी निकाली जाएगी। 26 अप्रैल को सियलखेड़ा के संत आश्रम बगीची से दोपहर दो बजे शोभायात्रा का शुभारंभ होगा।

संयोजक डॉ. राहुल सिंह व सुषमा सिंह ने समाज से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। समाज एकजुट है। शोभायात्रा में जातिसूचक पट्टिकाएं, गीत आदि प्रतिबंधित रहेंगे। मेला कमेटी के भगवान सिंह भारती, शम्मी गौतम, चौधरी विजेन्द्र सिंह, लल्लन बाबू एडवोकेट, पंकज प्रेमाकर, नेत्रपाल सिंह, राहुल सिंह आदि मौजूद थे।

टीटीई की पिटाई करने वाले रेलकर्मियों पर लटकी निलंबन की तलवार, रेलवे बोर्ड तक पहुंचा मामला

प्रयागराज , एजेंसी। मुंबई-प्रयागराज दुरंतो एक्सप्रेस में बीते मंगलवार को टीटीई और ट्रेन मैनेजर के बीच हुई मारपीट का मामला रेलवे बोर्ड तक पहुंच गया है। वहीं, मामले में दोषी रेलकर्मियों का निलंबन भी हो सकता है। हालांकि विभागीय जांच शुरू होने के साथ ही इस प्रकरण का एक और वीडियो बुधवार को सामने आया। बताया जा रहा है कि यह वीडियो दुरंतो एक्सप्रेस के ट्रेन मैनेजर केबिन का है। इस वीडियो में ट्रेन मैनेजर और टीटीई के बीच तीखी बहस हो रही है। मौके पर आरपीएफ का एक कर्मी भी ट्रेन मैनेजर व टीटीई को समझाने का प्रयास कर रहा है। वहीं, ट्रेन मैनेजर महेंद्र यादव ने टीटीई एमके पोद्दार के खिलाफ शिकायती पत्र दिया है। पत्र में लिखा कि चार दिन पहले वह ट्रेन लेकर कानपुर गए थे। वहां से पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन और फिर वह सतना गए। लगातार 60 घंटे की ड्यूटी के बाद उन्हें प्रयागराज बुलाया गया। पश्चिम मध्य रेलवे के सतना स्टेशन स्थित लॉबी को इसकी सूचना दी गई। वहां पर महेंद्र की जांच हुई और मेमो देकर प्रयागराज भेजा गया। इसी दौरान सतना से दुरंतो आ रही थी। इस दौरान महेंद्र मेमो लेकर दुरंतो के ट्रेन मैनेजर जगदीश से मिले और ट्रेन में बैठ गए। महेंद्र का आरोप है कि इसी दौरान काली बनियान पहनकर एक व्यक्ति पहुंचा और टिकट मांगने लगा। महेंद्र ने कहा कि उसके पास मेमो है और वह स्पेयर में जा रहे हैं। टीटीई ने इसपर 10 हजार रुपये जुर्माना देने को कहा। इस दौरान दोनों में झड़प हो गई। आरोप है कि महेंद्र को पैंट्री कार में ले जाने की कोशिश की गई। इस आपाधापी में महेंद्र गिर भी गए और उनके हाथ में चोट लग गई। इसके बाद ट्रेन में ही टीटीई और ट्रेन मैनेजर महेंद्र के बीच मारपीट होने लगी। झड़प में टीटीई के कपड़े भी फट गए। इसकी सूचना आरपीएफ मानिकपुर को मिली तो ट्रेन को वहां अटेंड किया गया। तब तक प्रयागराज जंक्शन पर भी यह सूचना पहुंच गई। ट्रेन मैनेजर से हुई अभद्रता को लेकर काफी संख्या में सहयोगी जंक्शन के प्लेटफॉर्म दो-तीन पर ही एकत्र हो गए। जब दुरंतो प्रयागराज पहुंची तो यहां प्लेटफॉर्म पर मौजूद रेलकर्मियों ने टीटीई को घेर लिया। कुछ ने टीटीई को मारा भी। वहीं, टीटीई ने ट्रेन मैनेजर महेंद्र और जगदीश के खिलाफ शिकायत की है। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला ने बताया कि अभी जांच चल रही है। मारपीट के वीडियो भी देखे गए हैं। मंडल परिचालक प्रबंधक ने दोनों पक्षों का बयान लिया है।

पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांडः साजिश रचने वाले गिरफ्तार, कुछ ही देर में खुलासा करेंगे पुलिस अधीक्षक

लखनऊ , एजेंसी I सीतापुर में आठ मार्च को हुए पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड में साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है I इस मामले में पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र दोपहर एक बजे प्रेस कांफ्रेंस करेंगे I आठ मार्च को लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर दिनदहाड़े पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी (35) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी I महोली के विकास नगर कॉलोनी निवासी राघवेंद्र बाजपेयी एक दैनिक समाचार पत्र में महोली तहसील के संवाददाता थे Iपरिजनों के मुताबिक दोपहर करीब तीन बजे उनके मोबाइल पर किसी का फोन आया I इसके बाद वह बाइक से सीतापुर जिला मुख्यालय के लिए निकले I हाईवे पर इमलिया सुल्तानपुर में हेमपुर ओवरब्रिज पर बदमाशों ने उन्हें रोककर गोली मार दी I गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था I

खीरी में यूपी-एमपी बॉर्डर पर जमीन के विवाद में अधेड़ की गोली मारकर हत्या, सीमा विवाद में उलझी पुलिस

प्रयागराज , एजेंसी। खीरी थाना क्षेत्र से सटे उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश सीमा पर स्थित एक खेत में बुधवार देर रात 52 साल के चंद्रकांत मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि जमीन के विवाद में गांव के बलवीर सिंह नाम के व्यक्ति ने घटना अंजाम दी और भाग निकला। घायल को एसआरएन अस्पताल भेजा गया लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। फिलहाल देर तक यह नहीं स्पष्ट हो सका कि घटनास्थल यूपी में है या एमपी जनपद में आता है। चंद्रकांत मध्य प्रदेश के चाकघाट थाना क्षेत्र स्थित कुड़री गांव के रहने वाले थे। यह गांव उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश सीमा पर स्थित है जिसमें एक तरफ कुड़री तो दूसरी तरफ खीरी थाना क्षेत्र का बहरइचा गांव है।

दोनों पक्षों में जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार देर रात 12:00 के करीब चंद्रकांत खेत में गेहूं की मड़ाई करा रहे थे। इसी दौरान वहां पर बलवीर पहुंच गया और फिर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि इसी दौरान चंद्रकांत को गोली मार दी गई। वह लहूलुहान होकर गिरे तो हमलावर भाग निकला। उधर गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर परिजन पहुंचे और फिर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई जहां से उसे रेफर कर दिया गया। इसके बाद पुलिस उसे लेकर एसआरएन अस्पताल के लिए चल दी, पर वहां पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र ने बताया कि अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि घटनास्थल खीरी थाना क्षेत्र में है या यह एमपी के चाकघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। दोनों राज्यों की पुलिस मौके पर मौजूद है और राजस्व कर्मियों को भी बुलवाया गया है। घटनास्थल खीरी थाना क्षेत्र में हुआ तो रिपोर्ट पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

काशी में पीएमः रखौना से हरहुआ तक 8 घंटे नही चलेंगे भारी वाहन, डायवर्जन लागू

वाराणसी , एजेंसी I प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को मेंहदीगंज में जनसभा को संबोधित करेंगे I उनका कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच प्रस्तावित है I तय किया गया है कि सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक रखौना से हरहुआ के बीच भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा I एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पांडेय ने आमजन से अपील की है कि ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन कर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें I

जनसभा से संबंधित वाहनों के अलावा अन्य सभी वाहनों को रखौना से हरहुआ की तरफ नहीं जाने दिया जाएगा I उन्हें मोहनसराय की तरफ डायवर्ट कर दिया जाएगा I जो वाहन रखौना से हरहुआ जाना चाहेंगे वो राजातालाब से जंसा या अकेलवा से परमपुर अंडरपास चौराहा से रिंग रोड से कोइराजपुर ओवरब्रिज होते हुए हरहुआ जा सकेंगे I हरहुआ से जो छोटे वाहन प्रयागराज जाना चाहेंगे, उन्हें हरहुआ से आगे रिंग रोड पर आने दिया जाएगा I वह कोइराजपुर ओवरब्रिज से वेलकम फैमिली रेस्टूरेंट के सामने से सर्विस रोड होते हुए परमपुर अंडरपास चौराहा से जंसा या अकेलवा होते हुये प्रयागराज जा सकते हैं I जनसभा में जाने वाले सभी वाहनों और बसों को रिंग रोड पर आने दिया जाएगा I

हरहुआ की तरफ से आने वाले जनसभा से संबंधित वाहन अपनी बाईं लेन से आकर रिंग रोड के बगल में खड़े होंगे I वहां से लोग कार्यक्रम स्थल तक पैदल जाएंगे I रखौना की तरफ से आने वाले जनसभा से संबंधित वाहन अपनी बाईं लेन से आकर रिंग रोड के बगल में होंगे I वहां से लोग कार्यक्रम स्थल तक पैदल जाएंगे I वीआईपी/ पास वाले वाहन, मंत्रीगण, उच्च पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के वाहन मेंहदीगंज नहर से रखौना की तरफ खड़े होंगे I

सीएम पोर्टल पर अधिकारी बोल रहे झूठः खराब हैंडपंप को सही बताकर किया निस्तारण, डीएम से शिकायत

अलीगढ़, एजेंसी। गांव में दो माह से खराब पड़े हैंडपंप को सही कराने के लिए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर इसकी शिकायत की थी। आरोप है कि सचिव ने हैंडपंप को सही कराने का दावा कर शिकायत का निस्तारण कर डाला। जबकि हैंडपंप अभी भी खराब है। मामले की शिकायत डीएम से की गई है।

बहरामपुर के मजरा नगला सिख निवासी जफरुद्दीन ने बताया है कि मोहल्ले का हैंडपंप लगभग दो माह से खराब था। 28 मार्च को उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 पर इसकी शिकायत की, जिसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। सात अप्रैल को मोबाइल पर शिकायत के निस्तारण का संदेश मिला तो उन्होंने जन सेवा केंद्र पर जाकर शिकायत संख्या से शिकायत की स्थिति देखी। उन्होंने बताया कि पंचायत सचिव आलोक कुमार और खंड विकास अधिकारी द्वारा हैंडपंप को सही कराने का दावा करते हुए शिकायत का निस्तारण कर दिया है।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर जिम्मेदार अधिकारी झूठ बोल रहे हैं। शिकायतकार्ता ने दोनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की है। वहीं सचिव आलोक कुमार का कहना है कि उन्होंने ग्राम प्रधान से हैंडपंप की जानकारी ली थी, जिन्होंने हैंडपंप सही कराने की बात कही। इसके बाद हैंडपंप के सही होने की रिपोर्ट भेजी गई है।

ट्राला ने पीछे से कार में मारी टक्कर, दो घायल

छिबरामऊ , एजेंसी। होटल से खाना खाकर घर जाते समय नेशनल हाईवे पर ट्राला ने आगे चल रही कार में टक्कर मार दी। ट्राला ने कार को 50 मीटर तक घसीटा। हादसे में कार सवार दो वकील भी चुटहिल हो गए। घायलों का निजी चिकित्सक के यहां इलाज कराया गया।

तहसील रोड निवासी ऋतिक पाठक एडवोकेट ने बताया कि मंगलवार को अकबरपुर के पास ढाबे पर खाना खाने गए थे। उनके साथ साथी वकील आकाश सक्सेना भी थे। रात 10 बजे लौटते समय नेशनल हाईवे पर राष्ट्रीय विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के सामने पीछे से आए ट्राला ने कार में टक्कर मार दी। ट्राला की टक्कर एवं डिवाइडर से टकराने के कारण कार क्षतिग्रस्त हो गई। पीछे से आए कोल्ड कर्मियों के साथ दोनों ने ट्राला को रोकना चाहिए पर भाग निकला। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस व हाईवे कर्मियों ने क्षतिग्रस्त कार को पूर्वी बाईपास पर खड़ा करा दिया। कोतवाल अजय अवस्थी ने बताया कि अंधेरा होने के कारण कार चालक ट्राला का नंबर नहीं देख पाए। हाईवे के सीसीटीवी कैमरे चेक कर ट्राला का पता किया जाएगा।

जेल रोड की बदहाली दूर होने में लगेगा समय

रायबरेली , एजेंसी। जेल रोड की बदहाली दूर होने में अभी और समय लगेगा। वजह, बुधवार को नगर पालिका परिषद रायबरेली की बोर्ड की बैठक में सभासदों के हंगामे और विरोध के चलते जेल रोड को लोक निर्माण विभाग को हैंडओवर करने के प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन पाई।

सभासदों ने नगर पालिकाध्यक्ष शत्रोह्न सोनकर के 50 लाख रुपये तक के कार्य कराने के एजेंडे को वापस लेने की मांग करते हुए हंगामा किया। मांग रखी कि इसे बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव रखा जाए। बाद में कोरम पूरा न होने पर बोर्ड की बैठक स्थगित कर दी गई।

सुपर मार्केट स्थित नगर पालिका परिषद रायबरेली के सभासद हाल में शाम तीन बजे पालिकाध्यक्ष शत्रोह्न सोनकर की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक शुरू हुई। बोर्ड की बैठक में 34 सभासदों ने भाग लिया। अधिशासी अधिकारी स्वर्ण सिंह बैठक का संचालन कर रहे थे। पालिकाध्यक्ष ने प्रस्ताव रखा कि जेल रोड खस्ताहाल है।

इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी होगी। सड़क की मरम्मत पर पांच करोड़ रुपये का खर्च आएगा। नगर पालिका के पास इतनी धनराशि नहीं है। इसलिए जेल रोड को लोक निर्माण विभाग को सौंपा जाना है। इस पर सभी सभासदों की सहमति जरूरी है।

सभासद सतीश कुमार मिश्र, पंकज साहू, जय प्रकाश वर्मा, संजय श्रीवास्तव, रामखेलावन बारी, कमरुद्दीन, पुष्पा यादव, मोहित सिंह, श्रवण कुमारी, सुनीता पाल, सबिस्ता बृजेश, रीता देवी, जमुना देवी, कुसुमा देवी, नूरजहां, बृजेश पांडेय, सूफियान, मो. हुसैन, सुशील धनगर, शैलेंद्र यादव, हसीना बानो, आशा सिंह आदि ने सबसे पहले पालिकाध्यक्ष के 50 लाख तक के कार्य की क्षमता कराने के एजेंडे को वापस लेने की मांग रखी। पालिकाध्यक्ष ने विरोध किया तो सभासदों ने हंगामा और प्रदर्शन किया।

यूपी में जिंदा जला ड्राइवर: ट्रक-डंपर की टक्कर के बाद लगी भीषण आग, रॉन्ग साइड बनी हादसे की वजह

मिर्जापुर , एजेंसी। मिर्जापुर-रीवा हाईवे पर बुधवार की रात धसड़ा मोड़ के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना में डंपर चालक की जलकर मौत हो गई। गेहूं से लदे ट्रक और डंपर की आमने-सामने की टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि दोनों वाहन धू-धू कर जलने लगे। लपटें दूर से देखी जा रही थीं, लेकिन कोई पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। थाना विंध्याचल के गैपुरा निवासी बब्बन बिंद (45) की मौके पर ही मौत हो गई। वह डंपर में फंसे रह गए और जिंदा जल गए। चालक की चीख सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने वाहन से निकलने की कोशिश की। आग भीषणता के चलते कोई कुछ नहीं कर सका। सूचना पर लहंगपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने डंपर के चेंबर से शव के अवशेष कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि गेहूं लदा ट्रक गलत दिशा से आ रहा था। जिससे यह दुर्घटना हुई। मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ओपी सिंह और थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने घटना की जांच पड़ताल की। आवश्यक निर्देश दिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच में जुटी। स्थानीय लोगों ने बताया कि टक्कर इतनी तेज थी कि आसपास की जमीन तक कांप उठी। डंपर देखते ही देखते आग की लपटों में घिर गया।

संपादकीय

मनोज कुमार की फिल्मों में देशभक्ति की भावना व्यापक थी

मनोज कुमार हिंदी सिनेमा के उन चंद अभिनेताओं में थे, जिन्होंने बंटवारे की त्रासदी को भोगा था। पाकिस्तान और चीन से संघर्ष के बाद निराश भारतीयों के मन में देशभक्ति की अलख जगाने का बीड़ा उठाने वाले वे अकेले कलाकार थे। उस दौर में जब भारत अपने बूते खड़ा हो रहा था, तब उन्होंने नागरिकों के मन में देश की संस्कृति और उसकी महानता पर गर्व करना सिखाया, जो आज के राष्ट्रवाद से कहीं बड़ा फलक था। उनकी फिल्मों में देशभक्ति का जज्बा उस दौर के करोड़ों दर्शकों के मन में उतरता चला गया। शायद इसीलिए कभी-कभी मनोज कुमार कहते भी थे कि देशभक्ति थोपी नहीं जानी चाहिए। दरअसल, भारतीय नागरिकों में जिस तरह की देशभक्ति वे देखना चाहते थे, उसे उन्होंने बखूबी अभिव्यक्त किया और पूरब से लेकर पश्चिम तक उन्होंने भारत की ही बात सुनाई। इस तरह एक कलाकार के रूप में राष्ट्रीय चेतना की नींव मजबूत की और देशभक्ति की धारा बहाई। उनकी फिल्म 'शहीद' को कौन भूल सकता है। मनोज कुमार जब भगत सिंह की मां से मिले, तो उन्होंने कहा था कि तुम मेरे बेटे जैसे लगते हो। मनोज कुमार की फिल्मों में देशभक्ति की भावना व्यापक थी। वह एक राष्ट्र तक सीमित नहीं थी। उसमें करोड़ों नागरिकों के दुख-सुख और उनकी भावनाएं भी जुड़ी थीं। 'उपकार' और 'पूरब पश्चिम', फिर 'क्रांति' जैसी फिल्मों ने न केवल देशवासियों, बल्कि विदेश में रहने वाले प्रवासी भारतीयों को भी झकझोर कर रख दिया था। निश्चित रूप से उनकी फिल्मों में लादी गई देशभक्ति नहीं थी। न ही मनोज कुमार उनके जरिए अपना कोई विचार या दृष्टिकोण किसी पर थोप रहे थे। उनका एकमात्र लक्ष्य था, देशभक्ति जगाना और लोगों के मन में राष्ट्र के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा पैदा करना। इसमें वे काफी हद तक कामयाब रहे। उन्होंने अपनी फिल्मों के माध्यम से सिर्फ देशभक्ति की बात नहीं की, गरीबी, बेरोजगारी, भूख और भ्रष्टाचार से बदहाली का भी चेहरा दिखाया। बाढ़ और सूखे से हलकान किसानों और कामगारों की दुर्दशा की भी बात की। इस तरह मनोज कुमार की फिल्मों में पूरे भारत की तस्वीर थी, एक राष्ट्रीय भावना थी।

संसार के कल्याण का मार्ग है महावीर के सिद्धांत

संदीप सृजन

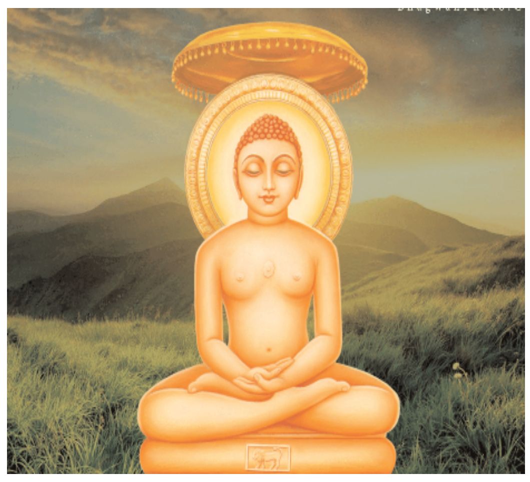

भगवान महावीर, जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर के रूप में तो धार्मिक मान्यता अनुसार संसार में पूजे ही जाते है लेकिन सही मायने में देखा जाए तो वे संसार में मानवता के सच्चे मसीहा थे । उनका जीवन और शिक्षाएं न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि सामाजिक, नैतिक और पर्यावरणीय संदर्भ में भी प्रासंगिक हैं। उनके अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य के सिद्धांत संसार के कल्याण के लिए है। महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से मानवता को आत्म-शुद्धि और शांति का मार्ग दिखाया। उनके जीवन, दर्शन और शिक्षाओं की आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिकता है।

भगवान महावीर का जन्म आज से 2624 वर्ष पूर्व (599 ईसा पूर्व) वैशाली (वर्तमान बिहार, भारत) के कुंडग्राम में हुआ था। उनके पिता सिद्धार्थ एक क्षत्रिय राजा थे और माता त्रिशला था । उनका मूल नाम वर्धमान था। बचपन से ही वर्धमान में करुणा और विचारशीलता के लक्षण दिखाई देने लगे थे। एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार, जब वे एक बार अपने मित्रों के साथ खेल रहे थे, तो एक सांप को देखकर उनके मित्र डर गए, लेकिन वर्धमान ने उसे शांतिपूर्वक उठाकर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। यह घटना उनके अहिंसक स्वभाव का प्रारंभिक संकेत थी। 30 वर्ष की आयु में, अपने माता-पिता की मृत्यु के बाद, वर्धमान ने सांसारिक जीवन का त्याग कर दिया। उन्होंने अपने भाई नंदिवर्धन से आज्ञा ली और संन्यास ग्रहण किया। इसके बाद, वे साढ़े बारह वर्षों तक कठोर तपस्या में लीन रहे। 42 वर्ष की आयु में, ऋजुबालिका नदी के तट पर उन्हें केवलज्ञान (सर्वोच्च ज्ञान) प्राप्त हुआ। केवलज्ञान प्राप्ति के बाद वे महावीर कहलाए, जिसका अर्थ है महान विजेता। अगले 30 वर्षों तक, महावीर ने भारत के विभिन्न हिस्सों में यात्रा की और अपनी शिक्षाओं का प्रचार किया। 72 वर्ष की आयु में, पावापुरी (बिहार) में उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया, जिसे जैन परंपरा में मोक्ष कहा जाता है।

महावीर का दर्शन जैन धर्म के मूल सिद्धांतों पर आधारित है, जो पांच महाव्रतों पर केंद्रित हैः अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य। ये सिद्धांत केवल संन्यासियों के लिए ही नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन जीने वालों के लिए भी अनुकरणीय हैं।

अहिंसाः महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च धर्म माना। उनके अनुसार, हिंसा केवल शारीरिक रूप में ही नहीं, बल्कि मन और वचन से भी नहीं होनी चाहिए। वे कहते थे कि प्रत्येक जीव में आत्मा निवास करती है, और हर आत्मा का सम्मान करना मानव का कर्तव्य है।

सत्यः सत्य महावीर के दर्शन का दूसरा महत्वपूर्ण स्तंभ था। वे मानते थे कि सत्य बोलना ही काफी नहीं है, बल्कि उसे जीवन में उतारना आवश्यक है।

अपरिग्रहः महावीर का अपरिग्रह का सिद्धांत आज के उपभोक्तावादी समाज के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। वे कहते थे कि आवश्यकता से अधिक संचय करना आत्मा को बंधन में डालता है। यह सिद्धांत हमें संतोष और सादगी की ओर ले जाता है।

अचौर्यः अचौर्य का अर्थ है चोरी न करना, चाहे वह भौतिक संपत्ति हो या किसी की भावनाएं। मन की वृत्ति पर नियंत्रण रखने का सूत्र है महावीर का यह सिद्धांत।

ब्रह्मचर्यः ब्रह्मचर्य का तात्पर्य इंद्रियों पर नियंत्रण और संयम से है। ये मार्ग भोग का त्याग कर योग की तरफ जाने का है। महावीर का मानना था कि ये गुण मानव को नैतिकता और आत्म-संयम की ओर ले जाते हैं।

महावीर ने कर्म सिद्धांत को जैन दर्शन का आधार बनाया। उनके अनुसार, हर क्रिया का एक परिणाम होता है, जो आत्मा को कर्मों के बंधन में जकड़ता है। इन बंधनों से मुक्ति के लिए आत्म-ज्ञान और तपस्या आवश्यक है। वे कहते थे, आत्मा स्वयं में शुद्ध और अनंत है, लेकिन अज्ञानता के कारण वह संसार में भटकती है। यह विचार व्यक्तिगत जिम्मेदारी और आत्म-निर्भरता को प्रोत्साहित करता है।

एक बार एक शिष्य ने उनसे पूछा, क्या भाग्य हमारा जीवन निर्धारित करता है? महावीर ने कहा, भाग्य तुम्हारे कर्मों का परिणाम है। अपने कर्मों को बदलो, तो भाग्य भी बदलेगा। यह सिद्धांत हमें यह सिखाता है कि हम अपने जीवन के निर्माता स्वयं हैं।

महावीर का जीवन और शिक्षाएं मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके विचारों ने भारतीय संस्कृति, समाज और दर्शन को गहराई से प्रभावित किया।

सामाजिक सुधारः महावीर ने जाति-प्रथा और सामाजिक असमानता का विरोध किया। उनके अनुसार, सभी जीव आत्मा के स्तर पर समान हैं। एक बार एक निम्न जाति के व्यक्ति ने उनसे पूछा, क्या मैं भी मोक्ष प्राप्त कर सकता हूं? महावीर ने कहा, मोक्ष जाति या वर्ण से नहीं, कर्म और ज्ञान से प्राप्त होता है। यह विचार उस समय के सामाजिक ढांचे के खिलाफ क्रांतिकारी था।

पर्यावरण संरक्षणः महावीर की अहिंसा का सिद्धांत प्रकृति और पर्यावरण तक विस्तृत था। जैन धर्म में पेड़-पौधों और सूक्ष्म जीवों की रक्षा का जोर उनकी शिक्षाओं से प्रेरित है। आज के जलवायु संकट के दौर में यह विचार अत्यंत प्रासंगिक है। वे कहते थे, प्रकृति के साथ हिंसा स्वयं के साथ हिंसा है।

शांति और करुणाः महावीर का जीवन शांति और करुणा का संदेश देता है। उन्होंने युद्ध और हिंसा का विरोध किया और लोगों को प्रेम और सहानुभूति के साथ जीने की प्रेरणा दी। उनकी यह शिक्षा विश्व शांति के लिए आज भी महत्वपूर्ण है।

महावीर की तपस्या और त्यागः महावीर की 12 वर्षों की तपस्या उनके संकल्प और आत्म-नियंत्रण का प्रतीक है। वे नंगे पांव घूमे, कांटों पर चले, गर्मी और सर्दी सहन की, और कई बार भूखे-प्यासे रहे। एक कथा के अनुसार, एक बार एक चरवाहे ने उनके कानों में कील ठोक दी, लेकिन महावीर ने क्रोध या प्रतिशोध की भावना नहीं दिखाई। उनकी यह तपस्या हमें सिखाती है कि सच्ची शक्ति बाहरी परिस्थितियों को सहन करने में नहीं, बल्कि मन को वश में करने में है।

आज के युग में, जहां हिंसा, लालच और असमानता अपने चरम पर हैं, महावीर की शिक्षाएं एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर सकती हैं। महावीर का संदेश व्यक्तिगत जीवन में संयम और नैतिकता लाता है। उनकी अपरिग्रह की शिक्षा हमें सादगी और संतोष सिखाती है, जो आज के भौतिकवादी समाज में दुर्लभ है। उदाहरण के लिए, यदि हम उनकी सलाह मानें और केवल आवश्यक वस्तुओं का उपयोग करें, तो हमारा जीवन अधिक शांतिपूर्ण और तनावमुक्त हो सकता है। उनके सिद्धांत सामाजिक न्याय और समानता की नींव रखते हैं। आज जब विश्व विभिन्न संघर्षों से जूझ रहा है, महावीर का शांति और करुणा का संदेश हमें एकजुटता की ओर ले जा सकता है। उनकी अहिंसा का सिद्धांत हमें यह सिखाता है कि हिंसा से समस्याएं हल नहीं होतीं, बल्कि संवाद और समझदारी से ही शांति संभव है।महावीर की पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता आज के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनकी शिक्षाएं हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखने की प्रेरणा देती हैं। उदाहरण के लिए, यदि हम उनके अहिंसा के सिद्धांत को अपनाएं और मांसाहार त्याग दें, तो इससे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भगवान महावीर मानवता के सच्चे मसीहा थे। उनका जीवन एक प्रकाश स्तंभ है, जो हमें अंधेरे से उजाले की ओर ले जाता है। उनकी शिक्षाएं अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य सार्वभौमिक हैं और हर धर्म, हर समाज के लिए प्रासंगिक हैं।

गालिब का पुनर्जन्म

(रमेश जोशी)

हालत कैसी है, यह बात अलग है लेकिन कागजों में सड़कें हर गांव कस्बे और घर के आगे बनी हुई हैं । नहीं है तो कागजों में देखें जरूर मिल जाएंगी ।देखें जरूर मिल जाएंगी। विस्तार से पूछ नहीं सकते क्योंकि यह डाटा प्रोटेक्शन, निजता और अंततः राष्ट्र की सुरक्षा का मामला भी हो सकता है । सो सड़क हमारे घर के ठीक सामने है, चौड़ी है और व्यस्त सड़क है । सुबह शाम तरह तरह के लोग घूमने घामने इसी रास्ते से जाते हैं । वे सभी एक दूसरे को शक्ल और कुछ गतिविधियों से पहचानते भी हैं । इन लोगों में एक गुप्ता जी भी हैं । अध्यापक रह चुके हैं भले ही गणित के लेकिन अध्यापक होने के कारण सर्वज्ञ होने का भ्रम होना स्वाभाविक है । वैसे ही जैसे हर सच्चे हिन्दू को किसी भी मस्जिद के नीचे मंदिर के अवशेष देख सकने की दिव्यदृष्टि स्वतः ही प्राप्त है ।

गुप्ता जी ने शुरु शुरु में प्राइवेट स्कूल में पढ़ाना, फिर कोचिंग सेंटर में हाथ आजमाया, घर की बैठक का दरवाजा सड़क की तरफ खोलकर गुटखा और नमकीन के पैकेट लटकाकर दुकान भी खोली । अब पूर्णतः देश और समाज की सेवा में लगे हुए हैं । वैसे आजादी के समय तो कोई खतरा नहीं था लेकिन पता नहीं किस औररंगजेब का राज्य आ गया कि अचानक हिन्दू धर्म खतरे में आ गया है । सो गुप्ता जी भी धर्म को बचाने के लिए तरह तरह की रैलियों में जाने लगे हैं । फिर भी दिन 24 घंटे का होता है । जिन्हें 20-20 घंटे और कभी कभी 24-24 घंटे काम करना पड़ता है उनकी बात और है लेकिन गुप्ता जी को समय मिल ही जाता है ।

गुप्ता जी हमारी बरामद संसद के सदस्य नहीं हैं । फिर भी हम उन्हें बैठने और बोलने का अवसर दे देते हैं । हम कोई ओम बिरला थोड़े हैं जिन पर राहुल गाँधी को न बोलने देने के राष्ट्रीय महत्व का गुरुतर दायित्व आ पड़ा हो । आज गुप्ता जी बैठते ही कहा- मास्टर जी, इजाजत हो तो एक शेर अर्ज करूँ

हमने कहा- गुप्ता जी, अब इस देश को यही देखना शेष रह गया था कि आप जैसे हर काम में गणित लगाने वाले को शायरी जैसा फालतू काम करना पड़ रहा है । खैर यहाँ न तो मानदेय है और न तालियाँ । बस, सीधे और संक्षेप में अर्ज कर दीजिए ।

बोले-हुई मुद्दत कि गुप्ता मर गया पर याद आता है वो हर इक बात पे कहना कि यूं होता तो क्या होता तोताराम जो अब तक अपने स्वभाव के विपरीत चुप बैठा था, बोल पड़ा- गुप्ता जी, चोरी और सीनाजोरी गालिब की जगह गुप्ता फिट कर दिया तो यह शेर तुम्हारा हो गया

संयोग से गालिब में चार मात्राएं और गुप्ता में भी चार मात्राएं तो फिट हो गया लेकिन बाकी क्या दुनिया जानती नहीं गुप्ता जी बोले- तोताराम जी, आप नाराज क्यों हो रहे हैं । हम अपना ही शे'र सुना रहे हैं । पिछले जन्म में हमीं गालिब थे ।तोताराम ने कहा- क्या बात करते हो मुसलमानों में न तो अवतार होते हैं और न ही पुनर्जन्म । वहां तो सब मरते रहते हैं और जब सब मर जाते हैं और सारा वेटिंग रूम भर जाता है तो नई सृष्टि बनाने से पहले खुदा सब मर चुके लगों को उनके राष्ट्रवादी वचनों के हिसाब से मंत्रालय अलोट कर देता है और फिर सृष्टि और सुशासन चल निकलते हैं।

हमने कहा- गुप्ता जी, तोताराम ठीक कहता है । मुसलमानों में पुनर्जन्म नहीं होता, इसीलिए वहां खुदा के कई कई अवतार और एक साथ कई कई पैगंबर नहीं मिलते। जैसे मोदी जी की तरह पिछले जन्म में शिवाजी थे वैसे ही यदि आप पिछले जन्म में गालिब थे तो प्रमाण दीजिए । जैसे ऑडिशा से सांसद प्रदीप पुरोहित गंधमर्दन पहाड़ी क्षेत्र के गिरिजा बाबा संत ने बताया कि देश के आज जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, वे अपने पूर्व जन्म में महाराज छत्रपति शिवाजी थे।

गुप्ता जी बोले- एक क्या कई संतों से कहलवा देंगे । यहीं से जाने कितने संत गुजरते हैं । नहीं तो हमारे साथ जेल में चले चलना वहां भी बड़े बड़े चमत्कारी संत मिल जाएंगे अगर लोकतंत्र की रक्षा के लिए अघोषित पैरोल पर कहीं प्रवचन करने नहीं गए हुए होंगे तो हमने कहा- गुप्ता जी जब आपके पक्ष में ऐसे ऐसे संतों के प्रमाण हैं तो यही उचित है कि हम मान लें कि सेल्यूलर जेल से माफी माँग कर सावरकर नहीं महात्मा गाँधी रिहा हुए थे और पटेल को 60/- रुपए महिना पेंशन मिला करती थी । -रमेश जोशी। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

वक्फ बिल के बाद पीएम मोदी का अगला एजेंडा क्या है

(सुधांशु माहेश्वरी)

मोदी सरकार ने वक्फ बिल को दोनों सदनों से पारित करवा दिया है। इस बिल का पारित होना केंद्र सरकार के लिए एक बड़ी सियासी जीत है, ऐसा भी इसलिए क्योंकि जब इससे पहले किसी बड़े रिफॉर्म को सदन में लाने की कोशिश हुई थी, पूरे देश में आंदोलन देखने को मिले, कई जगह हिंसा तक हुई, लेकिन इस बार विपक्ष ना कोई बड़ा आंदोलन खड़ा कर सका और ना ही देश में किसी तरह की कोई हिंसा हुई। हां बिल के बाद एक-दो राज्यों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

अब सवाल उठता है कि पीएम मोदी का अगला एजेंडा क्या रहने वाला है वक्फ पारित हो गया, लेकिन अब आगे सरकार और कौन से बड़े कदम उठाने वाली है, कौन से बड़े फैसले होते हुए दिख सकते हैं

एजेंडा नंबर 1- काशी-मुथरा विवाद

सरकार के एजेंडे में अब मथुरा-काशी विवाद रहने वाला है। असल में बीजेपी लंबे समय से मांग कर रही है कि वाराणसी और मथुरा में उन जगहों पर मंदिर बनना चाहिए जहां भगवान शिव और भगवान श्री कृष्ण का आधार रहा है, काशी को अगर शिव की नगरी माना गया है तो वही मथुरा को कृष्ण जन्मभूमि। हिंदू पक्ष कोर्ट में इसे लेकर सियासी लड़ाई भी लड़ रहा है, बीजेपी चाहती है कि राम मंदिर की तरह यहां भी अदालत के जरिए ही कोई समाधान निकले।

एजेंडा नंबर 2– यूनिफॉर्म सिविल कोड

पीएम मोदी के दूसरे बड़े एजेंडे की बात करें तो उसमें यूनिफॉर्म सिविल कोड का शामिल होना जरूरी है। उत्तराखंड तो पहला ऐसा राज्य बन चुका है जहां पर यूसीसी को लागू किया गया है। गृहमंत्री अमित शाह के मुताबिक आने वाले समय में भाजपा शासित दूसरे राज्यों में भी यूनिफॉर्म सिविल कोड आ सकता है, गुजरात में भी इसकी एक रूपरेखा तैयार कर ली गई है। अब यूनिफॉर्म सिविल कोड को बीजेपी तो अपने वैचारिक और राजनीतिक एजेंडे का एक अहम हिस्सा मानती है, लेकिन विपक्ष का कहना है कि यूसीसी की वजह से देश का लोकतांत्रिक ढांचा कमजोर होगा।

एजेंडा नंबर 3- एनआरसी का आना-नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजंस को लेकर भी मोदी सरकार का स्टैंड एकदम स्पष्ट है। गृहमंत्री अमित शाह 2020 में लोकसभा में कह चुके हैं कि पूरे देश में एनआरसी लागू किया जाएगा। यह अलग बात है कि असम अभी एक मात्र ऐसा राज्य है जहां पर नेशनल रजिस्टर आफ सिटीजंस लागू किया गया है। यहां पर समझने वाली बात यह है कि 2013 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद ही एनआरसी की प्रक्रिया को शुरू किया गया था। एनआरसी के जरिए देश के वैद्य नागरिकों के नाम और उनकी पहचान से संबंधित जानकारी हासिल की जाएगी। इसके जरिए आसानी से अवैध प्रवासियों की पहचान हो पाएगी और फिर उन्हें देश से बाहर निकला जाएगा। विपक्ष एनआरसी को लेकर भी काफी असहज है और इसे मुसलमानों के खिलाफ मानता है। पश्चिम बंगाल में तो कई मौकों पर बीजेपी और टीएमसी के बीच में इस मुद्दे पर तकरार देखने को मिल चुकी है। (यल विचार लेखक के अपने हैं)

अपने गिरेबां में झांके मुस्लिम रहनुमा

फरमान अली

केंद्र की भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली राजग सरकार ने संशोधित वक्फ बोर्ड बिल पास कर दिया और राष्ट्रपति ने उसको मंजूरी भी दे दी। अब केंद्र सरकार जब चाहे इस बिल को देशभर में लागू कर सकती है। इस बिल के क्या फायदे होंगे क्या नुकसान होगा यह बात इतर है ,लेकिन इस ऐतिहासिक कदम के बाद उन मुस्लिम रहनुमाओं को अपने गिरेबां में झांकना होगा कि आखिर केंद्र सरकार को यह कदम क्यों उठाना पड़ा? वक्फ बोर्ड की भूमि की बंदरबाट, भ्रष्टाचार और कुछेक परिवारों का कब्जा इसकी प्रमुख है। आज वक्फ बोर्ड की हजारों एकड़ जमीन अदालती झमेलों में फंसी है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? इस विकट स्थिति के लिए आखिरकार कौन जिम्मेदार है। अब यह सवाल तो उठेगा ही और रहनुमाओं को जवाब देना चाहिए।

संशोधित बिल पास होने के बाद जहां सुप्रीम कोर्ट में धड़ाधड़ याचिकाएं डाली जा रही हैं, वही एक हारे हुए जुआरी की तरह मुस्लिम रहनुमा भी केवल और केवल खोखली बयानबाजी कर रहे हैं। साथ ही कथित तौर पर उनके रहनुमा कहे जाने वाले राजनीतिक दलों के नेता क्यों चुप्पी साधे हुए हैं। यह सवाल भी देश पूछ रहा है।

इस बिल का क्या असर होगा? क्या आम मुसलमान को इसका लाभ मिल पाएगा ? अभी हम इस बहस पर नहीं जाना चाहते लेकिन हमारा मानना है कि मुसलमान वक्फ प्रॉपर्टी के केयरटेकरों को इस पर गंभीरता से सोचना होगा। पिछले सैकड़ों सालों के दौरान वक्फ संपत्ति के साथ ये लोग कितना इंसाफ कर पाए हैं? यह किसी से छुपा नहीं है। उनके बुजुर्गों ने समाज लिए जो जमीन और अपनी कीमती संपत्ति वक्फ की थी, उनका क्या मकसद था ? क्या इन केयरटेकरों ने उनके मकसद के हिसाब से आम लोगों को या आम मुसलमान को उनका हक देने की कभी कोशिश की या फिर माफिया या बड़े पैसे वालों को वक्फ की संपत्ति चंद पैसों में लेकर सौंप देने का काम किया? अब सरकार ने एक कदम उठाया तो ये लोग क्यों लोग बिलबिला रहे हैं। क्या इन लोगों को पहले नहीं सोचना चाहिए था कि आखिर वक्फ की संपत्ति की बंदरबांट क्यों हो रही है? मुसलमान की शिक्षा और बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के लिए आखिर इन लोगों ने काम क्यों नहीं किया किया।

वक्फ संपत्ति का बंदरबाट करना या फिर अपने परिवार के लोगों का लालन-पोषण करना ही इनका मकसद रह गया था? यह बहुत बड़ा सवाल है। इस सवाल का जवाब आज समुदाय की जनता को इन लोगों को देना होगा। आखिर क्यों इस्लामी सिद्धांतों के मुताबिक यह लोग यह इंसाफ नहीं कर पाए। यह बेहद गंभीर मामला है । आगे इस तरह के मसले ना हों तो मुस्लिम रहनमाओं को अब इस पर पहल करनी होगी। गंभीरता दिखानी होगी और गंभीर मंथन करना होगा। हूबहू इस्लाम में जो मकसद इस तरह के मामलों में दिया गया ,उसके अनुरूप काम करना होगा। यदि यह लोग ऐसा करते तो शायद वक्फ संशोधन बिल की आवश्यकता नहीं पड़ती।

हम यह नहीं कहते कि इसको लेकर सरकार की मंशा अच्छी है या बुरी। यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा, लेकिन कहीं ना कहीं तो गड़बड़, भ्रष्टाचार और घोटाले थे और इस गड़बड़ी के विरोध में आज तक कोई भी रहनुमा क्यों नहीं आगेआया । सबसे बड़ा सवाल यही है।

आम मुसलमानों को भी इस पर पैनी नजर रखनी होगी। उन्हें रहनुमाओं से सवाल करने होंगे। न कि इस्लाम के नाम पर उनके समर्थन में हां में हां मिलानी होगी। आम लोगों को इस पर सवाल करना चाहिए कि आखिर इसकी नौबत क्यों आई ? आगे उनकी क्या मंशा है? (लेखक, हिन्दस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

गर्मियों में क्या खाएं और क्या नहीं इन चीजों को खा रहे तो हो जाएं सावधान

(सोनू गुप्ता)

गर्मी के मौसम में बार-बार डिहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है, जिसके कारण कई बार इम्यूनिटी भी कमजोर हो जाती है। इस मौसम में पाचन संबंधी कई तरह की परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में आपको गर्मी में कई तरह की चीजों से परहेज करना चाहिए।

पूरे देश में गर्मी काफी तेजी से बढ़ रही है। कई जगहों पर तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। ऐसे में इस मौसम में खान-पान पर भी काफी ध्यान रखना पड़ता है। कुछ लोगों की आदत खाना बाहर खाने की होती है। ऐसे में उन्हें कई तरह की परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है।

गर्मी के मौसम में बार-बार डिहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है, जिसके कारण कई बार इम्यूनिटी भी कमजोर हो जाती है। इस मौसम में पाचन संबंधी कई तरह की परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में इस लेख में हम आपको बताएंगे कि गर्मी के मौसम में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं।

भारी और ऑयली खाना

गर्मी के मौसम में भारी खाना कभी नहीं खाना चाहिए। अगर आप हमेशा ऑयली खाना खाते हैं तो आपको इससे बचना चाहिए। पूरी, पराठा, समोसा, पकोड़ इत्यादि इन सबको खाने से पाचन काफी स्लो हो जाता है, जिससे कई बार बीमार होने का भी डर बना रहता है।

मसालेदार और तीखा भोजन से करें परहेज

गर्मी में मसालेदार और तीखा भोजन से परहेज करना चाहिए। अधिक मसाले वाले और मिर्च वाले भोजन शरीर की गर्मी को बढ़ा देते हैं, जिससे पेट संबंधी कई तरह की परेशानी होने लगती है।

अधिक शुगर का सेवन न करें

इस मौसम में कोल्ड ड्रिंक्स, चाय, कॉफी और शराब का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल, इन सब के सेवन से डिहाइड्रेशन होने लगता है। ऐसे में इसको इस मौसम में बिल्कुल नहीं पीना चाहिए।

गर्मी में क्या खाएं

गर्मी में तरबूज, खरबूजा, आम, खीरा जैसे मौसमी फल को आप खा सकते हैं। आप दही छाछ, नारियल पानी को भी ले सकते हैं। इससे बॉडी में डिहाइड्रेशन नहीं होती है। नींबू पानी, बेल का शरबत, सत्तू भी बॉडी के लिए बेहतर होता है।

पके कटहल से दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

हार्ट के साथ-साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद होगी ये एक्सरसाइज

कोई भी बीमारी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। इन दिनों खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अच्छी डाइट और व्यायाम करना बहुत ही जरुरी है। एक्सरसाइज करने से आपका शरीर एकदम फूर्तीला रहता है और आप बीमारियों से भी दूर रहेंगे। आज आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज बताएंगे जो आपके हार्ट के साथ-साथ आपके स्वस्थ शरीर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होगी। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में.

कार्डियो एक्सरसाइज करें

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप कार्डियो एक्सरसाइज को अपनी डेली रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इसमें जॉगिंग, साइकिलिंग और वॉक भी शामिल हैं। इससे आपके हृदय की गति तेज होगी और साथ में हृदय की मांसपेशियों की भी एक्सरसाइज होगी।

स्ट्रेचिंग और वेट लिफ्टिंग

आप अच्छे स्वास्थ्य और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्रेचिंग करने से आपके शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज करने से आपका वजन कंट्रोल में रहता है और शरीर में ताकत भी आती है। वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज में आप पुशअप्स, स्क्वैट्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज को अपनी रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

जंपिंग जैक एक्सरसाइज करें

जंपिंग जैक एक्सरसाइज आपके हेल्दी हार्ट के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इससे आपका हृदय स्वस्थ रहता है। इससे हृदय की गति भी बहुत अच्छे से होती है।

- सबसे पहले आप सीधे खड़े हो जाएं।
- इसके बाद ऊपर की ओर उछलें और अपने हाथों को भी ऊपर उठा लें।
- हाथ उठाने के बाद पैरों को भी फैला लें।
- ऐसे ही 10-15 मिनट तक करें और फिर नीचे नार्मल पॉजिशन में आ जाएं।

हर्डल जंप करें

आप हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप हर्डल जंप एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। इसमें आप किसी हर्डल को लेकर उसके ऊपर से जंप करें। आप डंबल, बॉक्य या फिर किसी स्टेपर का हर्डल के रुप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन चीजों को आप उछल कर पार करें। इस एक्सरसाइज से आपकी हार्ट बीट तेज होगी। हार्ट बीट तेज होने से आपका दिल मजबूत बनेगा।

बर्पी एक्सरसाइज करें

बर्पी एक्सरसाइज आपकी बाजुओं , टांगों और छाती के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इस एक्सरसाइज में स्क्वाट, पुशअप, जंपिंग तीनों चीजें एकसाथ की जाती है। यह तीनों एक्सरसाइज आपको एक सैट में ही करनी पड़ती हैं। इस एक्सरसाइज से आपकी हृदय गति तेज होगी और दिल की धड़कन एकदम नॉर्मल हो जाएगी।

गर्मी में रखें अपनी आंखों को सुरक्षित

पूरे भारत में गर्मी का हाल बेहाल है। बढ़ती गर्मी के कारण व्यक्ति कई प्रकार की बीमारियों का शिकार हो रहा है। इनमें मुख्य है त्वचा सम्बन्धी रोग और दूसरा है नेत्र सम्बन्धी रोग। दिन-ब-दिन तापमान बढ़ता जा रहा है और भीषण गर्मी असहनीय होती जा रही है। ऐसे में लोग गर्मी से अपना बचाव करते हैं। हम अपने शरीर को ऊपर से नीचे तक कपड़े और सनस्क्रीन से ढक सकते हैं, लेकिन हमारी आंखों को हम सुरक्षित नहीं कर पाते। गर्मी की वजह से शरीर से ज्यादा तकलीफ हमारी आँखों को होती है। आंखें न केवल हानिकारक यूवी किरणों के सम्पर्क में आती हैं बल्कि गन्दगी, प्रदूषण से भी प्रभावित होती हैं। हम कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिनका उपयोग करके वे अपनी आँखों को इस भीषण गर्मी में संक्रमित होने से बचा सकते हैं।

धूप का चश्मा

जिस तरह आप अपने शरीर को कपड़ों से ढकते हैं, दस्ताने से लेकर टोपी तक, उसी तरह आपकी आंखों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। अपने घर से बाहर निकलते समय, यूवी किरणों को सीधे अपनी आंखों में प्रवेश करने से रोकने के लिए आपको सन ग्लास अर्थात धूप का चश्मा अपनी आँखों पर लगाना चाहिए।

कम से कम 8 घंटे सोएँ

गर्मी के दिनों में प्रयास करके अपनी आंखों को पूरा आराम दें। इसके लिए जरूरी है कि आप कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें। आठ घंटे की नींद लेने न केवल आपकी आँखें पूरी तरह से सुरक्षित रहती हैं अपितु यह आपके शरीर को भी पूरा आराम प्रदान करता है। साथ ही आपके इम्युनिटी पावर को भी बरकरार रखता है।

ठंडे पानी से बार बार आंखें धोएं

अपनी आंखों को ठंडा रखने के लिए उन्हें ठंडे पानी से बार-बार धोने की कोशिश करें। ठंडा पानी आंखों से गर्मी को दूर करने में मदद करता है और उन्हें बेहतर महसूस कराता है। अपनी आंखों को लुब्रिकेट करें हमारी आंखें नमी खो देती हैं और सूखी और खुजलीदार हो जाती हैं। ऐसे में ढेर सारा पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखना चाहिए। जो लोग ऑफिस में लगातार कम्प्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं उन्हें अपनी आँखों को लेकर संजीदगी बरतनी चाहिए। उन्हें कम्प्यूटर पर काम शुरू करने से पहले अपनी आँखों को आई ड्रॉप्स से धोना चाहिए। आठ से दस घंटे लगातार कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों को ऐसा कम से कम 3 बार करना चाहिए। आँखों में आई ड्रॉप्स डालने से आँखों की चिकनाई बरकरार रहती है।

आंखों पर सनस्क्रीन का प्रयोग करने से बचें

अधिकांश युवा अपने चेहरे को सन स्क्रीन से बचाने के लिए क्रीम का प्रयोग करते हैं। इस क्रीम को लगाते वक्त वे उसको पलकों और भौंह पर भी लगा देते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं तो यह गलत है। आपको अपनी पलकों या आँखों पर सनस्क्रीन लगाने से बचाव करना चाहिए, क्योंकि इससे वे लाल और खुजलीदार हो सकते हैं।

नुकसानदेह भी है सरसों

भारतीय खानों में अक्सर सरसों के तेल के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सरसों का तेल भारतीय मौसम के हिसाब से सेहत और सुंदरता के लिए फायदेमंद माना जाता है। यहां तक कि आयुर्वेद में भी सरसों के तेल का इस्तेमाल कई दवाइयों और उपचार में किया जाता है। सरसों के बारे में हर कोई जानता है। यह भारतीय किचन में मसाले के रूप में उपयोग होने वाली मुख्य सामग्री है। इसका इस्तेमाल अक्सर किसी खास रेसिपी बनाने या तड़का लगाने के लिए किया जाता है। इतना ही नहीं सरसों के तेल का इस्तेमाल भी भारतीय घरों में खूब होता है। बेहतरीन स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के लिए लोग अलग-अलग तरह से इसका उपयोग करते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, चाहे वह सरसों का तेल हो, पेस्ट हो या फिर कच्ची पत्तियां सभी हेल्दी मिनरल्स से भरपूर हैं। यह ओमेगा 3 फैटी एसिड का भी बेहतरीन स्त्रोत है और इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा सरसों का सेवन करते हैं, तो इससे स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है। कई स्थितियों में यह जानलेवा तक साबित हो सकती है। अगर आप भी लंबे समय से सरसों के तेल या बीज का सेवन कर रहे हैं, तो आपको इसके साइड इफेक्ट्स के बारे में जरूर जानना चाहिए।

राइनाइटिस का खतरा

सरसों के तेल के लगातार सेवन से कई लोगों को राइनाइटिस हो सकता है। राइनाइटिस में बलगम की झिल्ली में सूजन हो जाती है, जिससे खांसी, छींकना, भरी हुई नाक, नाक से पानी बहाना जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं।

लंग कैंसर के लिए जिम्मेदार

सरसों के तेल में पाया जाने वाला इरूसिक एसिड फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाता है।

ड्रॉप्सी रोग

ड्रॉप्सी एक खतरनाक रोग है। यह रोग तेल में पूड़ी, कचौड़ी और पकवान बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए सरसों के तेल में अर्जीमोन तेल के मिलावट, सायनाइड के मिलावट के कारण ड्रॉप्सी की संभावना ज्यादा रहती है। इसका उपयोग करने से गुर्दे, हृदय, आदि अंग कमजोर हो जाते हैं। इससे सादा पानी भी पचता नहीं है और शरीर में दूषित पानी जमा होने लगता है, जिससे पेट फूलने की शिकायत होती है। इस रोग से ग्रसित व्यक्ति के हाथ पैर फूल जाते हैं।

एलर्जी की समस्या

अगर आप अपने खाने में अधिक मात्रा में सरसों के दाने या तेल का सेवन करते हैं, तो एलर्जी हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि सरसों से होने वाली एलर्जी सबसे गंभीर एलर्जी में से एक है। दरअसल, इसके सेवन से हिस्टामाइन में वृद्धि के साथ एनाफिलेक्टिक शॉक भी हो सकता है। पित्ती और त्वचा पर दाने, सांस फूलना, चक्कर आना, उल्टी, गले, चेहरे और आंखों में सूजन इसके मुख्य लक्षण हैं।

दिल के रोग का खतरा

आज भी कई घरों में सरसों के तेल में खाना बनाया जाता है। लेकिन सच मानिए तो हर दिन इसका इस्तेमाल दिल की सेहत के लिए अच्छा नहीं है। क्योंकि इसमें इरूसिक एसिड बहुत ज्यादा होता है, जो दिल के लिए खतरा पैदा करता है। सरसों के अधिक उपयोग से मायोकार्डियल पिलिडोसिस की समस्या हो सकती है। जिसमें ट्राइग्लिसराइड के बनने के कारण हृदय की मांसपेशियों के मायोकार्डियल फाइबर में फाइब्रॉटिक घाव विकसित होते हैं। जो हृदय की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाने के साथ हार्ट फेलियर के लिए भी जिम्मेदार होते हैं।

आर्थराइटिस पेन को गठिया का दर्द भी कहा जाता है। जिसे कम करने के लिए कुछ चीजों का सेवन करना चाहिए। शोधों में इन फूड्स को दर्द और इंफ्लामेशन से छुटकारा दिलाने वाला पाया गया है।

जड़ से खत्म होगा गठिया का दर्द

बुढ़ापे के साथ जोड़ों का दर्द भी आना आम बात है। इस रोग को गठिया या आर्थराइटिस भी कहा जाता है। उम्र के साथ घुटनों, कोहनी आदि हड्डी के जोड़ों की मूवमेंट कम होने लगती है और इंफ्लामेशन बढ़ने लगती है। जिसकी वजह से सूजन, दर्द, अकड़न जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इस बीमारी में कुछ एंटी-इंफ्लामेटरी फूड्स रामबाण साबित हो सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों में दर्द को कम करने वाली शक्ति होती है। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों को इन चीजों का सेवन जरूर करवाएं।

सेब है गठिया का इलाज

सेब खाकर गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है। क्योंकि, इसे मोटापे से आई सूजन व इंफ्लामेशन को कम करने में मददगार देखा गया है। जिससे मोटापे के शिकार लोगों में जोड़ों के दर्द में भी कमी देखी गई।

खाने में अच्छी तरह डालें अदरक और हल्दी

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में कई रोगों की दवा माना जाता है। क्योंकि यह एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों का भंडार हैं। इन्हें औषधि या भोजन के रूप में लेने पर दर्द, सूजन आदि लक्षणों से राहत पाई जा सकती है।

मशरूम है लाभदायक

मशरूम के अंदर फेनोलिक, इंडोलिक, मायकोस्टेरोइड्स, फैटी एसिड, कैरोटेनोइड्स, विटामिन और बायोमेटल जैसे कई सारे एंटी-इंफ्लामेटरी कंपाउंड होते हैं। यह सभी तत्व आर्थराइटिस के इलाज में मदद करते हैं।

स्ट्रॉबेरी, क्रैनबेरी, ब्लैकबेरी

सभी बेरीज में विटामिन सी और अन्य एटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है। आर्थराइटिस फाउंडेशन के मुताबिक, इनमें गठिया से लड़ने वाले गुण होते हैं।

अनार खाने के फायदे

अनार के अंदर टैनिन काफी मात्रा में होते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। जो घुटनों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसलिए गठिया के मरीजों के लिए इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति मुर्मू ने स्लोवाकिया से संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदारी का अनुरोध किया

ब्रातीस्लावा, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में कहा कि भारत और स्लोवाकिया के पास फिल्म निर्माण और बढ़ते मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग में अपने सहयोग को मजबूत करने के महत्वपूर्ण अवसर हैं। दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आई मुर्मू ने स्लोवाकिया के अपने समकक्ष राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ चर्चा में स्लोवाकिया को एक से चार मई तक मुंबई में भारत द्वारा आयोजित आगामी 'वेव' शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट' (वेव्स) भारतीय कलाकारों को सामग्री तैयार करने और उसे वैश्विक बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू ने स्लोवाकिया को फिल्मांकन गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। स्लोवाकिया हॉलीवुड निर्माताओं का पसंदीदा स्थान रहा है, लेकिन भारतीय फिल्म उद्योग ने 2019 में 'हाई टाट्रा पर्वतीय क्षेत्र' की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया, जब अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म 'चेहरे' की शूटिंग यहां हुई। भारत के राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत के तेजी से बढ़ते मीडिया, मनोरंजन और रचनात्मक अर्थव्यवस्था क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक निकटता से सहयोग करने की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें स्लोवाकिया को फिल्म शूटिंग का गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देना शामिल है।'' पेलेग्रिनी ने शाम में राष्ट्रपति मुर्मू के सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन किया।

पाकिस्तान में मजहबी शोधार्थी की गोली मारकर हत्या

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने एक मजहबी शोधार्थी कारी ऐजाज आबिद की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कारी ऐजाज आबिद अहले-ए-सुन्नत वल जमात और इंटरनेशनल खत्म-ए-नबुव्वत मूवमेंट के प्रमुख थे। उन्हें सोमवार को खैबर जिले से सटे पश्त खारा इलाके में निशाना बनाया गया था। गंभीर रूप से घायल आबिद की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि हमले में उनका साथी कारी शाहिदुल्लाह भी घायल हुआ है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, यह लक्षित हत्या का मामला प्रतीत होता है। मौके से 30 बोर की गोली के कई खोखे बरामद हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में आतंकवाद की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

यमन में संदिग्ध अमेरिकी हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए: हूती विद्रोही

सना, एजेंसी। यमन में अमेरिका के संदिग्ध हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए, जबकि इससे एक दिन पहले हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने यह जानकारी दी है। इस बीच विद्रोहियों ने तस्वीरें जारी करके एक और अमेरिकी 'एमक्यू-9 रीपर ड्रोन' को मार गिराने का दावा किया। विद्रोहियों ने कहा कि मंगलवार रात होदेदा के अल-हवाक जिले में हुए हमलों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य 15 लोग घायल हो गए, मारे गए लोगों में से अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। विद्रोहियों के 'अल-मसीरा सैटेलाइट न्यूज़ चैनल' द्वारा प्रसारित फुटेज में लोगों को घायलों को एम्बुलेंस तक ले जाए जाते तथा बचावकर्मी अपने मोबाइल फोन की रोशनी में घायलों की खोज करते दिखाई दिए। हूती विद्रोहियों के अनुसार राजधानी सना के दक्षिण में अल-सबीन जिले को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए।

महंगाई का नया हमला ! दवाएं, ऊर्जा स्रोत और रसायन की कीमतें छूएंगी आसमान

वाशिंगटन एजेंसी।
अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से चल रही आर्थिक खींचतान एक बार फिर चर्चा में है। इस बार अमेरिका ने बड़ा कदम उठाते हुए चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर टैरिफ यानी आयात शुल्क 125 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। इस निर्णय का मकसद घरेलू कंपनियों को बढ़ावा देना और चीन पर बढ़ती निर्भरता को कम करना बताया जा रहा है। लेकिन इस फैसले का असर केवल चीन ही नहीं बल्कि अमेरिका के आम उपभोक्ता और वैश्विक बाजार पर भी पड़ सकता है। चीन से अमेरिका को भारी मात्रा में सस्ते उत्पादों की आपूर्ति होती है। इनमें स्मार्टफोन, कंप्यूटर, वीडियो गेम, लिथियम बैटरी, फर्नीचर, कपड़े, जूते, खिलौने और मेडिकल उपकरण शामिल हैं। टैरिफ बढ़ने से इन उत्पादों की कीमत अमेरिका में काफी बढ़ सकती है। इसका सीधा असर वहां के आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा क्योंकि उन्हें अब वही सामान महंगे दामों में खरीदने पड़ेंगे। इससे अमेरिका में महंगाई का दबाव और तेज हो सकता है।

चीन क्या बेचता है अमेरिका को?

चीन, अमेरिका का एक बड़ा निर्यातक है। अमेरिकी बाजार में रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले बहुत सारे सामान चीन से आते हैं। इनमें खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक से बने उत्पाद, फर्नीचर, कपड़े, सजावटी सामान और खिलौने शामिल हैं। इसके अलावा चिकित्सा उपकरण और वाहन पुर्जे भी चीन से बड़ी संख्या में अमेरिका में निर्यात किए जाते हैं। इन सभी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ने से अमेरिका में इनकी कीमत बढ़ेगी, जिससे वहां की खपत पर असर पड़ सकता है। यह व्यापार एकतरफा नहीं है। चीन भी अमेरिका से कई अहम चीजें खरीदता है, जैसे कृषि उत्पाद, औद्योगिक मशीनें, दवाएं, ऊर्जा स्रोत और रसायन। चीन अमेरिका से स्क्रैप कॉपर, एथिलीन पॉलिमर, एसाइक्लिक हाइड्रोकार्बन जैसे तकनीकी उत्पाद भी मंगाता है। अगर चीन जवाबी कार्रवाई में अमेरिका से आने वाले इन उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाता है, तो अमेरिका की टेक्नोलॉजी और एग्रीकल्चर कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

2024 में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार घाटा 295.4 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो 2023 की तुलना में 5.8 प्रतिशत अधिक है। अमेरिका से चीन को होने वाले निर्यात में 2.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि चीन से आयात में 2.8 प्रतिशत की बढ़त रही। यह दर्शाता है कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक असंतुलन लगातार गहराता जा रहा है। ऐसे में टैरिफ युद्ध से स्थिति और बिगड़ सकती है।

टैरिफ बढ़ने से न केवल अमेरिका और चीन के बीच व्यापार प्रभावित होगा, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। वैश्विक सप्लाई चेन यानी आपूर्ति श्रृंखला टूट सकती है, निवेशकों का भरोसा डगमगा सकता है और छोटे देशों को आर्थिक झटके लग सकते हैं। दुनिया पहले ही कई आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे में यह नया विवाद वैश्विक स्थिरता को और कमजोर कर सकता है। टैरिफ युद्ध का असर अमेरिका और चीन दोनों देशों की कंपनियों और उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। जहां अमेरिकी उपभोक्ताओं को महंगे उत्पाद झेलने पड़ेंगे, वहीं चीनी निर्यातकों की आमदनी में भी गिरावट आ सकती है। अमेरिकी कंपनियों को अब नए बाजार और वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता ढूंढ़ने पड़ सकते हैं।

नाइट क्लब की छत गिरने से अब तक 184 लोगों की मौत

सांतो डोमिंगो।
डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सांतो डोमिंगो में एक प्रसिद्ध नाइटक्लब की छत गिरने से अब तक 184 लोगों की मौत हो चुकी है और 200 से अधिक लोग घायल हो गए हैं।

यह हादसा मंगलवार को हुआ था, जब क्लब में लोग म्यूजिक के साथ डांस कर रहे थे। कई लोग अभी भी लापता हैं और उनके परिवारों के सदस्य शवों की पहचान करने के लिए श्मशानगृह के बाहर इंतजार कर रहे हैं।

विक्टिम्स और प्रभावित लोग

हादसे में मारे गए लोगों में कई मशहूर शख्सियतें भी शामिल हैं, जैसे मेरेन्गे गायक रुबी पेरेज़ और पूर्व स्लग्ग पिचर ओक्टेवियो डोटेल। सरकारी अधिकारियों ने शवों की पहचान के लिए श्मशानगृह में नाम पढ़ने की प्रक्रिया शुरू की है। कई परिवारों ने अपने रिश्तेदारों को ढूंढने के लिए अस्पतालों का दौरा किया, लेकिन कई लाशें अब तक पहचान में नहीं आई हैं।

स्थानीय अधिकारियों ने राहत कार्य तेज कर दिया है, जिसमें अमेरिका और इज़राइल से बचाव दल भी शामिल हैं। हालांकि, डोमिनिकन स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 20 से अधिक घायल अस्पताल में भर्ती हैं और उनमें से आठ की हालत गंभीर है। इस त्रासदी के कारण डोमिनिकन गणराज्य में शोक की लहर है और सरकार ने पीड़ितों के परिवारों को मानसिक सहायता देने के लिए एक आयोग भी गठित किया है।

चंद्रमा के दूरदराज के हिस्से की मिट्टी में पृथ्वी वाले हिस्से की तुलना में शुष्कता के संकेत

लन्दन, एजेंसी। 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि कम नमूने होने के कारण अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह शुष्क स्थिति कितनी व्यापक है। इसमें कहा गया है कि अभी और नमूनों पर अध्ययन किए जाने की जरूरत है।

चीन के वैज्ञानिकों ने बुधवार को बताया कि चंद्रमा के सुदूर भाग से प्राप्त मिट्टी और चट्टानों से संकेत मिलते हैं कि वह हिस्सा पृथ्वी की ओर वाले हिस्से की तुलना में अधिक शुष्क हो सकता है।

वैज्ञानिकों ने हालांकि कहा कि स्पष्ट तस्वीर के लिए और अधिक नमूनों की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि चंद्र आवरण में पानी की प्रचुरता यह समझाने में मदद कर सकती है कि चंद्रमा कैसे विकसित हुआ। पिछले साल चीन चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उतरने वाला पहला देश बन गया था। अंतरिक्ष यान 'चांग ई 6' ने दक्षिण ध्रुव-'ऐटकेन बेसिन' से ज्वालामुखीय चट्टान और मिट्टी को निकाला था। 'चीनी विज्ञान अकादमी' के सेन हू ने बताया कि उन्होंने और उनकी टीम ने पांच ग्राम मिट्टी के नमूने लिए और फिर विस्तृत विश्लेषण के लिए इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की मदद से 578 कणों का चयन किया। उन्होंने बताया कि चंद्रमा के निकटवर्ती भाग से पिछले दशकों में एकत्र किए गए नमूनों की तुलना में इनमें पानी की प्रचुरता 1.5 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम से भी कम है। निकटवर्ती भाग से लिए गए नमूनों में यह मात्रा एक माइक्रोग्राम से लेकर 200 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम के बीच है। 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि कम नमूने होने के कारण अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह शुष्क स्थिति कितनी व्यापक है। इसमें कहा गया है कि अभी और नमूनों पर अध्ययन किए जाने की जरूरत है।

2030 तक आ सकता है इंसानों जैसा एआई

गूगल डीपमाइंड ने मानवता के खात्मे की दी चेतावनी

वाशिंगटन एजेंसी।
भविष्य में इंसानों जैसी सोचने-समझने वाली आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस विकसित हो सकती है और यह इंसानियत के लिए स्थायी खतरा भी बन सकती है।

यह बात गूगल की एआई रिसर्च यूनिट डीपमाइंड के नए रिसर्च पेपर में कही गई है। रिसर्च में दावा किया गया है कि एजीआई साल 2030 तक विकसित हो सकती है, और यदि इसे सही तरीके से नियंत्रित नहीं किया गया तो यह मानव जाति को हमेशा के लिए समाप्त कर सकती है।

डीपमाइंड की रिपोर्ट में बताया गया है कि एजीआई का समाज पर भारी असर हो सकता है और इसके कारण गंभीर नुकसान या अस्तित्व का संकट खड़ा हो सकता है। हालांकि, यह रिपोर्ट यह नहीं बताती कि एजीआई कैसे मानवता का अंत करेगी, बल्कि यह एहतियाती उपायों और सुरक्षा रणनीतियों पर ध्यान देती है। दुरुपयोग- गलत लोगों द्वारा एआई का गलत उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल। विचारों में अंतर- एआई के उद्देश्यों का इंसानों से मेल न खाना। गलतियां- सिस्टम की तकनीकी या नैतिक चूक। संरचनात्मक खतरे- समाज के ढांचे पर प्रभाव। डीपमाइंड का मानना है

कि एजीआई के खतरे को नियंत्रित करने के लिए अभी से तैयारी जरूरी है, ताकि यह मानवता के लिए फायदेमंद साबित हो।

डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हासाबिस ने फरवरी में कहा था कि एजीआई अगले 5 से 10 सालों में अस्तित्व में आ सकती है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि एजीआई के विकास और नियंत्रण के लिए एक संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन की जरूरत है।

सर्न जैसी वैश्विक रिसर्च संस्था, जो एजीआई के विकास को सुरक्षित बनाए। एक यूए जैसी सुपरवाइजरी बॉडी, जो एजीआई के प्रयोग और नियंत्रण पर नीति बनाए।

आम एआई सिर्फ एक खास टास्क को करने में माहिर होती है (जैसे चैटबॉट, सर्च इंजन आदि)। एजीआई यानी आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस वह तकनीक होगी जो मनुष्यों की तरह सोच, समझ, सीख और निर्णय ले सकेगी।

यह किसी एक काम तक सीमित नहीं होगी, बल्कि हर क्षेत्र में इंसानों जैसी क्षमता रखेगी।

सऊदी अरब में 14 नई जगहों पर तेल और प्राकृतिक गैस के भंडार मिले

दुबई, एजेंसी।
सऊदी तेल कंपनी अरामको ने देश के पूर्वी क्षेत्र और खाली क्वार्टर में 14 तेल और प्राकृतिक गैस क्षेत्रों और तेल भंडार की खोज की है। राज्य समाचार एजेंसी एसपीए ने बुधवार को कहा कि ये भंडार भले ही संख्या में अधिक हैं, लेकिन उनमें गैस और तेल की मात्रा कम हैं। घोषणा के अनुसार, छह क्षेत्रों और दो रिजर्वायर में विभिन्न ग्रेड के अरब तेल पाए गए, जिनकी कुल मात्रा 8,126 बैरल प्रतिदिन है।

गणना से पता चलता है कि दो क्षेत्रों और चार जलाशयों से प्राकृतिक गैस की खोज कुल 80.5 मिलियन मानक क्यूबिक फीट प्रति दिन (एससीएफडी) थी। तेल क्षेत्रों और जलाशयों से संबद्ध गैस 2.11 मिलियन एससीएफडी तक पहुंच गई। उत्पादक समूह ओपेक की मार्च की रिपोर्ट में द्वितीयक स्रोतों के अनुसार, दुनिया के शीर्ष तेल निर्यातक राज्य ने

फरवरी में लगभग 9 मिलियन बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का उत्पादन किया।

सऊदी के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार: सऊदी अरब के पास दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार है, जिसका अनुमान लगभग 267 बिलियन बैरल है, जो दुनिया के कुल भंडार का लगभग 16-17प्रतिशत है। सऊदी अरब के खोजे जा चुके तेल भंडार वेनेजुएला के बाद दुनिया में दूसरे सबसे बड़े हैं। वहीं, सऊदी अरब का अनुमानित तेल भंडार लगभग 267 बिलियन बैरल हैं। सऊदी अरब के भंडार ओपेक के सिद्ध भंडार का लगभग 22प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं।

सऊदी अरब के तेल भंडार को जानें: सऊदी अरब के तेल भंडार के मुख्य क्षेत्रों में घावर फील्ड (दुनिया का सबसे बड़ा तटवर्ती तेल क्षेत्र) और सफानिया फील्ड (दुनिया का सबसे बड़ा अपतटीय तेल क्षेत्र) शामिल हैं। इन दोनों क्षेत्रों को सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको संचालित करती है। सऊदी अरामको दुनिया की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी है। सऊदी अरब के पास प्राकृतिक गैस के महत्वपूर्ण भंडार भी हैं, जो घरेलू उत्पादन से अपनी सभी घरेलू खपत को पूरा करता है। सऊदी अरब में तेल की खोज 1938 में हुई थी।

मेटा पर लगे चीन से सांठगांठ के सनसनीखेज आरोप !

वाशिंगटन एजेंसी।
फेसबुक की पूर्व कार्यकारी सारा व्यान-विलियम्स ने बुधवार को सीनेट की न्यायिक समिति के समक्ष अपनी गवाही में फेसबुक पर राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने और चीन में अपना कारोबार बढ़ाने के लिए अमेरिका के कृत्रिम मेधा प्रयासों के बारे में उसे जानकारी देने का आरोप लगाया। विलियम्स ने अपनी गवाही में कहा, '' हम चीन के साथ एआई हथियारों की दौड़ में हैं और मेटा में मेरे कार्यकाल के दौरान कंपनी के अधिकारियों ने कर्मचारियों, शेयरधारकों, कांग्रेस और अमेरिकी जनता से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ अपने संबंधों के बारे में झूठ बोला। विलियम्स की किताब ''केयरलेस पीपुल में अनेक ऐसे विवरण साझा किए गए हैं जो कंपनी में उनके कार्यकाल के दौरान के हैं। प्रकाशित होने के पहले ही सप्ताह में इस किताब की 60,000 प्रतियां बिकीं और यह अमेजन की 'बेस्ट-सेलर सूची में शीर्ष 10 में पहुंच गई, कनेक्टिकट के डेमोक्रेट सांसद रिचर्ड ब्लूमेंथल ने सुनवाई के दौरान कहा कि मेटा ने पूर्व कार्यकारी को चुप कराने के लिए उसे धमकियां दीं और डरा-धमकाया। विलियम्स ने समिति के समक्ष गवाही में कहा,''उन सात वर्षों के दौरान, मैंने मेटा के अधिकारियों को बार-बार अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करते और अमेरिकी मूल्यों के साथ विश्वासघात करते देखा।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से तलाक की खबरों पर मिशेल ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- जो मेरे लिए सही, वही चुना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के उनकी पत्नी मिशेल ओबामा के साथ तलाक की खबरें चल रही हैं। अब इन्हें लेकर मिशेल ओबामा ने अपनी बात रखी है। अभिनेत्री सोफिया बुश के साथ एक पॉडकास्ट बातचीत में मिशेल ओबामा ने कहा कि बीते कई हाई प्रोफाइल इवेंट से उनकी अनुपस्थिति की वजह खुद पर ध्यान देना है न कि तलाक।

मिशेल ओबामा ने कहा कि अब मैं अपना कैलेंडर खुद नियंत्रित करती हूं। मैं खुद को यह आजादी कई वर्ष पहले भी दे सकती थी, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकी। मैंने बच्चों को बहाना बनाया और उन पर ध्यान दिया। गौरतलब है कि बराक ओबामा और मिशेल ओबामा एक आदर्श दंपति माने जाते हैं, लेकिन बीते कई हाई प्रोफाइल इवेंट से मिशेल ओबामी की गैरमौजूदगी से दोनों के तलाक की खबरों को बल मिला। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में मिशेल ओबामा शामिल नहीं हुई थी। साथ ही जनवरी में पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भी बराक ओबामा अकेले ही शामिल हुए थे। मिशेल ओबामा ने कहा कि मैंने वो चुना, जो मेरे लिए सही है, न कि वो, जो मुझे करना चाहिए था या दूसरे लोग मुझसे चाहते थे।

फिलिस्तीन को अलग देश की मान्यता देगा फ्रांस

मैक्रों बोले- किसी को खुश करने के लिए ऐसा नहीं कर रहा

पेरिस, एजेंसी।
राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस कुछ समय में फिलिस्तीन को अगल देश के तौर पर मान्यता दे सकता है। फ्रेंच प्रेसिडेंट ने बुधवार को एक इंटरव्यू में बताया कि उनका मकसद इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष को अंतिम रूप देना है।

मैक्रों ने कहा कि हम मान्यता की दिशा में बढ़ना चाहते हैं, और हम ऐसा आने वाले महीनों में करेंगे। मैं ऐसा किसी को खुश करने के लिए नहीं कर रहा हूं। मैं इसे इसलिए करूंगा क्योंकि किसी समय यह सही होगा।

मैक्रों ने कहा कि मिडिल ईस्ट के देश भी इजराइल को मान्यता देंगे। हम उन लोगों के खिलाफ लड़ाई में हैं जो इजराइल के अस्तित्व को

नकारते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस जून 2025 तक फिलिस्तीन को एक अलग देश के तौर पर मान्यता दे सकता है। इससे पहले फरवरी 2024 में मैक्रों ने कहा था कि फिलिस्तीन को मान्यता देना फ्रांस के लिए टैबू (वर्जित) नहीं है। मैक्रों पहले भी टू स्टेट सॉल्यूशन थ्योरी के पक्ष में रह चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के 193 में से 146 देशों ने फिलिस्तीन को अलग देश के तौर पर मान्यता दे रखी है। पिछले साल आर्मेनिया, स्लोवेनिया, आयरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, बहामास, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, जमैका और बारबाडोस ने फिलिस्तीन को मान्यता दी थी। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे कई अहम देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दी है। इजराइल को मान्यता नहीं देने वाले देशों में सऊदी अरब, ईरान, इराक, सीरिया और यमन शामिल हैं।

टू-स्टेट सॉल्यूशन का समर्थक रहा है फ्रांस: फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हम सऊदी अरब के साथ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की अध्यक्षता करें, जहां हम कई पक्ष इसे मान्यता दें। उन्होंने कहा कि मैं ये इसलिए करूंगा क्योंकि हमें लगता है कि ये करना सही होगा। फ्रांस द्वारा फलस्तीन को मान्यता देने से इस्राइल के अस्तित्व को भी नकारा नहीं जा सकेगा। फ्रांस लंबे समय से इस्राइल-फलस्तीन विवाद में टू-स्टेट सॉल्यूशन (द्वि-राज्य समाधान) का समर्थक रहा है। हालांकि फ्रांस द्वारा अगर फलस्तीन को मान्यता दे दी जाती है तो यह बड़ा नीतिगत बदलाव होगा और इससे इस्राइल के नाराज होने का भी खतरा है।

फ्रांस के फलस्तीन को मान्यता देने से हो सकते हैं बड़े बदलाव: उल्लेखनीय है कि करीब 150 देश फलस्तीन को मान्यता दे चुके हैं, जिनमें आयरलैंड, नॉर्वे, स्पेन आदि भी शामिल हैं। इस्राइल द्वारा 7 अक्तूबर 2023 के हमले के बाद जिस तरह से गाजा में बम बरसाए जा रहे हैं और हजारों लोग मारे गए हैं, उसके बाद बीते साल जून में स्लोवेनिया ने भी फलस्तीन को मान्यता दे दी। हालांकि फ्रांस अगर फलस्तीन को मान्यता देता है तो इसका प्रभाव बहुत बड़ा होगा क्योंकि यूरोपीय संघ में फ्रांस एक अहम देश है। मिस्र दौरे पर मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव की भी आलोचना की, जिसमें ट्रंप ने गाजा को मध्य पूर्व का रिवेरा बनाने का वादा किया था। मैक्रों ने तंज कसते हुए कहा कि गाजा पट्टी कोई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट नहीं है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा

अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित होंगे सभी देश

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कम होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के जवाबी टैरिफ लगाने के बाद व्यापार युद्ध गहराने की चिंता ने सभी क्षेत्रों में आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित किया है। ट्रंप टैरिफ से न सिर्फ दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ेगा, बल्कि निर्यात और महंगाई के लिए भी नई चुनौतियों के साथ जोखिम पैदा हुए हैं। हालांकि, भारत पर टैरिफ का असर कई अन्य देशों की तुलना में कम होगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की जानकारी देते हुए कहा, भारत के कुल निर्यात का जीडीपी में 12 फीसदी योगदान है, जबकि अमेरिका को होने वाला निर्यात 2 फीसदी से भी कम है। इसके उलट, चीन की जीडीपी में उसके निर्यात का हिस्सा करीब 19 फीसदी, जर्मनी का 37 फीसदी और यूरोपीय संघ (ईयू) का 30 फीसदी से ज्यादा है। इसी प्रकार, ताइवान और ईरान जैसे देशों से होने वाले निर्यात का उनकी जीडीपी में अधिक योगदान है। इसके अलावा, टैरिफ भारत के लिए कम महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका के साथ हमारा व्यापार अधिशेष अन्य देशों से कम है। यह भारत को अमेरिकी टैरिफ के संदर्भ में तुलनात्मक लाभ देता है। हालांकि, यह सच है कि टैरिफ वृद्धि दर को धीमा कर सकता है। गवर्नर ने कहा, दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई है। बॉन्ड पर रिटर्न घटा है। शेयर बाजारों में गिरावट आ रही है। क्रूड करीब चार साल के निचले स्तर पर आ गया है। ऐसे हालात में केंद्रीय बैंक प्राथमिकताओं के आधार पर सतर्कतापूर्वक काम कर रहे हैं।

शुल्क युद्ध के महंगाई से ज्यादा वृद्धि पर प्रभाव को लेकर चिंता- जहां तक भारत पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का सवाल है, हमने अपना आकलन दे दिया है। हमने 2025-26 के लिए वृद्धि दर अनुमान में 0.20 फीसदी की कमी की है। इसका प्रमुख कारण वैश्विक अनिश्चितता है। शुल्क युद्ध का महंगाई की तुलना में आर्थिक वृद्धि

पर असर को लेकर चिंता ज्यादा है।

यूपीआई : ग्राहक अब कर सकेंगे ज्यादा भुगतान- आरबीआई ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) को यूपीआई के जरिये 'पर्सन-2-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की सीमा बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूपीआई के जरिये बड़े भुगतान का रास्ता खुल गया है। हालांकि, पर्सन-2-पर्सन (पी2पी) यूपीआई लेनदेन की सीमा पहले की तरह एक लाख रुपये ही रहेगी। यानी एक व्यक्ति यूपीआई के जरिये किसी दूसरे शख्स को एक बार में अधिकतम एक लाख रुपये ही भेज सकता है। वर्तमान में व्यक्ति से कारोबारियों (पी2एम) को लेनदेन के तहत ग्राहक पूंजी बाजार और बीमा जैसे मामलों में एक बार में अधिकतम दो लाख रुपये का भुगतान कर सकता है। वहीं, टैक्स, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भुगतान सीमा पांच लाख रुपये है।

गवर्नर ने कहा, अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार एनपीसीआई, बैंकों और यूपीआई परिवेश से जुड़े अन्य पक्षों के परामर्श से उपयोगकर्ता की बदलती जरूरतों के आधार पर यूपीआई सीमा में संशोधन कर सकता है।बैंकों को एनपीसीआई की घोषित सीमाओं के भीतर अपनी आंतरिक लिमिट तय करने का विवेकाधिकार बना रहेगा। ऊंची सीमा से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए उचित सुरक्षा उपाय किए जाएंगे।

विदेशी मुद्रा भंडार : पांच महीने के उच्च स्तर पर

आरबीआई ने बताया, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अप्रैल तक 10.9 अरब डॉलर बढ़कर 676.3 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पांच महीने का सर्वाधिक स्तर है। यह भंडार लगातार पांचवें सप्ताह बढ़ा है।

अमेरिका को 2024 में 33 अरब डॉलर का निर्यात

भारत ने 2024 में अमेरिका को करीब 33 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया है। इनमें सर्वाधिक 8.1 अरब डॉलर के फार्मा उत्पादों का निर्यात शामिल है। 6.5 अरब डॉलर के दूरसंचार उपकरणों, 5.3 अरब डॉलर की कीमती पत्थरों, 4.1 अरब डॉलर के पेट्रोलियम उत्पादों का भी निर्यात किया गया है। भारत ने 2024 में अमेरिका से 4.5 अरब डॉलर के क्रूड समेत 18.1 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात किया है।

जीडीपी के लिए कुछ अच्छे संकेत, 6.5 फीसदी रहेगी वृद्धि दर

आरबीआई गवर्नर ने कहा, वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए कुछ अच्छे संकेत भी दिख रहे हैं। जलाशयों की बेहतर स्थिति और चालू वित्त वर्ष में फसल उत्पादन अच्छा रहने के अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाएं उज्ज्वल हैं। विनिर्माण गतिविधियों में सुधार है। कारोबारी उम्मीदें मजबूत हैं। सेवा क्षेत्र भी जुझारू प्रदर्शन कर रहा है। निवेश गतिविधियों में तेजी आई है। उच्च क्षमता उपयोग के साथ सरकार बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ा रही है। बैंकों एवं कंपनियों के बेहतर बही-खाते और वित्तीय स्थितियों में सुधार से निवेश बढ़ने की उम्मीद है। मल्होत्रा ने कहा, बेहतर कृषि उत्पादन और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए खुदरा महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है।

गोल्ड लोन कंपनियों पर सख्ती

ग्राहकों को एग्रीमेंट में नीलामी सहित सभी जानकारी देना अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्ड लोन में बढ़ती खामियों को लेकर आरबीआई ने रुख कड़ा कर लिया है। अब गोल्ड लोन कंपनियों को सुनिश्चित करना होगा कि सोने की शुद्धता, वजन आदि की जांच के लिए एक मानकीकृत प्रक्रिया अपनाई जाएगी। ऋणदाता की सभी शाखाओं में इस प्रक्रिया को एक समान रूप से अपनाया जाना चाहिए। आरबीआई ने बुधवार को गोल्ड लोन से संबंधित मसौदा जारी किया। इसके मुताबिक, सभी प्रक्रियाओं का

विवरण ग्राहकों की जानकारी के लिए ऋणदाताओं की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा। ऋणदाता ग्राहक की मौजूदगी में ही कर्ज मंजूर करेंगे और गारंटी परीक्षण करेंगे। परीक्षण प्रक्रिया में पत्थर के वजन आदि से संबंधित कटौतियों के बारे में ग्राहक को समझाया जाएगा। जारी किए जाने वाले प्रमाणपत्र में इसका विवरण शामिल होगा। लोन एग्रीमेंट में प्रतिभूति के रूप में लिए गए सोने के गारंटी का विवरण, मूल्य, नीलामी प्रक्रिया की जानकारी और नीलामी के लिए हालात, नीलामी आयोजित होने से पहले ऋण के पुनर्भुगतान/निपटान के लिए उधारकर्ता को दी जाने वाली नोटिस अवधि का विवरण शामिल होना चाहिए।

अशिक्षित ग्राहकों को गवाह की मौजूदगी में बतानी होंगी शर्तें- कर्ज लेने वालों के साथ सभी संचार विशेष रूप से ऋण की शर्तें या अन्य महत्वपूर्ण बातें जो उधारकर्ता या ऋणदाता के हित को प्रभावित करते हैं, उन्हें ग्राहक की भाषा में ही बताना होगा। इसमें निर्धारित सोने के मूल्य के अनुपात में कर्ज का उल्लंघन आदि भी शामिल होंगे।

रियलमी ने रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो और 80एक्स को किया लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। रियलमी, जो आज के भारतीय युवाओं का सबसे पसंदीदा स्मार्टफोन ब्रांड है उसने आज रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी को लॉन्च किया। ये दोनों ही फोन अपनी कैटेगरी में परफॉर्मेंस के मायने में उम्दा है। इनमें रियलमी की खास टेक्नोलॉजी और दमदार फीचर्स का शानदार मेल हैं, वो भी बेहतरीन और किफायती कीमतों पर। रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी में कई इंडस्ट्री-फर्स्ट फीचर्स दिए गए हैं, जैसे आईपी69 वॉटरप्रूफिंग, मिलिट्री-ग्रेड शॉक रेजिस्टेंस और एडवांस कूलिंग सिस्टम।

रियलमी की मेक इट रियल सोच के मुताबिक, इन स्मार्टफोन्स में प्रीमियम डिज़ाइन को जबरदस्त मजबूती के साथ भावी पीढ़ी के लिए अव्वल दर्जे की परफॉर्मेंस देने वाले के रूप में तैयार किया गया है। जो उन यूज़र्स के लिए एक दम सही है, जो हर चीज़ में कुछ ज्यादा चाहते हैं। रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि नार्ज़ो 80 सीरीज़ हमारा अब तक का सबसे पावरफुल ऑफर है उन यूज़र्स के लिए, जो बिना समझौता किए दमदार परफॉर्मेंस चाहते हैं।

तन्मय शाह, कैटेगरी लीडर

स्मार्टफोन्स और एक्सेसरीज़ एमेजॉन इंडिया ने बताया कि हमें खुशी है कि हम एमेजॉन.इन पर अपने बढ़ते 5जी स्मार्टफोन रेंज में नया रियलमी नार्ज़ो 80 सीरीज़ जोड़ रहे हैं, नार्ज़ो 80 प्रो 5जी शानदार गेमिंग परफॉर्मेंस देने का वादा करता है, वहीं नार्ज़ो 80एक्स 5जी की बैटरी काफी लंबे समय तक साथ न छोड़ने का वादा करती है। हमें पूरा भरोसा है कि ये दोनों डिवाइसेज़ उन सभी यूज़र्स की जरूरतों को पूरा करेंगे, जो दमदार परफॉर्मेंस वाले स्मार्टफोन्स को किफायती कीमत पर ढूंढ रहे हैं।

ये दोनों स्मार्टफोन एमेजॉन.इन पर रोमांचक कूपन ऑफर्स और आसान नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्पों के साथ उपलब्ध होंगे।

ट्रंप के फैसले के बाद क्रिप्टो मार्केट में रौनक

बिटकॉइन में 8 प्रतिशत से अधिक की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रंप के टैरिफ में 90 दिनों की रोक के ऐलान के बाद गुरुवार को बिटकॉइन की कीमत 8 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 81,700 डॉलर के पार पहुंच गई। ट्रेड टेंशन से परेशान निवेशकों को राहत मिलते ही दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ने इंट्राडे में 83,541 का शिखर छुआ। हालांकि, व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया कि सभी आयातों पर 10 प्रतिशत का टैरिफ जारी रहेगा। इसके साथ ही, चीन से आयात पर टैरिफ 125 प्रतिशत कर दिया गया। जबकि, बीजिंग ने अमेरिकी सामानों पर 84 प्रतिशत शुल्क लगाया था। बता दें सुबह 9:50 बजे के करीब बिटकॉइन 81,740 (67 लाख से अधिक) पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले 24 घंटे में 8.1 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। इथेरियम 12.6 प्रतिशत चढ़कर .1,613 और वैश्विक क्रिप्टो बाजार पूंजीकरण 8.3 प्रतिशत बढ़कर 2.59 ट्रिलियन हो गया।

किस क्रिप्टो में कितना आया उछाल-

कॉइनमार्केटकैप के अनुसार इथेरियम में करीब 12 पर्सेंट की तेजी देखी गई। एक्सआरपी में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, सोलाना में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, बीएनबी में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, कार्डानो में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि ट्रॉन, डॉगकोइन, चेनलिंक, एवलांच, स्टेलर, सुई, हेडेरा और शीबा इनु में 5 प्रतिशत से 14 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई।

कॉइनमार्केटकैप डेटा के अनुसार बिटकॉइन का मार्केट कैप 1.621 ट्रिलियन डॉलर हो गया, जिससे क्रिप्टो बाजार में इसकी हिस्सेदारी 62.58 प्रतिशत तक पहुंच गई है। दैनिक ट्रेडिंग वॉल्यूम 49 प्रतिशत बढ़कर 78.76 अरब डॉलर हो गया है, जिसमें 94.72 प्रतिशत हिस्सा स्टेबलकॉइन्स का रहा। अलंकार सक्सेना ने कहा, ट्रंप के टैरिफ पर 90 दिन की रोक से निवेशकों को राहत मिली है।
स्श्वष्ट के नए चेयर पॉल एटकिंस की नियुक्ति और इथेरियम ईटीएफ विकल्पों को मंजूरी से संस्थागत निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। बिटकॉइन .100,000 तक पहुंच सकता है। पीआइ42 के सीईओ अविनाश शेखर ने कहा, टैरिफ रोक और नियामक स्पष्टता से क्रिप्टो को मुख्यधारा में अपनाने का रास्ता साफ हुआ है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ सतर्क हैं।
गिओटस के सीईओ विक्रम सुब्बुराज ने कहा, बिटकॉइन 88,000 के स्तर तक पहुंचने से पहले मौजूदा स्तर पर कंसॉलिडेट हो सकता है।

59 प्रतिशत तक चढ़ेगा अडानी समूह का यह शेयर, 800 के पार जाएगा भाव

मुंबई, एजेंसी। अगर आप अडानी समूह की कंपनी पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। मार्केट एनालिस्ट ने अडानी पावर के शेयर को खरीदने की सलाह दी है। यह शेयर - अडानी पावर का है। अडानी पावर के शेयर बीते बुधवार को 1 प्रतिशत से अधिक टूटकर 508 रुपये पर बंद हुए थे। आज गुरुवार को महावीर जयंती के मौके पर शेयर बाजार में कारोबार बंद है।

क्या है टारगेट प्राइस

वेंचुरा सिक्योरिटीज के अडानी पावर के शेयर पर 806 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। इसका मतलब है कि पिछले बंद प्राइस से अडानी समूह का यह शेयर 59 प्रतिशत तक चढ़ सकता है। ब्रोकरेज ने अपने नोट में लिखा है कि वित्त वर्ष 2024 में अडानी पावर के रेवेन्यू में 29.9 प्रतिशत और एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) में 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 31 तक कंपनी का लक्ष्य अपनी क्षमता को 30.67 गीगावाट तक बढ़ाना है। वित्त वर्ष 2024-27ई के दौरान राजस्व और एबिटा में क्रमश : 11.8 प्रतिशत और 10.6 प्रतिशत ष्ट्नत्रक्की वृद्धि होने की उम्मीद है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे- अडानी पावर का दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से बिजली की बिक्री बढ़ने से राजस्व में वृद्धि हुई है। कंपनी के मुताबिक, ''वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत कुल राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 14,833 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 13,355 करोड़ रुपये था।卐 अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2,738 करोड़ रुपये था।

उधार के विमानों से बनी इंडिगो ने हासिल की आसमानी उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजारों में पिछले कुछ दिनों से जारी उथलपुथल के बीच भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो चुपचाप एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। इंडिगो बुधवार को मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से दुनिया की सबसे वैल्यूएबल एयरलाइन बनी। इंडिगो ने अमेरिका की डेल्टा एयरलाइन्स को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया। कारोबार के दौरान इंडिगो का शेयर 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंच गया था। इसके साथ ही उसका मार्केट कैप 2.01 लाख करोड़ रुपये यानी करीब पहुंच गया 23.24 बिलियन हो गया और वह डेल्टा एयरलाइन (23.18 बिलियन) से आगे निकल गई। लेकिन यह तमगा उसके पास करीब एक घंटे रहा। कंपनी का शेयर बीएसई पर 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,189.40 रुपये के स्तर बंद हुआ और मार्केट कैप 23.16 बिलियन रह गया। इस बीच

बुधवार को डेल्टा एयरलाइन के शेयरों में 23.38 प्रतिशत तेजी आई और उसका मार्केट कैप 28.60 अरब डॉलर पहुंच गया।

इंडिगो की यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है कि उसकी कमर्शियल शुरुआत अगस्त 2006 में हुई थी जबकि डेल्टा एयरलाइन 1929 से वजूद में है। महज 6 साल पहले इंडिगो की मार्केट वैल्यू महज 7.72 अरब डॉलर था जबकि डेल्टा का मार्केट कैप 36.67 अरब डॉलर था।

कैसे हुई शुरुआत

इंडिगो की शुरुआत साल 2006 में राहुल भाटिया और राकेश गंगवाल ने की थी। आज यह देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है। भारतीय बाजार में इसकी हिस्सेदारी करीब 64 फीसदी है। राहुल भाटिया दिल्ली के रहने वाले हैं जबकि उनके दोस्त राकेश गंगवाल अमेरिका में रहते हैं। गंगवाल कई बड़ी एयरवेज कंपनियों में काम कर चुके थे और उन्हें इस सेक्टर का काफी अच्छा नॉलेज था। भाटिया ने ही गंगवाल के सामने एयरलाइन शुरू करने का प्रस्ताव रखा था। इस तरह इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की शुरुआत 2004 में हुई। उस समय देश की एविएशन इंडस्ट्री भारी नुकसान से जूझ रही थी। इसके बावजूद दोनों ने इस सेक्टर में उतरने की ठानी। साल 2004 में ही उन्हें एयरलाइन शुरू करने का लाइसेंस भी मिल गया। लेकिन कंपनी 2006 तक अपनी सेवाए शुरू नहीं पाई क्योंकि उसके पास विमान नहीं थे। गंगवाल ने अपनी जान-पहचान के चलते कंपनी को एयरबस से उधारी पर 100 विमान दिलाए। आखिरकार 4 अगस्त 2006 से कंपनी ने अपनी उड़ान शुरू की। जब इंडिगो ने अपना सफर शुरू किया तो एविएशन इंडस्ट्री मुश्किल दौर से गुजर रही थी। कंपनी ने देश के प्रमुख शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ने का काम किया और कम कीमत पर लोगों को हवाई यात्रा देने का सपना पूरा किया। इंडिगो के जरिए ही हवाई चप्पल पहने लोगों का भी प्लेन में बैठने का सपना पूरा हुआ। हवाई जहाज में घूमना एक मिडिल क्लास परिवार के लिए केवल सपना होता था। इंडिगो ने उनके इस सपने को पूरा किया।

जाट को लेकर उत्साहित हूं

अभिनेता रणदीप हुड्डा क्रिस हेम्सवर्थ अभिनीत फिल्म एक्सट्रैक्शन की रिलीज के पांच साल बाद एक्शन जोन में वापस कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने माना कि उन्हें हमेशा एक्शन जॉनर पसंद रहा है क्योंकि इसमें कुछ नया और रोमांच होता है। जल्द ही वो जाट में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। एक्सट्रैक्शन सैम हार्ग्रेव द्वारा निर्देशित और रुसो ब्रदर्स द्वारा निर्मित है, जो 2020 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब जाट के साथ, वह एक एक्शन स्टार की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसमें उन्होंने रणतुंगा की भूमिका निभाई है। एक्शन में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए, रणदीप हुड्डा ने कहा, मुझे हमेशा से एक्शन शैली पसंद रही है। इसमें कुछ नयापन, भावनाओं को झकझोरने का माद्दा और रोमांच होता है। बायोपिक्स में गंभीर किरदार निभाने के बाद जाट में खतरनाक रणतुंगा का रोल मेरे अलग ही किरदार को प्रदर्शित करता है। अभिनेता ने कहा कि वह एक्शन को मिस कर रहे थे और 'जाट' उन्हें उस स्थान पर वापस ले आया। रणदीप ने कहा- कोरियोग्राफी से लेकर एक्शन तक काफी डिमांडिग था लेकिन यह एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संतोषजनक अनुभव रहा है। एक ऐसा किरदार निभाना जो जितना करिश्माई है उतना ही निर्दयी भी है, कुछ ऐसा है जिसे लेकर मैं वाकई उत्सुक हूं। एक्सट्रैक्शन मेरे लिए अपनी तरह की पहली फिल्म थी ये एक रोमांचकारी अनुभव था। जाट की बात करें तो इसका निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। इसमें विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसांद्रा भी हैं। प्रत्येक अभिनेता अपनी भूमिका में अनूठापन और गहराई लाता है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है। संपादन नवीन नूली ने किया है। दावा है कि फिल्म दर्शकों को मनोरंजन की दुनिया की अद्भूत सैर पर ले जाएगी। मैथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित यह फिल्म 10 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज होगी।

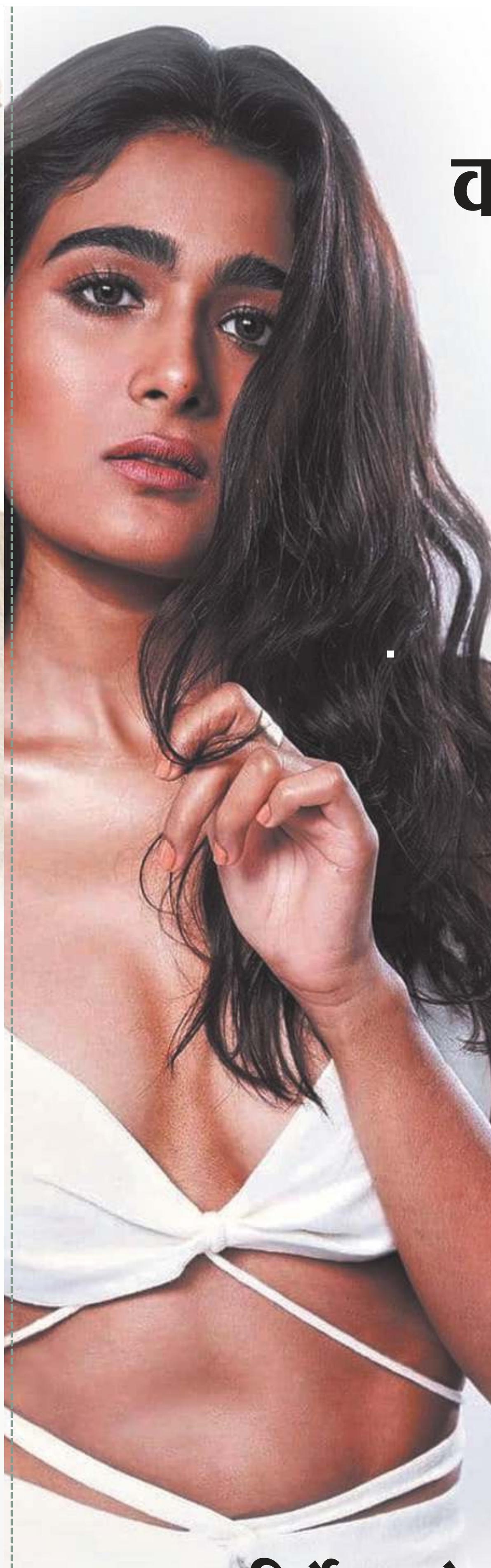

मैंने अपनी किस्मत और कामयाबी खुद अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चय से लिखी है

एक 21 साल की लड़की का पैरेंट्स के खिलाफ होते हुए भी जबलपुर जैसे छोटे शहर से मुंबई आकर बॉलीवुड एक्ट्रेस बनना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं, लेकिन शालिनी पांडे ने यह असंभव सपना सच कर दिखाया। आज अर्जुन रेड्डी, जयेश भाई जोरदार, महाराज, डब्बा कार्टेल जैसी बड़ी फ़िल्में और वेब शो कर चुकी शालिनी बिल्कुल ठीक कहती हैं कि उन्होंने अपनी ये किस्मत और कामयाबी खुद अपनी मेहनत और दृढ़ निश्चय से लिखी है।

अर्जुन रेड्डी की प्रीति हो या जयेशभाई जोरदार की मुद्रा, महाराज की किशोरी या डब्बा कार्टेल की राजी, पर्दे पर आप भोली-भाली, सहमी हुई मासूम लड़कियों के रूप ज्यादा दिखी हैं। असल जिंदगी में आप खुद कैसी हैं?

असल जिंदगी में मैं इन सबसे एकदम अलग हूं। मैं बहुत बेबाक हूं। बिंदास अपनी राय जाहिर करती हूं। बचपन से ही मैं अपनी बात रखने में कभी नहीं झिझकी। जब भी मुझे कुछ गलत लगता है तो मैं उस पर सवाल करती हूं। जबकि, मैं एक छोटे शहर के रूढ़िवादी परिवार से हूं। हमें सिखाया जाता है कि ऐसे बात मत करो। वो चाहे आपके पैरेंट्स हों या रिश्तेदार, वे हमेशा बताते हैं कि ये नहीं करो, वो नहीं करो। मैं बहुत मुंहफट इंसान हूं। ऐसे में, ये अजीब बात है कि मुझे ऐसी लड़कियों के किरदार ही ज्यादा मिले, जो अपनी आवाज नहीं उठा सकती थीं।

ऐक्टिंग का चस्का कैसे लगा?

ऐसा कोई एक दिन नहीं था। जबसे मुझे याद है, मुझे ऐक्टर ही बनना है। जबकि, बचपन में हमें फिल्में देखने की भी इजाजत नहीं थी। पैरेंट्स टीवी का केबल कनेक्शन तक काट देते थे, क्योंकि सारा जोर पढ़ाई पर था, पर मुझे लगता है कि इसकी कई वजहें रहीं। जैसे, शुरू में टीवी देखते हुए लगता था कि मुझे भी टीवी पर आना है, मगर बड़ी वजह यह थी कि मुझे जबलपुर से बाहर निकलना है। मुझे अपनी पहचान बनानी है। मैं 9 से 5 वाली नौकरी कर ही नहीं सकती हूं। मुझे अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए जरिया चाहिए और इसके लिए ऐक्टिंग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। ये मेरे लिए एक थेरपी है।

आपने अर्जुन रेड्डी और जयेशभाई जोरदार जैसी बड़ी फिल्मों से शुरुआत की। कम समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहीं। किस्मत या मेहनत, किसका हाथ ज्यादा मानती हैं?

मैं किसी भी फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं हूं। मेरे पीछे किसी का हाथ नहीं रहा, मैंने अपनी ये किस्मत खुद बनाई है। मेरी मेहनत, दृढ़ता, डटे रहना कि कुछ भी हो, मैं ये करके रहूंगी, इन चीजों ने मेरे लिए यह रास्ता बनाया। वह कहते हैं ना कि जहां चाह होती है, वहीं राह होती है, मेरा मानना है कि किस्मत भी उसी का साथ देती है, जो कड़ी मेहनत करते हैं। उसके बगैर कुछ नहीं होता, तो मेरे लिए कड़ी मेहनत सबसे आगे आती है। बाकी सब उसके बाद आता है।

आपके आने वाले प्रॉजेक्ट्स कौन से हैं?

धनुष के साथ एक साउथ फिल्म पूरी होने वाली है। फिर, एक ओटीटी प्रॉजेक्ट आएगा। इसके अलावा, दो-तीन और एक्साइटिंग प्रॉजेक्ट्स हैं लेकिन उनके बारे में बात नहीं कर सकती। उम्मीद है कि जल्द उनकी घोषणा होगी।

अपनी सीरीज डब्बा कार्टेल में शबाना आजमी जैसी दिग्गज ऐक्ट्रेस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? क्या सीखा?

शबाना आजमी सबसे कूलेस्ट इंसान हैं, जिनसे मैं मिली हूं। मैंने उनसे इतना सीखा कि पता नहीं कि कहां से शुरू करूं और कहां खत्म करूं। उन्होंने मुझे जिंदगी के सबसे बड़े सबक सिखाए हैं। इतनी अनुभवी होने के बाद भी उन्होंने एक यंग वुमन के तौर पर मुझे ऊपर उठाया। मुझे बराबरी का दर्जा दिया कि आप अपनी राय रखो, आप हम जितनी ही बराबर हो। वह मेरा ह्यूमर समझती थीं। जबकि, मेरे मजाक व्यंग्यात्मक होते हैं तो अगर आप उसे नहीं समझें तो आपको बुरा लग सकता है, लेकिन शबाना मैम ने मेरे ह्यूमर को मान्यता दी।

'लोग मुझे फुटबॉल जैसे फेस वाली कहकर बुलाते थे', तेजस्वी प्रकाश ने बॉडी शेमिंग का किया सामना

टीवी की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों रियलिटी शो सेलेब्रिटी मास्टर शेफ में नजर आ रही हैं। जिसको लेकर वो लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। उनके फैंस अपनी पसंदीदा कलाकार को शो का विनर बनाना चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर तेजस्वी अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के साथ शादी की खबरों को लेकर भी चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस बीच अभिनेत्री ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ये भी बताया कि कब उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा।

मुझे नहीं पसंद लोगों का किसी के शरीर पर कमेंट करना बातचीत में तेजस्वी प्रकाश ने बॉडी शेमिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मैं हमेशा पतली रही हूं और मुझे ये अजीब लगता है जब लोग किसी के वजन पर या किसी पर शारीरिक टिप्पणी करने को ठीक समझते हैं। जैसे लोग कहते हैं, तुम बहुत पतली हो, या अब तुम स्वस्थ हो। लेकिन अगर किसी का वजन ज्यादा है तो शायद कोई ऐसा नहीं कहेगा।

मैं लोगों के कमेंट को पॉजिटिव लेती हूं

तेजस्वी ने आगे कहा, मेरा शरीर अजीब है। शरीर पतला है और चेहरा गोल-मटोल है। मुझे लेकर लोग कन्फ्यूज हो जाते थे और मुझ पर 'फुटबॉल फेस' जैसे कमेंट किया करते थे। यहां तक कि अभी भी मेरा चेहरा गोल-मटोल ही है और मुझे नहीं लगता कि मैं इसे बदल सकती हूं। हालांकि, मैं इन टिप्पणियों को नकारात्मक तौर पर नहीं लेती, बल्कि इन्हें पॉजिटि तरीके से लेती हूं और खुद में बदलाव करने का सोचती हूं। जैसे प्रोटीन का सेवन बढ़ाना या योगा करना।

सही फीडबैक को गंभीरता से लेकर, उस पर काम करना चाहिए

अभिनेत्री ने आगे उनके ऊपर होने वाली टिप्पणियों पर कहा, ऐसा नहीं है कि मैं इन कमेंट से अनजान हूं, लेकिन मैं इन टिप्पणियों से खुद को प्रभावित नहीं होने देती हूं। अगर मैं उनके फीडबैक से सहमत होती हूं, तो उन पर काम करती हूं। मेरा मानना है कि शारीरिक बनावट और आत्मविश्वास के बीच संतुलन बनाना काफी जरूरी है। सही फीडबैक को आपको गंभीरता से लेना चाहिए और उस पर काम करना चाहिए।

इस साउथ निर्देशक के साथ पर्दे धमाल मचाने की तैयारी में ऋतिक रोशन

तेलुगु सिनेमा के मशहूर निर्देशक बॉबी कोली ने अपनी पिछले दो फिल्मों वाल्टेयर वीरैया और डाकू महाराज से दर्शकों का दिल जीत है। इन फिल्मों में उन्होंने सीनियर हीरो चिरंजीवी और बालकृष्ण को जिस शानदार अंदाज में पेश किया, उसकी हर तरफ तारीफ हुई। अब फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन के साथ फिल्म बनाएंगे बॉबी?

सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के मुताबिक बॉबी कोली जल्द ही बॉलीवुड के ग्रीक गॉड कहलाने वाले ऋतिक रोशन के साथ काम कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि हाल ही में बॉबी ने ऋतिक से मुलाकात की और उन्हें एक कहानी सुनाई। ये कहानी ऋतिक को इतनी पसंद आई कि दोनों के बीच बात आगे बढ़ रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो बॉबी अपनी पहली हिंदी फिल्म ऋतिक के साथ बना सकते हैं।

इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बन सकती है फिल्म

इस बड़े प्रोजेक्ट को तेलुगु फिल्मों की जानी-मानी प्रोडक्शन कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर सकती है। ये बैनर कई भाषाओं में फिल्में बना रहा है और नए-नए प्रयोगों के लिए जाना जाता है। अगर ये फिल्म बनती है तो ये इस प्रोडक्शन हाउस की बॉलीवुड में बड़ा कदम होगा।

इन फिल्मों में व्यस्त हैं ऋतिक

फिलहाल ऋतिक रोशन वॉर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। इस फिल्म के बाद ऋतिक कृष 4 में काम शुरू करेंगे, जिसका निर्देशन वह खुद ही करेंगे। ऋतिक की पिछली फिल्मों की बात करें तो उन्हें फिल्म फाइटर में देखा गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी थी।

जाट की रिलीज से पहले सनी देओल का ओटीटी प्रोजेक्ट्स को लेकर खुलासा

सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म जाट को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में सनी का एक्शन अवतार एक बार फिर से देखने को मिलेगा। हालांकि, सनी की सभी फिल्में एक्शन बेस्ड ही होती हैं। इसी बीच एक इवेंट के दौरान सनी ने अपने ओटीटी प्रोजेक्ट्स के बारे में खुलकर बातचीत की।

गदर 2 से बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े। अब सनी फिल्म जाट के लिए अपनी कमर कस रहे हैं। एक इवेंट के दौरान सनी ने बताया कि उनके कुछ आगामी प्रोजेक्ट्स हैं, जो सिनेमा हॉल के लिए नहीं बल्कि ओटीटी के लिए बने हैं। सनी के फैंस गदर 2 की सफलता के बाद उनकी आने वाली एक्शन-थ्रिलर जाट में भी उनके शानदार प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। यह गोपीचंद की पहली हिंदी फिल्म है, जिसे उन्होंने लिखा और निर्देशित किया गया है। इस फिल्म को मैथरी मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित किया गया है। पीटीआई से बातचीत के दौरान सनी ने बताया कि उनके पास कई आगामी ओटीटी प्रोजेक्ट हैं। सनी ने कहा कि उनके कुछ प्रोजेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएंगे क्योंकि सिनेमा के दर्शक अलग होते हैं। उन्होंने कहा, ओटीटी पर जाना अच्छा है क्योंकि लोग वहां आपकी फिल्में अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं।

सनी ने यह भी बताया कि ओटीटी अभिनेताओं और निर्देशकों के लिए एक दिलचस्प जरिया है क्योंकि इससे डाइवर्सिटी मिलती है। सनी ने कहा कि उनकी फिल्में ओटीटी पर आने से आज की जनरेशन के लिए भी रिलेवेंसी बढ़ गई हैं। जाट के बारे में बात करते हुए, सनी ने कहा कि गोपीचंद मालिनेनी के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, यह मेरी पहली फिल्म है, जो साउथ के डायरेक्टर के साथ है और यह बहुत अच्छा रहा है।

जाट के अलावा सनी देओल लाहौर 1947 में नजर आएंगी। वहीं सनी बॉर्डर 2 में भी नजर आएंगे। बॉर्डर 2 एक वॉर फिल्म होगी, जिसका निर्देशन अनुराग सिन्हा करेंगे और इसका निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता करेंगे। यह 1997 की हिट बॉर्डर का सीक्वल है। इस फिल्म में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी भी महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगे।

छावा के बाद प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म छावा में औरंगजेब के किरदार से सबका हैरान कर देने के बाद अब वह अपनी अगली बड़ी फिल्म के साथ तैयार हैं। अक्षय ने प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली साइन की है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) की तीसरी कड़ी होगी। फिल्म का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा कि अक्षय खन्ना महाकाली में एक अहम भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले बन रही है। हनु-मान की शानदार सफलता के बाद अब महाकाली इस यूनिवर्स की अगली सुपरहीरो फिल्म होगी।

मोच के चलते स्ट्रेचर पर बाहर गई, टीम मुश्किल में दिखी तो वापस आई, दर्द सहते हुए जड़ा शतक

लाहौर, एजेंसी

महिला विश्व कप 2025 के क्वालिफिकेशन मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसी टूर्नामेंट में बुधवार को खेले गए मुकाबले में कुछ ऐसा देखने को मिला, जिसने सभी फैंस को भावुक कर दिया। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज को मैच के बीच में ही मोच आई। वह दर्द से कराहती रहीं। जब उनसे बल्लेबाजी नहीं हुई तो वह स्ट्रेचर पर लेटकर मैदान से बाहर गईं (दो बार रिटायर्ड हर्ट हुईं)। फिर टीम को मुश्किल में देखा तो दर्द के बावजूद वापस क्रीज पर आईं और बल्लेबाजी की। दर्द में रहते हुए उन्होंने बड़े-बड़े शॉट खेले और शतक भी पूरा किया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। इसे देखकर फैंस भावुक तो हुए ही, लेकिन इस बात की सीख भी मिली की कभी हार नहीं मानना चाहिए। इसका वीडियो भी सामने आया है और फैंस हेली की जमकर तारीफ कर रहे हैं। हेली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं।

वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड का मुकाबला

दरअसल, महिला विश्व कप 2025 क्वालिफायर में बुधवार को वेस्टइंडीज का सामना स्कॉटलैंड से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की महिला टीम 45 ओवर में 244 रन पर सिमट गई। विकेटकीपर सारा ब्राइस ने 55 रन और मेगन मैकॉल ने 45 रन की पारी खेली। इस दौरान हेली ने गेंदबाजी करते हुए स्कॉटलैंड के चार विकेट भी झटके थे। उन्होंने 10 ओवर में 56 रन देकर चार विकेट झटके। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम को सात पर पहला झटका लगा था। इसके बाद हेली ने जायदा जेम्स के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी निभाई। जायदा 45 रन बनाकर आउट हुईं। 120 रन पर वेस्टइंडीज के दो विकेट गिरे थे। इसके बाद एक वक्त यानी 39वें ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 192 रन हो गया था। 39वां ओवर खत्म होते ही हेली मैथ्यूज से रहा नहीं गया और उन्होंने रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला लिया।

39वें ओवर में रिटायर्ड हर्ट हुईं हेली मैथ्यूज

39वें ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर छह विकेट पर 194 रन था। हेली 99 गेंद में 95 रन और आलिया एक रन बनाकर क्रीज पर थीं। इतने रन तक पहुंचने में भी हेली को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। उन्हें शुरुआती ओवरों में ही मोच आई थी, लेकिन जैसे तैसे शॉट लगाकर उन्होंने पारी जारी रखी थी। कई बार तो फीजियो मैदान में आए और दर्द से कराह रहीं हेली का इलाज किया। हेली दर्द से कई बार जमीन पर भी ले गईं। 39वें ओवर में उनसे नहीं रहा गया और रिटायर्ड हर्ट हुईं। हेली को स्ट्रेचर पर लिटाकर मैदान से बाहर ले जाया गया। फिर 42वें ओवर की दूसरी गेंद पर जैसे ही वेस्टइंडीज का आठवां विकेट गिरा।

लक्ष्य हासिल किया जा सकता था

रॉयल्स के गेंदबाजी कोच बहुतुल ने बताया कहां हुई गलती

अहमदाबाद (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने कहा कि लक्ष्य हासिल किया जा सकता था लेकिन उनकी टीम अच्छी साझेदारी निभाने में नाकाम रही। साई सुदर्शन (53 गेंदों में 82 रन) के अर्धशतक बदौलत गुजरात ने 217 रन बनाए। इसके बाद गुजरात सभी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करके गुजरात टाइटंस को 4 गेंदें रहते 159 पर ढेर करते हुए 58 रन से जीत दर्ज की। गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए तो राशिद खान और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान को 159 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बहुतुले ने कहा, 'मुझे लगता है कि लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। यह बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा विकेट था। ईमानदारी से कहूं तो 200 रन बराबरी का स्कोर था। मुझे लगता है कि हमने 20 रन अधिक दिए लेकिन उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। सुदर्शन ने शानदार बल्लेबाजी की और उन्होंने पावर प्ले का अच्छा उपयोग किया। उन्होंने कहा, 'उनके बल्लेबाजों ने हमारी तुलना में अच्छी साझेदारियां निभाईं। यही कारण था कि उन्होंने बड़ा स्कोर खड़ा किया लेकिन मेरा मानना है कि अगर हमने अच्छी साझेदारियां निभाई होती तो हम लक्ष्य के काफी करीब पहुंच सकते थे।

अंक तालिका में गुजरात टाइटंस बनी टॉपर

राजस्थान ने सीजन की शुरूआत हैदराबाद से 44 रन तो कोलकाता से 8 विकेट से हार के साथ की थी। लेकिन इसके बाद उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को 6 रन तो पंजाब किंग्स को 50 रन से हराकर बढ़त बनाई थी लेकिन अब एक और हार के कारण वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर आ गई है। उनके बाद मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद का नाम है जोकि सीजन में 4-4 मुकाबले गंवा चुके हैं। वहं, गुजरात जायंट्स 5 मैचों में चार जीत के साथ अंक तालिका में टॉप पर आ गई है। गुजरात ने सिर्फ पंजाब से पहला मुकाबला 11 रन से गंवाया था। इसके बाद मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब राजस्थान के खिलाफ उन्होंने जीत हासिल की है। अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स तीन मैचों में तीन जीत के साथ दूसरे स्थान पर आ गई है।

आज चेन्नई को करना होगा कोलकाता की कड़ी चुनौती का सामना

चेन्नई (एजेंसी)। लगातार हार से बेजार चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए शुक्रवार को यहां होने वाले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कड़ी चुनौती से पार पाना होगा। चेन्नई की टीम को अभी तक पांच मैच में से चार में हार का सामना करना पड़ा है और इसलिए यह मैच उसके लिए बेहद महत्वपूर्ण बन गया है। उसे अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स से 18 रन से पराजय का सामना करना पड़ा था।

चेन्नई की टीम अब अपना भाग्य बदलने के उद्देश्य से अपने घरेलू मैदान पर खेलने के लिए उतरेगी। उसे हालांकि अभी तक यहां के विकेट से उतनी मदद नहीं मिली है जैसे कि अतीत में मिला करती थी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बड़ी हार के बाद चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने पिच को लेकर अपनी नाराजगी खुलकर व्यक्त की थी। चेन्नई की पिछली सफलताओं में उसका घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है लेकिन अब यहां की पिच काफी बदल गई है और उसके खिलाड़ी इससे सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं।

चेन्नई को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसके खिलाड़ियों को जल्द से जल्द यहां की परिस्थितियों से तालमेल बिठाना होगा। यहीं नहीं उसके स्पिन गेंदबाजों को सफलता हासिल करने का तरीका ढूंढना होगा। सभी की निगाहें एक बार फिर से महेंद्र सिंह धोनी पर टिकी रहेंगी। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में 12 गेंद पर 27 रन बनाए थे जिसमें तीन छक्के और एक चौका शामिल है।

चेन्नई की टीम के लिए अच्छी बात यह है कि डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र और शिवम दुबे जैसे बल्लेबाजों ने लय हासिल करने के संकेत दिए हैं लेकिन कप्तान रुतुराज गायकवाड़ से बड़ी पारी की दरकार है। चेन्नई की गेंदबाजी कमोबेश वैसी ही रहेगी, जिसमें खलील अहमद, मुकेश चौधरी और मथीशा पथिराना तेज गेंदबाजी विभाग संभालेंगे जबकि रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा और नूर अहमद पर स्पिन विभाग की जिम्मेदारी होगी।

जहां तक ??नाइट राइडर्स का सवाल है, वे तीन दिन पहले लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मिली करीबी हार से उबरने और इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेंगे। उनके गेंदबाजों को ईडन गार्डन्स में लखनऊ के बल्लेबाजों की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था। उन्हें यहां अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

बल्लेबाजी में नाइट राइडर्स का दारोमदार फिर से क्विंटन डी कॉक, सुनील नारायण, कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों पर रहेगा। अगर अंक तालिका में वर्तमान स्थिति का जिक्र करें तो चेन्नई चार हार और एक जीत के बाद नौवें स्थान पर, जबकि केकेआर पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ छठे स्थान पर है।

टीमें

कोलकाता नाइट राइडर्स - क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नारायण, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा, स्पेंसर जॉनसन, वरुण चक्रवर्ती, एनरिक नॉर्टजे, वैभव अरोड़ा, अनुकूल रॉय, लवनिथ सिसोदिया, मोइन अली, रोवमैन पॉवेल, मयंक मारकंडे, रहमानुल्लाह गुरबाज और चेतन सकारिया।

चेन्नई सुपर किंग्स - रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रवींद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुडा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस। गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।

समय - शाम 7.30 बजे।

गुजरात के गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया : पार्थिव पटेल

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए टीम के गेंदबाजों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल विकेट पर अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। साई सुदर्शन (53 गेंदों में 82 रन) ने शानदार अर्धशतक लगाया, इसके बाद सभी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करके गुजरात टाइटंस को 58 रन से जीत दिलाई। गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 24 रन देकर तीन विकेट लिए तो राशिद खान और साई किशोर ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान को 159 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पार्थिव ने मैच के बाद कहा, 'जब आप इस तरह के विकेट पर 50 रन से अधिक के अंतर से जीत हासिल करते हैं तो इसका मतलब होता है कि आपके गेंदबाजों ने रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया। मोहम्मद सिराज ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। प्रसिद्ध कृष्णा टूर्नामेंट में शुरू से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। साई किशोर शायद अभी तक टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर है। हमारे सभी गेंदबाजों ने गेंदबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन किया। पार्थिव ने कहा, 'यह देखकर अच्छा लग रहा है कि प्रत्येक मैच में कोई गेंदबाज आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहा है। निश्चित तौर पर बल्लेबाजों ने जीत की नींव रखी लेकिन वास्तव में गेंदबाज आपको मैच जिताते हैं। हमारी टीम में किसी को कोई खास भूमिका नहीं सौंपी गई है। एक टीम के रूप में हमारा रवैया बेहद सरल है। हम परिस्थितियों के अनुसार रणनीति तैयार करते हैं।

संजू सैमसन पर लगा 24 लाख रुपए का भारी जुर्माना

अहमदाबाद (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के कारण 24 लाख रुपए का भारी जुर्माना लगाया गया है। गुजरात टाइटंस ने बुधवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया यह मैच 58 रन से जीता था। राजस्थान रॉयल्स की टीम 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.2 ओवर में 159 रन पर आउट हो गई थी।

आईपीएल ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण जुर्माना लगाया गया है। बयान के अनुसार, 'यह आईपीएल की आचार संहिता के धीमी ओवर गति से जुड़े अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सत्र का दूसरा अपराध था, इसलिए सैमसन पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बयान में कहा गया है, 'इम्पैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल अन्य खिलाड़ियों पर या तो छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया है। गुजरात टाइटंस की टीम अभी पांच मैचों में चार जीत और एक हार के साथ शीर्ष पर है, जबकि राजस्थान रॉयल्स पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ सातवें स्थान पर है।

भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, सामने आया पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली- भारतीय महिला हॉकी टीम पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। यह सीरीज 26 अप्रैल से चार मई तक चलेगी। भारतीय टीम सीरीज की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ 26 और 27 अप्रैल को होने वाले दो मैचों से करेगा। इसके बाद टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज खेलेगी। सीनियर टीम से मैच एक, तीन और चार मई को खेले जाएंगे। सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

यह दौरा जून में शुरू होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। नौवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2023-24 के दौरान अपने आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया था, लेकिन इन दोनों टीम के बीच 2013 के बाद खेले गए 16 मैचों में से ऑस्ट्रेलिया ने 10 में जीत हासिल की है। भारत ने तीन जीत दर्ज की है, जबकि तीन मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं।

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के दौरे के संदर्भ में कहा, यह दौरा एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए हमारी तैयारियों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण है।

गिरगिट है तुम्हारा आराध्य देव, लाइव मैच में भिड़े सिद्धू और रायुडू

मुल्लांपुर। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के हाथों 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में धोनी बल्लेबाजी के लिए आए लेकिन 27 रन बनाकर आउट हो गए। वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। अब इस मैच से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू और अंबाती रायुडू के बीच बहस होती दिख रही है। इस दौरान सिद्धू ने कुछ ऐसा कह दिया जिसको अब प्रशंसक धोनी से जोड़ रहे हैं। पंजाब के खिलाफ मैच में धोनी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए थे।

देश का प्रतिनिधित्व करेंगे काशी के दो खिलाड़ी, पैरा टेबल टेनिस में दिखाएंगे दम

वाराणसी। जॉर्डन की राजधानी अम्मान शहर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में वाराणसी के दो खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। बालिका वर्ग में वाराणसी के सिगरा निवासी प्रियांशी केशरी जबकि पुरुष वर्ग में बीएचयू कृषि विज्ञान संस्थान के छात्र विवेकानंद सिंह खेलेंगे। बालिका वर्ग में प्रियांशी टेनिस में भारत की टॉप सीड खिलाड़ी हैं। काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर स्थित रूईया मैदान पर बुधवार को टी-10 क्रिकेट खेला गया। आईएमएस प्रीमियर लीग में बुधवार को पहला मुकाबला सुपर स्ट्राइकर बनाम ब्लड बैंक के बीच खेला गया। इसमें सुपर स्ट्राइकर एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में छह विकेट पर 139 रन बनाए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी ब्लड बैंक की पूरी टीम 120 रन पर आउट हो गई।

आयुष सांडिल्य ने 54 मीटर दूर फेंका भाला

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से एंफीथियेटर मैदान में एथलेटिक्स कार्यशाला का आयोजन हुआ। प्रशिक्षण के बाद प्रतियोगिता में राष्ट्रीय खिलाड़ी आयुष सांडिल्य 54 मीटर भाला फेंका।शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से एथलेटिक्स कार्यशाला में प्रो. टीम ओनिमा रेड्डी ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि जेवलीन थ्रो में इंजरी की संभावना अधिक होती है। इससे बचने के लिए खिलाड़ियों को समय समय पर नई तकनीक की जानकारी दी जाती है।

यूपी टीम में वाराणसी मंडल के पांच खिलाड़ी

68वीं राष्ट्रीय खो खो प्रतियोगिता के लिए यूपी की टीम घोषित कर दी गई है। बालक वर्ग में वाराणसी मंडल के पांच खिलाड़ियों को जगह मिली है। जिला क्रीड़ा सचिव विनोद सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में जौनपुर के कमला नेहरू इंटर कॉलेज अकबरपुर के अखिल और मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज के हर्षेंद्र प्रताप, गाजीपुर के नंद किशोर सिंह इंटर कॉलेज रामपुर के सूरज राजभर, वाराणसी के बच्छांव स्थित महामना मालवीय इंटर कॉलेज के सूर्यभान कनौजिया को जगह मिली है।

ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी; छह टीमें हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में वापसी करेगा। इसको लेकर आयोजकों ने बुधवार को बड़ा एलान किया। लॉस एंजिलिस ओलंपिक के आयोजकों ने इस बहुराष्ट्रीय आयोजन में क्रिकेट के लिए टीमें तय कर दी हैं। महिला और पुरुष दोनों श्रेणी में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। मैच टी20 प्रारूप में खेले जाएंगे। छह टीमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के लिए टक्कर लेती दिखेंगी।

साल 1900 में क्रिकेट ओलंपिक का हिस्सा था

पिछली बार क्रिकेट साल 1900 में पेरिस ओलंपिक का हिस्सा रहा था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब इसे अनाधिकारिक टेस्ट के रूप में गिना जाता है। हालांकि, लॉस एंजिलिस ओलंपिक में छह टीमें टी20 प्रारूप में खेलती दिखेंगी। इतना ही नहीं आयोजकों ने एक टीम में अधिकतम खिलाड़ियों की संख्या भी तय की है। आयोजकों ने कहा है कि एक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में अधिकतम 90 खिलाड़ियों का कोटा तय किया गया है। यानी छह टीमों को मिलाकर अधिकतम 90 खिलाड़ी होंगे।

आईसीसी के 12 नियमित सदस्य

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल के फिलहाल 12 नियमित और 94 सहयोगी सदस्य हैं। नियमित सदस्यों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। हालांकि, 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के बारे में अब तक नहीं बताया गया है। इसमें अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

पांच खेलों को शामिल किया गया

क्रिकेट उन पांच नए खेलों में शामिल है, जिन्हें लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जगह दी गई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ ने इन पांच खेलों के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल किए जाने की पुष्टि साल 2023 में की थी। क्रिकेट के अलावा इनमें बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रॉस और स्क्वॉश शामिल हैं।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,कांटाटोली,नियर टेंडर बगीचा,रातु,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादक: सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निपटाए जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

संक्षिप्त समाचार

आरसीसीपीएल प्राइवेट लि. ने तीर्थयात्रियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और विश्राम तंबू की सुविधा शुरू की

भोपाल। समुदाय कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड ने चैत्र नवरात्रि के दौरान तीर्थयात्रियों के लिए एक समर्पित प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और विश्राम तंबू स्थापित किया है। यह पहल आध्यात्मिक यात्रा पर निकले भक्तों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इस सुविधा के तहत अब तक 2,500 से अधिक मरीजों की जांच की गई और उन्हें प्राथमिक चिकित्सा सहित चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी सहायता प्रदान की गई। इसके अलावा, तीन गंभीर मामलों को तत्काल उन्नत उपचार के लिए मैहर जिला अस्पताल में रेफर किया गया, जो कंपनी की आपात स्थिति से निपटने की तैयारी को दर्शाता है। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड के यूनिट हेड और एचआर हेड ने सुविधा के सुचारू संचालन और तीर्थयात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण किया। इस पहल का दौरा रेलवे सरकारी अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों ने भी किया, जिन्होंने इन प्रयासों की सराहना की। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड समुदाय के समर्थन और तीर्थयात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए इस तरह के सार्थक योगदान के प्रति समर्पित है।

जुजुत्सु कैसेन का आपका डेली डोज अब सोनी ये! पर

मुंबई। तैयार हो जाइए एक ऐसी दुनिया में कदम रखने के लिए जहाँ स्कूल सिर्फ किताबों के लिए नहीं, बल्कि शापों से लड़ने के लिए भी होता है! जुजुत्सु कैसेन अब आधिकारिक रूप से सोनी ये! पर आ चुका है - और ये एक्शन प्रेमियों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है!मिलिए यूजी इतादोरी से - एक ऐसा हाई स्कूल स्टूडेंट जो अभिशप्त उंगली खा लेता है (हाँ, आपने सही पढ़ा!) और अचानक एक शक्तिशाली शाप का वाहक बन जाता है। इसके बाद शुरू होता है ताबड़तोड़ एक्शन, ज़बरदस्त ताकतें और जादू-टोने की दुनिया!हे आप गोजो-सेंसई की स्टाइल के फैन हों, नोबारा के एटिट्यूड के दीवाने, या फिर बस ज़बरदस्त लड़ाइयाँ देखने आए हों - इस शो में सबकुछ है!तो, अपने पॉपकॉर्न (और शायद एक-दो तावीज़ भी) तैयार रखिए, और देखिए जुजुत्सु कैसेन अब हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, बंगाली और मराठी में - सिर्फ सोनी ये! पर। चेतावनी: देखने के बाद अचानक जादू-टोना सीखने की इच्छा जाग सकती है।

बेकाबू हो गई कार और पेड़ से जोरदार टक्कर; गाजियाबाद में देर रात 2 दोस्तों की दर्दनाक मौत

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के कविनगर थानाक्षेत्र में बुधवार देर रात बेकाबू कार सड़क किनारे पेड़ों से टकरा गई। हापुड़ रोड स्थित कलेक्ट्रेट के सामने हुए हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक दोनों युवक अवंतिका के रहने वाले थेम घटना के बाद उनके परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस के मुताबिक बुधवार देर रात डायल-112 पर हापुर रोड स्थित कलेक्ट्रेट भवन के सामने सड़क हादसे की सूचना मिली। कविनगर पुलिस मौके पर पहुंची तो एक बोलेरो गाड़ी सड़क किनारे पेड़ों से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली। घटना के वक्त कार में दो युवक सवार थे, जिन्हें एंबुलेंस से संजय नगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल ले जाया जा चुका था। वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान कविनगर थाना क्षेत्र के माया कुंज अवंतिका निवासी 22 वर्षीय आयुष चौहान और अवंतिका फर्स्ट निवासी 19 वर्षीय अर्जुन के रूप में हुई। एसीपी कविनगर स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि आयुष चौहान मूलरूप से नगर कोतवाली क्षेत्र के भाटिया मोड़ का रहने वाला था। घटना के वक्त दोनों कहां जा रहे थे, इसका पता लगाया जा रहा है। प्रथमदृष्टया तेज रफ्तार में होने से कार के अनियंत्रित होने से हादसा होने का अंदेशा है। मामले में आगामी कार्रवाई की जा रही है।

मस्जिदों से पढ़ा जाएगा वक्फ ऐक्ट के खिलाफ तैयार प्रस्ताव

जम्मूकश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में संशोधित वक्फ कानून को लेकर धार्मिक प्रतिनिधियों द्वारा बुलाई गई बैठक को रोके जाने पर ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और मुत्तहिदा मजलिस-ए-उलमा (एमएमयू) के प्रमुख मीरवाइज उमर फारूक ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने बुधवार को कहा कि श्रीनगर स्थित उनके निवास पर प्रस्तावित बैठक को पुलिस ने अनुमति नहीं दी है। मीरवाइज ने इसे धार्मिक प्रतिनिधियों के शांतिपूर्ण विचार-विमर्श के अधिकार का हनन बताया।

उन्होंने कहा कि नए वक्फ कानून के खिलाफ एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिसे शुक्रवार को मस्जिदों और धार्मिक कार्यक्रमों में पढ़ा जाएगा। उनकी पार्टी ने इस मुद्दे पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के रुख को भी अपना समर्थन दिया है।

एमएमयू घाटी के विभिन्न धार्मिक संगठनों का एक संयुक्त मंच है। इसने बुधवार को इस नए कानूनों के प्रभावों पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई थी। बैठक मीरवाइज के निवास पर होनी थी, लेकिन प्रशासन ने वहां पुलिस बल तैनात कर दिया। मीरवाइज ने एक्स पर

लिखा, वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर आज मेरे निवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक होनी थी, लेकिन उसे प्रशासन ने अनुमति नहीं दी। जम्मू, करगिल, लद्दाख सहित कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से धार्मिक प्रतिनिधि इसमें भाग लेने पहुंचे थे। उन्होंने आगे कहा, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक मुस्लिम बहुल क्षेत्र में मुस्लिम विद्वानों और धार्मिक संस्थाओं को एक गंभीर मुद्दे पर शांतिपूर्वक चर्चा करने और प्रतिक्रिया देने से रोका जा रहा है। जब भारत की संसद में सभी राजनीतिक दल इस पर खुलकर विचार रख सकते हैं, तो जम्मू-कश्मीर के धार्मिक और राजनीतिक प्रतिनिधियों को भी यह अधिकार मिलना चाहिए।

मीरवाइज ने बताया कि एमएमयू की ओर से तैयार किया गया संयुक्त प्रस्ताव शुक्रवार को मस्जिदों और धार्मिक स्थलों में पढ़ा जाएगा। यह फैसला सभी सदस्यों की सहमति से लिया गया है। इससे पहले सोमवार को मीरवाइज ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम द्वारा वक्फ कानून पर चर्चा के लिए लाए गए स्थगन प्रस्ताव को अस्वीकार करने के निर्णय की आलोचना की थी।

नवरात्रि के दौरान 18 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने शक्तिपीठों के दर्शन किए

कांगड़ा, एजेंसी। हाल ही में संपन्न नवरात्रि उत्सव के दौरान हिमाचल प्रदेश में 18.85 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने शक्तिपीठों के दर्शन किए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक 7.82 लाख भक्तों ने कांगड़ा जिले के ज्वाला जी मंदिर में दर्शन किए।

इसके बाद सिरमौर में माता बाला सुंदरी मंदिर (3.42 लाख), बिलासपुर में नैना देवी मंदिर (3.20 लाख), कांगड़ा में बगलामुखी मंदिर (1.30 लाख), ऊना में चिंतपूर्णी मंदिर (1.23 लाख), बृजेश्वरी देवी मंदिर (96,850) और चामुंडा देवी मंदिर (89,000) में भक्तों की भीड़ उमड़ी। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि यातायात आंकड़ों से पता चला है कि इस अवधि के दौरान 15,481 भारी मोटर वाहन, 66,996 हल्के मोटर वाहन और 55,718 दोपहिया वाहनों ने इन शहरों में प्रवेश किया। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, नवरात्रि उत्सव 30 मार्च से छह अप्रैल तक मनाया गया।

तहव्वुर राणा को भारत लाना बड़ी सफलता, विपक्षी नेता ने भी की मोदी सरकार की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा का अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण हो गया है। इसे भारत सरकार अपनी बड़ी कामयाबी मान रही है तो वहीं विपक्ष ने भी इसकी सराहना की है। शरद पवार की पार्टी एनसीपी-एसपी के नेता माजिद मेनन का कहना है कि निश्चित तौर पर यह मोदी सरकार के लिए एक उपलब्धि है। उन्होंने कहा, निसंदेह तहव्वुर राणा का भारत आना सरकार के लिए एक बड़ी सफलता है। अमेरिका ने इस मामले में बहुत लंबा समय लिया है। उसका प्रत्यर्पण और पहले हो जाना चाहिए था। हमें इस बात की खुशी होनी चाहिए कि हम इस मामले में कुछ न्याय कर सकेंगे। यह मामला पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है। माजिद मेनन ने कहा कि हमें बस यह ध्यान देना होगा कि इस केस में इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स का पालन किया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि नियमानुसार प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी तो जांच टीम बहुत अच्छा काम करेगी। इस मामले का ट्रायल सही तरीके से होना चाहिए। तहव्वुर राणा के खिलाफ दिल्ली में केस चलना है। उसके खिलाफ एनआईए की विशेष अदालत में मामला चलेगा और फिर हाई कोर्ट आदि में भी सुनवाई होनी है। इस मामले में होम मिनिस्ट्री की ओर से विशेष लोक अभियोजन नरेंद्र मान को वकील नियुक्त किया गया है। वह अगले तीन वर्षों तक इस मामले में पैरवी करेंगे। नरेंद्र मान भले ही लीगल वर्ल्ड में बड़ा नाम नहीं हैं, लेकिन उन्हें काम लंबा अनुभव है। वह कई अहम मामलों में वकील रह चुके हैं। उन्होंने 2018 में एसएससी पेपर लीक केस में भी बहस की थी। उनके ट्रैक रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए ही सरकार ने उन्हें लोक अभियोजक नियुक्त किया है। बता दें कि इसी तरह मुंबई हमले के गुनहगार अजमल कसाब का मामला भी जब अदालत पहुंचा था तो उज्वल निकम को वकील बनाया गया था। उन्होंने कसाब को फांसी के फंदे तक पहुंचाने के लिए दलीलें दी थीं। उज्वल निकम को उस केस से बहुत लोकप्रियता मिली थी और 2014 के आम चुनाव में तो इलेक्शन भी लड़े थे। हालांकि उन्हें जीत नहीं मिल सकी। अब तक मिली जानकारी के अनुसार तिहाड़ जेल में ही तहव्वुर राणा को रखा जाएगा।

फरीदाबाद के बाल भवन में शौचालय में बच्चों से बर्तन धुलवाए, वायरल वीडियो से हड़कंप

फरीदाबाद एजेंसी। फरीदाबाद एनआईटी दो स्थित दौलत राम धर्मशाला के समीप चल रहे बाल भवन में शौचालय के नल से खाने के बर्तन धोने का मामला प्रकाश में आया है। इसे लेकर सोशल मीडिया में वीडियो भी वायरल हुआ है। उस वीडियो में दो बच्चे शौचालय के नल से बर्तन साफ करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो जनवरी का बताया जा रहा है। इस वीडियो में बाल भवन में रह रहे बच्चों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति गंभीरता की पोल खोल कर रख दी है।

आरोप है कि जिला प्रशासन बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। बता दें कि बाल भवन में बाल मजदूरी, हिंसा का शिकार और घर से भागे बच्चों को रखा जाता है और जिला प्रशासन की ओर से उनके रहने और खाने की व्यवस्था की जाती है। इस समय बाल भवन में 20 बच्चे रह रहे हैं। जिला प्रशासन ने वीडियो वायरल की बात स्वीकार की है और उस पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि यह वीडियो पुराना बताया जा रहा है, लेकिन अब यह सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। छह मार्च को ही एडीसी की अध्यक्षता में जांच के आदेश दे दिए गए थे। उस दौरान कुछ खामियां मिली थीं। जांच रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि बच्चों के स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए त्वरित कदम उठाए जाएंगे और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सुधार किए जाएंगे। इस मामले को लेकर बाल भवन से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद उन्होंने बाल संरक्षण विभाग के हेडक्वार्टर और डीसी ऑफिस को रिपोर्ट भेजी है। विभाग की एक टीम 19 फरवरी को जांच करके गई है। फिलहाल मामला हेडक्वार्टर के उच्च अधिकारियों के अधीन है।

हीरा कारखाने के 150 कारीगरों की पानी पीने के बाद बिगड़ी तबीयत, पुलिस बोली सल्फास मिलाया

सूरत, एजेंसी। गुजरात के सूरत शहर में स्थित एक हीरा कारखाने में उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां काम करने वाले 150 से अधिक कारीगरों की अचानक तबीयत खराब हो गई। यह घटना कापोदरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत अनभ जेम्स नामक डायमंड फैक्ट्री में हुई, जहां कारीगर रोजाना की तरह हीरा तराशने का काम कर रहे थे।

पुलिस और कारखाना प्रबंधन के अनुसार, कुछ कारीगरों ने फैक्ट्री में लगे वाटर कूलर से पानी पिया, जिसके बाद उन्हें चक्कर आने और उल्टी की शिकायत शुरू हुई। अन्य कर्मचारियों ने पानी से असामान्य गंध आने की बात प्रबंधन को बताई, जिसके बाद यह मामला गंभीर रूप लेता चला गया। घटना की सूचना मिलते ही कापोदरा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक तफ्तीश में वाटर कूलर के पास सल्फास का एक पैकेट बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि पैकेट का कवर फटा हुआ था, हालांकि अंदर का पैकेट अभी सुरक्षित था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कारखाना मालिकों ने तत्काल सभी कर्मचारियों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल पहुंचाया। कुल 104 लोगों को किरण अस्पताल और 14 को डायमंड अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से दो कारीगरों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें आईसीयू में रखा गया है, जबकि बाकी को मामूली शिकायतों के चलते जनरल वार्ड में भर्ती किया गया है।

पुलिस ने इस घटना को हत्या की कोशिश मानते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) के तहत मामला दर्ज किया है। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) बीआर पटेल ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं, जो अलग-अलग पहलुओं से तफ्तीश कर रही हैं। उन्होंने कहा, हम सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस का सहारा लेकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर पानी में सल्फास कैसे और किसने मिलाया। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या यह घटना दुर्घटनावश हुई या इसके पीछे कोई साजिश थी। अस्पताल में भर्ती कुछ कारीगरों ने बताया कि उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि पानी में कुछ मिला हुआ है। एक कर्मचारी ने कहा, हमने दोपहर में पानी पिया और उसके बाद अचानक चक्कर आने लगे। फिर हमें अस्पताल लाया गया। फिलहाल सभी मरीजों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है।

पीने लायक नहीं है गाजियाबाद का पानी, सोसाइटी-होटल के 145 सैंपल फेल; हेल्थ विभाग ने भेजा नोटिस

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद का पानी पीने लायक नहीं है। पिछले तीन महीने में पेयजल के 145 सैंपल जांच में फेल पाए गए। गंभीर बात यह है कि पानी के नमूने होटल, वाटर प्लांट, स्कूल और ढाबों से लिए गए थे। स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित संस्थानों को नोटिस जारी करने के साथ स्थानीय निकाय को भी पानी की गुणवत्ता में सुधार के लिए पत्र लिखा है।

गाजियाबाद में जनवरी से मार्च तक स्वास्थ्य विभाग ने होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों, वाटर प्लांट, सोसाइटी और गली-मोहल्लों से पेयजल के 434 सैंपल लिए। इनमें से 145 सैंपल फेल पाए गए। गर्मी के मौसम में पानी की गुणवत्ता खराब मिलने से स्वास्थ्य विभाग चिंतित है। दूषित पानी की वजह

से डायरिया, टाइफाइड जैसे संक्रामक रोग होने का खतरा बना रहता है। एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. शिवी अग्रवाल ने बताया कि सामान्य रूप से पानी में 150 से 200 तक टीडीएस होना चाहिए, लेकिन पानी के इन नमूनों की जांच में टीडीएस की मात्रा 500 से 1000 मिल रही है। इसके अलावा जांच में सीवर का पानी भी पाया गया। दूषित पानी से टाइफाइड बुखार और डायरिया के अलावा आंतों की बीमारी होने का खतरा बना रहता है।

जिले में 1500 से ज्यादा होटल, रेस्टोरेंट और बैंक्वेट हॉल पंजीकृत हैं। इन होटल और रेस्टोरेंट को राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से सत्यापित लैब से प्रमाणपत्र लेना जरूरी है। इसके बावजूद नियमों को ताक पर रखकर प्राइवेट लैब से मनमानी रिपोर्ट बनवाकर पंजीकरण करा लिए गए हैं। जबकि होटलों में पीने के पानी की कोई गारंटी नहीं है। गाजियाबाद के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने कहा, जिन संस्थानों के पानी के सैंपल फेल पाए गए हैं, उन्हें नोटिस जारी किया गया है। साथ ही नगर निगम और संबंधित स्थानीय निकाय को पानी की गुणवत्ता सुधारने के लिए पत्र लिखा गया है, ताकि गर्मी में पानी की वजह से बीमारी का सामना ना करना पड़े। वार्ड-3 में दूषित पानी के विरोध में प्रदर्शन किया

वर्ष 2027 के गोवा विधानसभा चुनाव में भाजपा 27 से ज्यादा सीटें जीतेगी

पणजी, एजेंसी। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वर्ष 2027 में होने वाले 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा चुनाव में 27 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। बुधवार को राज्य की राजधानी पणजी में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सावंत ने यह भी कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा अगले आम चुनावों (2029 में) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सत्ता बरकरार रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के कारण अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा 300 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने पिछले साल 543 सदस्यीय लोकसभा के चुनाव में 293 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा को 240 सीटें मिली थीं। वर्ष 2022 के गोवा विधानसभा चुनावों में, भाजपा 20 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और उसने तटीय राज्य में लगातार तीसरी बार अपनी सरकार बनाने के लिए क्षेत्रीय संगठन एमजीपी और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन हासिल किया। सावंत ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वर्ष 2027 में गोवा में हमारे पास 27 से अधिक विधानसभा सीटें हों। वरिष्ठ भाजपा नेता ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मतदाताओं तक पहुंचने और उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देने का आग्रह किया।

बिहार के खगड़िया में जदयू विधायक के रिश्तेदार की गोली मारकर हत्या

खगड़िया, एजेंसी। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक पन्नालाल सिंह पटेल के दूर के रिश्तेदार की बुधवार रात अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान 50 वर्षीय कौशल सिंह के रूप में हुई है। घटना के समय वह अपनी पत्नी के साथ दोपहिया वाहन से चौथम शहर के कैथी टोला इलाके की ओर जा रहे थे। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राकेश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह पारिवारिक विवाद प्रतीत होती है।

सिंह पूर्व पंचायत समिति सदस्य थे और जदयू विधायक पन्नालाल सिंह पटेल (बेलदौर) के दूर के रिश्तेदार थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि सिंह जदयू की जिला इकाई से भी जुड़े हुए थे। इस मामले पर जदयू के किसी वरिष्ठ नेता की प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। हालांकि, प्रतिक्रिया प्राप्त करने के कई बार प्रयास किए गए। खगड़िया के एसपी ने बताया, मृतक की पत्नी के अनुसार, एक व्यक्ति आया, कौशल सिंह को नजदीक से गोली मारी और फरार हो गया।

उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मृतक की पत्नी ने एक रिश्तेदार पर हत्या का संदेह जताया है और पुलिस को कुछ नाम भी बताए हैं।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो की अड़चन होगी दूर, जीएमडीए को सौंपा डिजाइन

गुरुग्राम, एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट की अड़चन जल्द दूर होगी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) और गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) के अधिकारियों के बीच बुधवार को बैठक हुई। इसमें जीएमआरएल ने बख्तावर चौक पर अंडरपास का तैयार डिजाइन जीएमडीए को सौंप दिया। जीएमडीए अपनी सलाहकार कंपनी से इसकी जांच करवाएगा। इसके साथ-साथ सुशील ऐमा मार्ग को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। यह बैठक सेक्टर-44 स्थित जीएमडीए कार्यालय में हुई।

जीएमआरएल की तरफ से ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का निर्माण तीन चरण में किया जाएगा। पहले चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से लेकर सेक्टर-नौ तक का निर्माण होगा। इसके तहत 1286 करोड़ रुपये का टेंडर आमंत्रित कर दिया है। इसे 22 अप्रैल को खोला जाएगा। दूसरे चरण में सेक्टर-नौ से लेकर डीएलएफ साइबर सिटी मेट्रो स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। तीसरे चरण में सेक्टर-33 में मेट्रो

डिपो तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जीएमआरएल को आदेश जारी किए हैं कि एक मई से मेट्रो निर्माण का काम शुरू कर दिया जाए। बुधवार को बैठक में जीएमडीए के मुख्य अभियंता अरुण धनखड़, राजेश बंसल, अधीक्षक अभियंता प्रवीण कुमार, फैजल इब्राहिम, कार्यकारी अभियंता विकास मलिक आदि मौजूद रहे।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत 27 स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके निर्माण पर 5452 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा। इस रूट की लंबाई 28.5 किलोमीटर है। इसके ऊपर मिलेनियम सिटी सेंटर, सेक्टर-45, साइबर पार्क, सेक्टर-47, सुभाष चौक, सेक्टर-48, सेक्टर-33, हीरो होंडा चौक, उद्योग विहार फेज-छह, सेक्टर-10, सेक्टर-37, गांव बसई, सेक्टर-नौ, सेक्टर-सात, सेक्टर-चार, सेक्टर-पांच, अशोक विहार, सेक्टर-तीन, बजघेड़ा रोड, पालम विहार एक्सटेंशन, पालम विहार, सेक्टर-23ए, सेक्टर-22, उद्योग विहार फेज-चार, उद्योग विहार फेज-पांच, साइबर सिटी, सेक्टर-101 आदि स्टेशन प्रस्तावित है। सुशील ऐमा मार्ग (सेक्टर-23-23ए) की मुख्य सड़क को लेकर विचार विमर्श हुआ। इसमें पानी और सीवर लाइन को लेकर चर्चा हुई। इस रोड से सीवर की मुख्य लाइन निकल रही है।